खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 25 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-24

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के प्रमुख पहुंचे बांग्लादेश

अमन को कर रहे पामाल... दो फटेहाल

ढाका, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक पिछले दिनों बांग्लादेश में थे। उन्होंने बांग्लादेश सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात की और बांग्लादेश सेना और सरकार के सलाहकारों और आला अफसरों से मंत्रणाएं कीं। आईएसआई के प्रमुख असीम मलिक दुबई के रास्ते ढाका पहुंचे थे, जहां उनका स्वागत बांग्लादेश सेना के क्वार्टर मास्टर जनरल ले. जनरल मोहम्मद फैजुर रहमान ने किया। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते ही बांग्लादेश सेना के शीर्ष अफसरों में से एक लेफ्टिनेंट जनरल

कमरुल हसन भी पाकिस्तान गए थे, जहां उन्होंने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से मुलाकात की थी।

बांग्लादेश को हथियारों का जखीरा दे रहा पाकिस्तान

बांग्लादेश सेना के दोनों लेफ्टिनेंट जनरल हसन और रहमान का पाकिस्तान के कट्टरपंथियों से गहरा नाता है और दोनों देशों के रिश्तों को नए सिरे से बढ़ाने में ये बड़ी भूमिका अदा कर रहे हैं। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर बीते कुछ दिनों में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में अप्रत्याशित बदलाव क्यों देखने को मिला है? दोनों ही देश मौजूदा समय में किन-किन क्षेत्रों में संपर्क बढ़ा रहे हैं? इसके अलावा बांग्लादेश की मौजूदा यूनुस सरकार और पाकिस्तान इस वक्त चाहते क्या हैं? इससे भारत के हित किस तरह प्रभावित होते हैं? आप जानते हैं कि हिंदी दैनिक शुभ-लाभ बांग्लादेश में हिंदुओं और वहां के अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहे हमलों, बांग्लादेश सरकार के बदलते चरित्र. उसके इस्लामिक आतंकवादी रुझान और पाकिस्तान के साथ हो रही उसकी साठगांठ पर लगातार खबरें प्रकाशित कर रहा है। ▶10 पर

दुर्गा माता मंदिर और शीतला मंदिर पर हमला, प्रतिमा जलाई

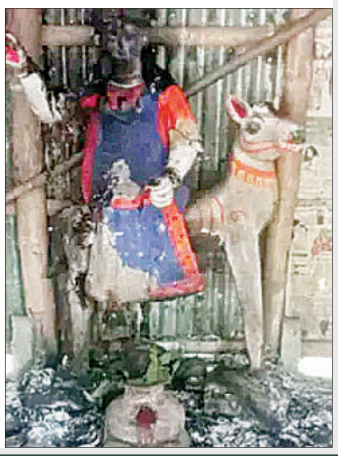

ढाका, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और उनके धार्मिक स्थलों पर हमले लगातार जारी हैं। ताजा मामले में ग़ोपालगंज जिले के काशियानी उपजिला के तराइल नॉर्थपारा गांव में दुर्गा मंदिर और शीतला मंदिर को गुरुवार 21 जनवरी की सुबह आग के हवाले कर दिया गया। इस आगजनी में दोनों मंदिरों को भारी नुकसान हुआ।

दुर्गा मंदिर की पूजा सामग्री जलकर खाक हो गई और शीतला देवी की मूर्ति को पुआल जलाकर खंडित कर दिया गया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया है। रोजाना मंदिर में पूजा करने वाले तराइल गांव के निवासी प्रमोथ विश्वास ने बताया कि जब वे सुबह पूजा के लिए पहुंचे तो दुर्गा मंदिर का बांस का दरवाजा खुला हुआ था। ▶10 पर

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी की बैठक में हंगामा

वक्फ विधेयक में बाधा डालने पर विपक्ष आमादा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक पर संसदीय समिति की बैठक में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। हंगामा करने वाले 10 सांसदों को पूरे दिन के लिए कमेटी की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया। इससे पहले बैठक के दौरान विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें मसौदा कानून में प्रस्तावित बदलावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। आज भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी कश्मीर के मीरवाइज

उमर फारूक के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के विचार सुनने वाली थी। बैठक में हुए हंगामे के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से सभी 10 विपक्षी

10 विपक्षी सांसद दिनभर के लिए निलंबित रहे

सांसदों को दिनभर के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित विपक्षी सांसदों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नासिर हुसैन, मोहिबुल्लाह, एम अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीमुल हक, इमरान मसूद शामिल हैं।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। इसे समिति ने स्वीकार कर लिया। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने दावा किया कि विपक्षी सदस्यों का आचरण शर्मनाक था, क्योंकि वे बैठक के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। मीरवाइज को बुलाने से पहले समिति के सदस्यों ने आपस में चर्चा की और इसी दौरान विपक्षी नेताओं के साथ बैठक में हंगामा हो गया। ▶10 पर

प्रशासन की नाक के नीचे सरकारी जमीनों पर हुए अवैध कब्जे

पीएम के संसदीय क्षेत्र में अवैध मस्जिदों मजारों का जाल

वाराणसी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अवैध मस्जिदों, मजारों और इमामबाड़ों की कतार लगी है। प्रशासन के रहते हुए सरकारी जमीनों पर कब्जा करके ये अवैध निर्माण कैसे बन गए? इस सवाल का जवाब वाराणसी प्रशासन या योगी सरकार के पास नहीं है। जब इन अवैध कब्जे को लेकर जनता में विरोध शुरू हुआ, तब प्रशासन को होश आया और प्रशासन ने अवैध कब्जों को लेकर एक सर्वे कराया। सर्वे में अनगिनत अवैध निर्माण का मामला उजागर हुआ, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में बेखौफ जारी था। वाराणसी के महत्वपूर्ण और व्यस्त इलाके नदेसर में बनी चर्चित जामा मस्जिद भी सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाई गई अवैध मस्जिद निकली। यह मस्जिद तालाब की जमीन पर बनी है। खूबी यह है कि इन अवैध सम्पत्तियों को भी वक्फ बोर्ड ने अपने रजिस्टर में दर्ज किया हुआ है।

वाराणसी की एडीएम (वित्त एवं राजस्व) वंदिता श्रीवास्तव ने बताया कि वक्फ बोर्ड वाराणसी में सरकार की 406 सम्पत्तियों को अपना बता रहा है। अवैध कब्जों का गाटावार सर्वे 2024 के अक्टूबर से दिसंबर माह के बीच कराया गया था।

सरकारी सर्वे में 406 सरकारी सम्पत्तियों पर मिला अवैध कब्जा

सर्वे में तहसील प्रशासन के साथ राजस्व कर्मी शामिल थे। जिला प्रशासन ने पूरी सर्वे रिपोर्ट राज्य शासन के अलावा हाईकोर्ट के आदेश पर गठित कमेटी के पास भी भेजी है। इसमें बताया गया है कि इन सम्पत्तियों का विवरण खतौनी में गाटा संख्या के नाम पर है। सर्वे के दौरान दस्तावेजों के आधार पर वक्फ बोर्ड की सम्पतियों की जानकारी जुटाई गई। इसमें खास तौर पर कितनी सरकारी सम्पत्ति को वक्फ बोर्ड ने अपनी सम्पत्ति बताई है। ▶10 पर

महाकुंभ अग्निकांड: खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली जिम्मेदारी

प्रयागराज, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में हाल ही में लगी आग की जिम्मेदारी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेएफ) ने ली है। इस संगठन के ही तीन आतंकी हाल में पीलीभीत में पुलिस ने मार गिराए थे। केजेएफ ने अग्निकांड को एनकाउंटर का बदला करार दिया है। इस अग्निकांड की जांच अब एनआईए और यूपी एटीएस कर रही हैं। कई संदिग्धों को इस मामले में पकड़ा भी गया है। उल्लेखनीय है कि 19 जनवरी को प्रयागराज महाकुंभ के कुछ शिविरों में आग लग गई थी। अब उसमें खालिस्तानी एंगल सामने आया है। लंदन और ग्रीस से चलने वाले केजेएफ आतंकी समूह ने इस आग का कारण ब्लास्ट बताया था और दावा किया था कि उसने ही यह काम किया है।

केजेएफ ने दावा किया है कि वह किसी को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते थे और केवल यह दिखाना चाहते थे कि क्या करने की क्षमता रखते हैं। यह पूरी बात उन्होंने मीडिया संस्थानों को भेजे गए एक ईमेल में लिखी है। उन्होंने इसे एक शुरुआत बताया है और पीलीभीत एनकाउंटर को फर्जी करार दिया है। पुलिस अभी इस खालिस्तानी एंगल को नकार रही है।

हालांकि, एनआईए और एटीएस ने आग लगने के दौरान आसपास मौजूद 1000 लोगों पर जांच चालू की है। यह भी बताया गया है कि इन 1000 में से लगभग 900 हिंदू नहीं हैं। ▶10 पर

आयुध फैक्टरी में विस्फोट में आठ की मौत, सात घायल

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को सुबह एक आयुध फैक्टरी में विस्फोट हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि सात को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आयुध फैक्टरी में विस्फोट के कारण एक इकाई की छत गिरने से कई श्रमिक फंस गए। उन्होंने विस्फोट में जान गंवाने वालों के लिए शोक भी व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भंडारा में आयुध फैक्ट्री में बड़ा ▶10 पर

छत्तीसगढ़ में 13 महीनों में हुई 10 बड़ी मुठभेड़

कुख्यात कमांडरों समेत 240 नक्सली मारे गए

जगदलपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में पिछले 13 महीनों में हुई मुठभेड़ों में 240 नक्सली मारे गए। इनमें 25 लाख से एक करोड़ तक के इनामी नक्सली और उनके शीर्ष कैडर्स शामिल हैं जबकि आंध्र प्रदेश, ओड़ीशा, तेलंगाना और महाराष्ट्र में मारे गए नक्सलियों की संख्या इनके अतिरिक्त है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि बस्तर संभाग के सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर जिले आबूझमाड़ में सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले हैं जहां पर सुरक्षाबलों बड़े

25 लाख से एक करोड़ तक के इनामी नक्सली शामिल

अभियान चलाए हैं।

पिछले 13 महीनों में छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की नक्सलियों की दस बड़ी मुठभेड़ हुईं। इनमें अब तक सीसीएम, एससीएम, डीकेएसजेडसी कैडर के नक्सली मारे जा चुके हैं। इन पर 25 लाख से लेकर 1 करोड़ तक का इनाम घोषित था। हाल ही में मारे गये कुख्यात नक्सली नेता एक करोड़ का इनामी नक्सली जयराम उर्फ चलपती सहित रामचन्द्र उर्फ कार्तिक उर्फ दसरू उर्फ जीवन पद (एस.सी.एम.) ओड़ीशा स्टेट कमेटी सदस्य, सचिव पश्चिम ब्यूरो मारा गया है। बीजापुर जिले के जंगल में तेलंगाना सीमा पर 16 जनवरी को हुई मुठभेड़ में 50 लाख रुपए के इनामी नक्सली दामोदर को भी मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है। इसी तरह रणधीर, नीति उर्फ निर्मला, जोगन्ना, दसरू, रूपेश, शंकर राव जैसे डीकेएसजेडसी (दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी), टीएससी कैडर के नक्सली मारे गए हैं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 16°

तमिलनाडु में मिले 5300 साल पुराने साक्ष्य

तुर्की नहीं, भारत से शुरू हुआ था लौह युग

चेन्नई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मानव सभ्यता द्वारा लोहे का उपयोग सबसे पहले भारत में हुआ था। तमिलनाडु से मिले लोहे के औजारों और बर्तनों से इस बात की पुष्टि हुई है। लैब में की गई जांच से यह 5 हजार साल से अधिक पुराने पाए गए हैं। इससे पहले माना जाता था कि तुर्की में सबसे पहले लोहे का उपयोग चालू हुआ। लौह युग का जनक अब भारत को माना जा सकता है।

तमिलनाडु में लौह युग के प्रमाण देने वाली रिपोर्ट मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने जारी की है। उन्होंने लिखा, मैं बड़े गर्व के सामने विश्व के सामने यह घोषणा करता हूँ कि लौह युग की शुरुआत तमिल धरती पर हुई। विश्व-प्रसिद्ध संस्थानों के परिणामों के आधार पर, तमिलनाडु में लोहे का उपयोग ईसा पूर्व 4000 वर्ष की शुरुआत से होता है, जिससे यह स्थापित हो गया है कि दक्षिण भारत में लोहे का उपयोग 5,300 साल पहले जोरशोर से हो रहा था।

तमिलनाडु के थूथुकोड़ी जिले में सिवागालाई समेत कई

लोहा गला कर बना था चाकू-तलवार, जांच में पुष्टि

इलाकों में 2019 से 2022 के बीच आठ अलग-अलग जगह खुदाई की गई थी। यह खुदाई एक कब्रिस्तान के आसपास हुई थी। यहां खुदाई में तमिलनाडु पुरातत्व विभाग को 160 बड़े मिट्टी के कलश मिले थे। इनमें से एक कलश पूरी तरीके से बंद मिला, जिसमे सदियों के बाद भी मिट्टी नहीं गई थी। इस कलश के भीतर एक मानव कंकाल, कुछ लोहे के औजार और धान के बीज भी मिले थे। सबसे पहले पुरातात्विकों ने धान की जांच करवाई जो लगभग 3 हजार साल पुराना निकला। इसके बाद इस कलश और बाकी जगह से इकट्ठा हुए लोहे के सामान की जांच हुई। यह सभी 2953 ईसा पूर्व से 3345 ईसा पूर्व (लगभग 5000 साल पुराने) के निकले। इन कलश से इनमें चाकू, तलवार, छेनी, अंगूठी और कुल्हाड़ी जैसे सामान मिले हैं। यह लोहे को गला कर बनाए गए थे। इनकी जांच एक्सेलरेटर मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एएमएस) तकनीक से करवाई गई। यह तकनीक कार्बन डेटिंग का एक हिस्सा है। ▶10 पर

अमूल ने एक लीटर दूध पर एक रुपए कम की कीमत

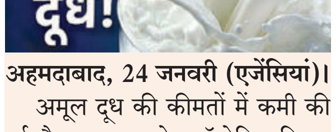

अहमदाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमूल दूध की कीमतों में कमी की गई है। गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर जयन मेहता ने इस बारे में जानकारी दी। कंपनी ने कहा है कि उसके तीन प्रमुख दूध उत्पादों की कीमत में एक रुपए की कमी की गई है। इनमें अमूल गोल्ड, अमूल टी स्पेशल और अमूल फ्रेश शामिल है। इनके एक लीटर वाले पाउच की कीमत में एक रुपए की कमी की गई है।

अमूल दूध की कीमतों में एक रुपए प्रति लीटर की कटौती के बाद दूध से बनने वाले उत्पादों की कीमतों में भी कटौती होने की उम्मीद है। ▶10 पर

पाकिस्तान संसद के संयुक्त सत्र में हंगामे के बीच चार विधेयक पारित, पीईसीए पर नारेबाजी

इस्लामाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

मुल्क के प्रमुख विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के सांसदों के हंगामे के बीच संघीय सरकार ने संसद के संयुक्त सत्र में चार विधेयकों को पारित कर दिया। पीटीआई नेता हाथों में तख्तियां लेकर सदन में दाखिल हुए और पीईसीए अधिनियम अस्वीकार्य और पत्रकारों का उत्पीड़न अस्वीकार्य जैसे नारे लगाए। पत्रकारों ने इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण अधिनियम (पीईसीए) 2016 में गुरुवार को किए गए संशोधनों का विरोध करते हुए सत्र को कवर करते समय बाजू पर काली पट्टियां बांधी। विपक्षी नेता उमर अयूब के औचित्य के प्रश्न पर बोलने के अनुरोध को नेशनल असेंबली अध्यक्ष अयाज सादिक ने खारिज कर दिया। इस पर विपक्षी सदस्यों ने अपनी सीटों पर खड़े होकर नारे लगाए और विधायी एजेंडे की प्रतियां फाड़ दीं। हंगामे के बावजूद सरकार चार विधेयकों को पारित करने में सफल रही। यह विधेयक हैं– व्यापार संगठन (संशोधन) विधेयक 2021, आयात और निर्यात नियामक (संशोधन) विधेयक 2023, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान विधेयक 2024, राष्ट्रीय उत्कृष्टता संस्थान विधेयक 2024। हालांकि राष्ट्रीय मानव विकास आयोग (संशोधन) विधेयक 2023, एनएफसी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी मुल्तान (संशोधन) विधेयक 2023, राष्ट्रीय कौशल विश्वविद्यालय इस्लामाबाद (संशोधन) विधेयक 2023, कला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए संघीय उर्दू विश्वविद्यालय इस्लामाबाद (संशोधन) विधेयक 2023 पारित नहीं हो सके। सत्र 18 मिनट तक चला। सत्र समाप्त होने के बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी संसद पहुंचे। फिलहाल संसद के निचले सदन में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी और हंगामा जारी है। कल इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2025 पारित होने से पहले विपक्षी दलों ने वाकआउट किया था। पत्रकार संगठनों ने इस संशोधन की कड़ी आलोचना की है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में पूर्व पुलिस अधिकारी जेफरी नेल्सन को हत्या के केस में 16 साल और आठ महीने जेल की सजा

केंट (अमेरिका)। केंट के मालेंग क्षेत्रीय न्याय केंद्र (अदालत) ने गुरुवार को 26 वर्षीय जेसी सारे हत्याकांड पर फैसला सुना दिया। अदालत ने पूर्व पुलिस अधिकारी जेफरी नेल्सन को दोषी ठहराते हुए 16 साल और आठ महीने जेल की सजा सुनाई। जेसी सारे की 31 मई, 2019 को ऑबर्न बाजार के आसपास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सजा का ऐलान किंग काउंटी सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश निकोल गेन्स फेल्प्स ने किया। जेफरी नेल्सन को वाशिंगटन में गिरफ्तार किया गया था। इस फैसले से वह ऑन–ड्यूटी हत्या के लिए दोषी ठहराए जाने वाले पहले पुलिसकर्मी बन गए। न्यायाधीश फेल्प्स ने लगभग अधिकतम सजा सुनाई। अभियोजन के अनुसार, जेसी सारे को 31 मई, 2019 को ऑबर्न बाजार के बाहर गिरफ्तार करने के दौरान गोली मारी गई थी। अभियोजन ने राज्य की मानक सीमा के तहत सबसे लंबी सजा 18 साल और चार महीने की मांग की थी। अदालत ने जेफरी नेल्सन के चाल–चलन को देखते हुए 16 साल और आठ महीने जेल की सजा सुनाई। जून में एक जूरी ने पूर्व पुलिस अधिकारी 46 वर्षीय नेल्सन को सेकेंड–डिग्री हत्या और फर्स्ट–डिग्री हमले का दोषी ठहराया था। ऑबर्न पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सैम बेट्ज का कहना है कि नेल्सन का आचरण अच्छा रहा है। उन्होंने वीरता पुरस्कार भी दिया गया था। इसी वजह से हत्या का आरोप लगने के बाद पुलिस भर्ती पोस्टरों पर उनकी छवि का इस्तेमाल किया गया।

खालिदा जिया को लंदन में अस्पताल से बेटे के घर शिफ्ट करने की तैयारी

लंदन। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया को अस्पताल से उनके बेटे तारिक रहमान के लंदन स्थित किंग्स्टन निवास पर शिफ्ट किया जाएगा। उनके निजी चिकित्सक ने कहा कि वयोवृद्ध बेगम खालिदा जिया का इलाज अब तारिक रहमान के घर पर होगा। बेगम खालिदा इस समय द लंदन क्लिनिक में भर्ती हैं। बेगम खालिदा के निजी चिकित्सक और बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन ने गुरुवार को स्थानीय समयानुसार रात करीब 10 :30 बजे द लंदन क्लिनिक के सामने पत्रकारों से यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि खालिदा जिया शुक्रवार रात को बेटे के घर जा सकती हैं। घर पर डॉ. पैट्रिक कैनेडी और डॉ. जेनिफर क्रॉस की देखरेख में उनका इलाज जारी रहेगा। उन्होंने खालिदा जिया के ठीक होने की प्रार्थना की है। डॉ. जाहिद ने कहा कि अगर उनकी सेहत में सुधार इसी दर से जारी रहा तो वह जल्द ही बांग्लादेश लौट सकती हैं। हालांकि डॉ. जाहिद ने साफ किया कि लीवर प्रत्यारोपण के संबंध में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी कि खालिदा जिया की उम्र और शारीरिक स्थिति को देखते हुए लिवर प्रत्यारोपण की संभावना फिलहाल कम है।

पाक में स्वतंत्र पत्रकारिता करना मुश्किल मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट में दावा

लाहौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में स्वतंत्र पत्रकारिता की राह और मुश्किल हो गई है। स्वतंत्र पत्रकारिता के पक्षधर मीडिया आउटलेट्स को कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात बेमानी हो जाती है। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने गुरुवार को पिछले दो वर्षों के दौरान देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट पत्रकार माहिम माहेर के शोध पर आधारित है। इसमें मीडिया के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहे अपवित्र गठबंधनों की भी चर्चा की गई है।

इस रिपोर्ट में अप्रैल 2022 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ पारित अविश्वास प्रस्ताव के बाद से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बिगड़ती स्थिति का विस्तृत विवरण है। रिपोर्ट में मीडिया के कुछ वर्गों पर कड़े प्रतिबंध और दूसरों के लिए उदारता पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फंदा निस्संदेह कड़ा हो गया है। एक पत्रकार की हत्या और अन्य को जबरन गायब कर भय पैदा किया गया। सोची–समझी प्रेस सलाह और डिजिटल स्वतंत्रता को नियंत्रित करने के कानूनी बदलाव मुल्क में स्वतंत्र पत्रकारिता की राह में रोड़ा खड़ कर रहे हैं।

एचआरसीपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि मुल्क में सेंसरशिप के बढ़ते खतरे के बीच डिजिटल मीडिया फिलहाल खुलकर लिख रहा है। इस बीच बड़े मीडिया घरानों में भरोसे की कमी का फायदा सत्ता प्रतिष्ठान ने जमकर उठाया है। यह रिपोर्ट एक ऐसे राष्ट्र की गंभीर तस्वीर पेश करती है जहां कानूनी, संस्थागत और गुप्त दबावों के संयोजन से बोलने की आजादी को खत्म कर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे चिंताजनक निष्कर्षों में से एक सॉफ्टवेयर अपडेट का बढ़ना है।यह शब्द पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के अपहरण, पूछताछ और जबरदस्ती अनुपालन के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सॉफ्टवेयर अपडेट के परिणामस्वरूप अकसर जबरन स्वीकारोक्ति कराई जाती है। इसका मकसद ईमानदार पत्रकारों को उनकी भूमिकाओं से अलग करना होता है। जोर–जुल्म की वजह से वह अपना काम स्वतंत्र रूप से जारी रखने में असमर्थ हो जाते हैं। 2024 के आम चुनाव सही रिपोर्टिंग मीडिया कवरेज पर अभूतपूर्व प्रतिबंधों के कारण बाधित हुई।

एचआरसीपी के अनुसार, पत्रकारों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया कि वह इमरान खान या उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) का नाम लेने से बचें। न्यूज रूम के एक कर्मचारी ने तीन मिनट की एक संक्षिप्त बैठक के बारे में बताया कि संघीय सरकार के प्रतिनिधियों ने आदेश दिया था कि इमरान खान का नाम ऑन एयर नहीं लिया जाएगा।

इस रिपोर्ट में 2022 में केन्या में एआरवाई के पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या पर चिंता जताई गई है। इसमें कहा गया है कि इससे समाचार कक्षों में डर व्याप्त हो गया। पत्रकारों ने बचने के लिए बीच का रास्ता अपना लिया।

रिपोर्ट में पाकिस्तान में सेंसरशिप की विरोधाभासी प्रवृत्ति पर भी चर्चा की गई है। इसमें कहा गया कि कई आवाजों को दबा दिया गया। इससे सरकार समर्थक लोग बेलगाम हो गया। सरकार से असहमत लोगों की मुश्किल बढ़ गई। दमनकारी हालात के बीच एचआरसीपी को लग रहा है कि सोशल मीडिया प्रतिरोध के लिए बड़े मंच के रूप में उभर रहा है।

एचआरसीपी ने चेतावनी दी कि महत्वपूर्ण आवाजों को दबाने से न केवल लोकतंत्र कमजोर होगा बल्कि संस्थानों में जनता का भरोसा भी कम होगा। रिपोर्ट में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया गया है।

हमास का खात्मा नहीं कर पाया इजराइल, गाजा फिर लड़ाकों के कब्जे में

गाजा, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

हमास और इजरायल के बीच चली जंग में हजारों लोग मारे गए और लाखों लोगों का घरौंदा मिट गया। ये सिर्फ इसलिए हुआ कि इजरायल हर हाल में गाजा को हमास से मुक्त कराना चाहता था। दोनों तरफ की बर्बादी के बाद भी स्थित वहीं की वहीं हैं और गाजा पर हमास का कब्जा नहीं हटा। सड़कों पर हमास के लड़ाके दिख रहे हैं और इजरायल का हमास को खत्म करने का संकल्प अधूरा रह गया।

इजरायल के सैन्य प्रमुख हर्जी हलेवी ने मार्च की शुरुआत में घोषणा की थी कि वे इस्तीफा दे देंगे क्योंकि सेना 7 अक्टूबर के हमले को रोकने में विफल रही थी।

उनको भी अपने शेष जीवन में इन अपमानजनक तस्वीरों के साथ जीना होगा।7 अक्टूबर के हमले की पहली बरसी के अवसर पर सैनिकों को भेजे गए एक पत्र में, उन्होंने दावा किया था कि इजरायली सेना ने हमास की सैन्य शाखा को हरा दिया है और इसकी क्षमताओं को नष्ट करने के लिए लड़ाई जारी रखी है।

जबकि इजरायल के अंदर और बाहर के एक्सपर्ट और सैनिक एक्सपर्ट चेतावनी दे रहे थे कि हमास के लड़ाकों को हराना असंभव था, जो अपनी छीनी हुई जमीन के लिए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए पूरे दिल से तैयार थे।

ये चेतावनियां गाजा में नरसंहार के दिनों में सुनाई गईं, लेकिन राजनीतिक और सैन्य अधिकारियों ने उनकी एक न सुनी। यूरोपीय काउंसिल फॉर फॉरेन रिलेशंस (ईसीएफआर) नामक थिंक टैंक के मुताबिक हमास ने करीब 6,000 लड़ाकों को खो दिया है, लेकिन ऐसा लगता है कि वे अपने रिजर्व से लगभग 6,000 सदस्यों की भर्ती कर रहे हैं।

गाजा में हमास लड़ाकों की फिर से हर जगह दिख रही मौजूदगी ने इजरायल को झकझोर कर रख दिया है। हमास लड़ाकों की फिर से मौजूदगी ने साबित कर दिया है कि 470 दिनों की लगातार बमबारी और जमीनी हमले ज्यादातर निरर्थक रहे हैं।

युवाओं की जय–जयकार के बीच हमास के लड़ाकों की फिर से मौजूदगी उन इजरायली नेताओं को लगातार परेशान करती रहेगी, जो इस भ्रम में थे कि वे उन लड़ाकों को खत्म कर सकते हैं, जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए कई दशकों से संघर्ष किया है।

हमास लड़ाकों की फिर से मौजूदगी ने साबित कर दिया है कि फिलिस्तीनी कभी भी आजादी और न्याय के अपने अधिकारों को नहीं छोड़ेंगे।

तुर्की के स्की रिजॉर्ट में आग की घटना में मरने वालों की संख्या 78 हुई

अंकारा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तुर्की के उत्तर–पश्चिमी बोलू प्रांत स्थित कार्तलकाया स्की रिजॉर्ट में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है। देश के न्याय मंत्री यिलमाज तुनक ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। इस घटना के सिलसिले में 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

तुनक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि जिन लोगों को हिरासत में लिया गया है, उनमें उप महापौर, अग्निशमन प्रमुख और होटल के मालिक तथा प्रबंधक शामिल हैं। मामले की जांच जारी है।

बारह मंजिला इस होटल में मंगलवार सुबह आग लग गई थी। चौथी मंजिल पर स्थित एक रेस्टोरेंट में यह आग लगी थी जो धीरे–धीरे ऊपरी मंजिलों तक फैल गई।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने बुधवार को राष्ट्रीय शोक दिवस की घो–षणा की।

कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में एर्दोगन ने कहा, इस घटना के पीछे जो भी दोषी हैं, जिनकी लापरवाही पाई जाएगी, उन्हें कानून के सामने जवाबदेह ठहराया जाएगा।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने बताया कि 17 घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है तथा अन्य घायलों का उपचार जारी है, जिनमें से एक को गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में रखा गया है।

होटल में 238 मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था थी।

कार्तलकाया इस्तांबुल से लगभग 300 किलोमीटर पूर्व में कोरोग्लू पहाड़ों में एक लोकप्रिय स्की रिजॉर्ट है।

बोलू उत्तरी तुर्की का एक शहर और बोलू प्रांत तथा बोलू जिले का प्रशासनिक केंद्र है, जो इस्तांबुल और अंकारा के बीच राजमार्ग पर स्थित है।

बोलू शहर के केंद्र से 38 किलोमीटर दूर कोरोग्लू पहाड़ों की चोटी पर स्थित, स्की और माउंटेन होटल 60,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।

यह तुर्की के प्रमुख शीतकालीन पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां स्की सीजन के दौरान हजारों आगंतुक आते हैं।

ट्रंप ने बताया यूक्रेन युद्ध को तुरंत रोकने का फॉर्मूला,कहा– कम करें तेल की कीमतें

वाशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन के दूसरे देशों से तेल की कीमतें कम करने को कहा है। ट्रंप ने कहा कि तेल की कीमतें कम होने से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को तत्काल खत्म करने में मदद मिलेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्विटरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक के दौरान ये बात कही है।एक दिन पहले ही ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए चेतावनी दी थी।

दावोस में बैठक को वर्चुअली संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं सऊदी अरब और ओपेक से भी तेल की कीमत करने के लिए कहने जा रहा हूं। आपको इसे कम करना ही होगा। सच कहूं तो मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने चुनाव से पहले ऐसा क्यों नहीं किया। ऐसा न करके उन्होंने बहुत प्यार नहीं दिखाया। मैं इससे थोड़ा हैरान हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए ओपेक देशों को एक हद तक जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा कि अगर तेल की कीमत कम हो जाती है तो रूस–यूक्रेन युद्ध तुरंत खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी तेल की कीमत इतनी अधिक है कि युद्ध जारी रहेगा। आपको तेल की कीमत करनी होगी। आपको युद्ध समाप्त करना होगा।उन्हें यह बहुत पहले कर देना चाहिए था। जो कुछ हो रहा है, उसके लिए वे एक हद तक जिम्मेदार हैं। रिपब्लिकन नेता ने तेल की कीमतों के साथ ही ब्याज दरों को भी तुरंत कम करने की मांग की।

प्रथम पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मारवाडी शिक्षा समिति के पूर्व मंत्री
प्रमुख समाज सेवी
जैनरत्न सुरेन्द्र लुणिया
श्री सुरेन्द्र लुणियाजी के निधन के एकवर्ष पूर्ण होने पर, हम उनके द्वारा मारवाडी शिक्षा समिति को दी गई अमूल्य सेवाओ और नेतृत्व को स्मरण करते हुए उन्हे सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते है। आपकी दीर्घदृष्टि और समर्पण ने हमारे संस्थान को नई दिशा दी, आपका योगदान हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा। आप हमेशा हमारे दिलो मे श्रद्धा और सम्मान के साथ जीवत रहेंगे।
किया सभी से प्यार सदा, हर दम बोली मीठी वाणी,
प्रेम की भाषा सिखा गये, वो निश्चल अनुपम दानी।
जिसने सुख दु:ख हँसकर भोगा, समझाया जीने का राज,
उनके आदर चरणों में हो रहे है हम नतमस्तक आज।
मारवाडी शिक्षा समिति द्वारा संचालित
मारवाडी शिक्षा समिति लॉ कॉलेज (LL.B / LLM)
तारादेवी गिरधारीलाल संघी कॉलेज ऑफ बिजनेस मेनेजमेंट (MBA)
भगवतीबाई जगदीशप्रसाद अग्रवाल पी.जी. कॉलेज ऑफ कम्प्यूटर अप्लिकेशन (MCA)
सूरजमल शर्मा पी.जी. कॉलेज ऑफ साइन्स (M.Sc. Maths)
रामनाथ गुलजारीलाल केडिया कॉलेज ऑफ कामर्स (आर जी केडिया कॉलेज)
स्योनारायण रामचरण पटवारी स्नातकोत्तर कामर्स कॉलेज (M.Com)
आर.के. साबू कॉलेज ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (B.Sc.)
डी.आर. जिन्दल जूनियर कॉलेज ऑफ कामर्स (English Medium)
जी. रघुनाथमल सिंघवी जैन जूनियर कॉलेज ऑफ साइन्स
हरिश्चन्द्र ज्ञानकुमारी हेडा मॉडल हाई स्कूल (English Medium)
कमलनारायण अगरवाल, अध्यक्ष
CA एस.बी. काबरा, सहमंत्री
3-1-336, Opp New Chaderghat Bridge, Esamia Bazar, Hyderabad Ph : 040-2473 8939

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्री जैन रत्न श्री सुरेन्द्र लूणिया
(बाबू साहब)
(सुपुत्र : स्व. राजा श्री इन्द्रमलजी लूणिया)
स्वर्गवास : गुरुवार दिनांक 25 जनवरी 2024
ह्रदय की गहराइयों से आपको, श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं हम।
आपकी सरलता, सद्व्यवहार को कभी न भुला पायेंगे हम ॥
---- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता ----
सिद्धांत लूणिया परिवार ✦ सुगनचंद शीलकुमार जैन परिवार
राजकुमार विजयकुमार ललितकुमार संजयकुमार मनोजकुमार चोपड़ा परिवार संदीप
कैलाश बाफना परिवार ✦ आदित्य शशांक समर्थ सुराणा परिवार (दिल्ली)
फर्म : सरदारमल सुगनमल बैंकर्स
लूणिया एस्टेट्स, सुल्तान बाजार, हैदराबाद,
फोन : 9246522880, 9347510004

आपा सरकार को दिल्ली हाईकोर्ट का सख्त निर्देश

दिल्ली के दंगा पीड़ितों को शीघ्र दें मुआवजा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली दंगों के पीड़ितों को जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि क्लेम कमीशन की सिफारिश के मुताबिक दिल्ली सरकार उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के पीड़ितों को सहायता राशि जारी करे। 20 याचिकाओं के समूह का यह मामला जस्टिस सचिन दत्ता की पीठ के समक्ष सुना गया। इसमें याचिकाकर्ताओं ने दंगा पीड़ितों की सहायता के लिए सहायता योजना के अनुसार मुआवजा मांगा गया था। कुछ याचिकाकर्ता इसमें बढ़ाकर मुआवजा देने की मांग भी

कर रहे थे।

15 जनवरी को इन याचिकाओं के बाबत कोर्ट को जानकारी देते हुए बताया गया कि उत्तर-पूर्वी दंगा दिल्ली आयोग ने बैच में से 14 याचिकाओं के संबंध में दावों के संबंध में सिफारिशें की हैं। अदालत को ये भी बताया गया कि उत्तर-पूर्वी दंगा दिल्ली आयोग द्वारा निर्धारित और अनुशंसित राशि याचिकाकर्ताओं के हक की राशि का एक अंश थी। फिर भी जल्द से जल्द अनुशंसित राशि जारी करने के लिए दिल्ली सरकार को निर्देश जारी किए जाने चाहिए।

हाईकोर्ट में जब दिल्ली सरकार के वकील द्वारा इस मांग का विरोध नहीं किया गया तो अदालत ने इस संबंध में आदेश पारित किया।

कोर्ट ने कहा कि प्रतिवादी नंबर 2 यानी दिल्ली सरकार को वर्तमान मामलों के समूह में याचिकाकर्ताओं के लिए उत्तर पूर्व दंगा दिल्ली आयोग द्वारा अनुशंसित राशि जारी करने का निर्देश दिया जाता है।

यह आदेश यह सुनिश्चित करता है कि मुआवजे की राशि याचिकाकर्ताओं के अधिकारों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए दी जाएगी। इस मामले की अगली सुनवाई 29 मई को होगी। इससे पहले, अदालत ने स्पष्ट किया था कि वह कोई नई योजना नहीं बनाएगी, बल्कि केवल यह देखेगी कि क्या दिल्ली सरकार ने पहले से बनाई गई योजना के अनुसार काम किया है या नहीं।

गौरतलब है कि दिल्ली के उत्तर पूर्वी इलाके में साल 2020 में हिंदू विरोधी दंगे हुए थे। इस दौरान 53 लोगों की मौत हुई थी। पुलिस की जांच में सामने आया था कि ये दंगा पूर्व नियोजित था। दंगों को लेकर करीबन 750 एफआईआर दर्ज हुई थी और कई आरोपी गिरफ्तार हुए थे। ताहिर हुसैन उन्हीं आरोपियों में से एक है।

टीडीएस के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (टीडीएस) के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की सलाह दी है। वरिष्ठ वकील और भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने टीडीएस के खिलाफ जनहित याचिका दाखिल की थी। अपनी याचिका में उपाध्याय ने टीडीएस को मनमाना, तर्कहीन और असंवैधानिक बताया था। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय जाने को कहा। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। इसे बहुत खराब तरीके से तैयार किया गया है। आप उच्च न्यायालय जा सकते हैं। कुछ फैसलों में इसे बरकरार रखा गया है। हम इस पर विचार नहीं करेंगे।

टीडीएस या सोर्स पर टैक्स कटौती (टीडीएस) की शुरुआत कर-चोरी रोकने के लिए की गई थी। यह एक ऐसा तरीका है जिससे सरकार सीधे आय के स्रोत से कर लेती है। यह कर का ऐसा प्रकार है, जिसमें किसी व्यक्ति या संगठन को मिलने वाली सैलरी, ब्याज, किराया या कंसल्टेंसी फीस देने से पहले ही तय राशि टैक्स के रूप में काट ली जाती है और इसे तुरंत सरकार को भेज दिया जाता है। टीडीएस सरकार के लिए टैक्स इकट्ठा करने की प्रक्रिया को सरल बनाता है और टैक्स चोरी को रोकने में भी मदद करता है। टीडीएस राशि की वापसी बाद में तब की जाती है जब करदाता अपना आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं।

याचिका में उपाध्याय ने तर्क दिया कि टीडीएस एक जटिल प्रक्रिया है, जिसे समझने के लिए कानूनी और वित्तीय विशेषज्ञता की जरूरत है। कई करदाताओं को इसकी समझ नहीं है। अशिक्षित या आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को इस तकनीकी ढांचे को समझने में मुश्किल होती है और इसके चलते उनका उत्पीड़न होता है। यह समानता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। कई करदाता, विशेष रूप से ग्रामीण या आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के लोग, अक्सर रिफंड से वंचित रह जाते हैं, जिससे सरकार को अनुचित लाभ होता है।

हिंदू नाम से ढाबा चलाने वाले 27 मुस्लिमों के परमिट रद्द किए गए

अहमदाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात में मुस्लिम मालिक हिंदू नामों से ढाबा लाइसेंस लिए हुए थे। वह इन हिंदू नामों के आधार पर गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम से अनुबंध भी कर चुके थे। यहां गुजरात की सरकारी बसें आकर रुकती थीं। यात्री इन्हें हिंदू ढाबा समझ कर खाना खाते थे। अब इस मामले में सरकार ने कार्रवाई की है। परिवहन निगम ने राज्य के ऐसे 27 ढाबों के साथ अपना अनुबंध रद्द कर दिया है। इन ढाबों पर अब सरकारी बसें नहीं रुका करेंगी। इनमें से कुछ ढाबे ऐसे थे, जिनके मालिक मुस्लिम हैं लेकिन ढाबों के नाम हिंदू देवी-देवताओं पर रखे गए थे। यह ढाबे वडोदरा, राजकोट, गोधरा, मेहस-ाणा, भुज, भरूच, अहमदाबाद, नाडियाड और पालनपुर जैसे डिवीजन में हैं। इस लिस्ट में भुज-ध्रगंधरा-अहमदाबाद रोड पर स्थित होटल शिवशक्ति भी है। इस होटल का नाम हिंदू देवता के नाम पर

रखा गया है और इसका लाइसेंस भी हिंदू के नाम पर है, लेकिन इसके मालिक और प्रबंधक मुसलमान हैं। यही कारनामा सूरत-अहमदाबाद रोड पर स्थित होटल तुलसी ने भी किया। इसके अलावा भरूच डिवीजन में आने वाले सूरत-अहमदाबाद रोड पर स्थित होटल मारुति का परमिट भी रद्द कर दिया गया है। वडोदरा-गोधरा-मोडासा रोड पर स्थित होटल वृंदावन का परमिट भी रद्द हो गया है।

इसके अलावा अहमदाबाद-राजकोट रूट पर होटल सर्वोदय, अहमदाबाद-बालासिनोर-गोधरा-झालोद रूट पर होटल श्रीजी, अहमदाबाद-सूरत रोड पर होटल सहयोग, होटल गैलेक्सी, होटल रौनक, अहमदाबाद-ध्रगंधा-भुज रूट पर होटल सर्वोदय, सूरत-अहमदाबाद रोड पर बने होटल सतीमाता का भी परमिट रद्द हुआ है। गौरतलब है कि परिवहन निगम के पास 8 हजार से ज्यादा बसें हैं। इनमें से तमाम बसें लम्बे रूट पर चलती हैं। यह लम्बी रूट की बसें रास्ते में कुछ जगह ढाबों पर रुकती हैं ताकि यात्री ब्रेक ले सकें। यह ढाबे परिवन निगम तय करता है और इसके लिए टेंडर निकलते हैं। इन्हीं में मुस्लिमों ने गड़बड़ी की। इससे पहले भी मुस्लिम मालिकों द्वारा हिंदू नामों से चलाए जा रहे होटलों-ढाबों की जांच की मांग लगातार उठती रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया प्रहार

वक्फ बोर्ड में आप दा सरकार ने किया 100 करोड़ का घोटाला

यमुना की सफाई के नाम पर करोड़ों का भ्रष्टाचार हुआ : कांग्रेस

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने 10 साल में घोटालों और भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है। इस पार्टी ने वक्फ बोर्ड में 100 करोड़ रुपए का घोटाला किया और मुसलमानों तक को नहीं बख्शा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ये आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल इतनी सफाई के साथ झूठ बोलते हैं कि अगर झूठ बोलने का कंपटीशन होता तो वे इसमें नंबर वन होते।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा नेता पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने ये बातें कही। उन्होंने आम आदमी पार्टी के 10 साल के कार्यकाल के दौरान किए गए घोटालों

का जिक्र किया और आरोप लगाया कि अपनी जेब भरने के लिए इस पार्टी ने हर किसी की जेब काटी है। आप-दा ने 10 साल में केवल शिक्षा की बात की, लेकिन उसकी आड़ में जल बोर्ड घोटाला करके दिल्ली को जल माफियाओं को सौंप दिया, मोहल्ला क्लीनिक में 300 करोड़ का घोटाला किया और 2800 करोड़ रुपए का शराब घोटाला किया।

यहीं नहीं भाजपा नेता ने ये भी आर-ोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली में सीसीटीवी लगाने के नाम पर 571 करोड़ रुपए और बस खरीद के नाम पर 4500 करोड़ रुपए का घोटाला किया गया। साथ ही जिस शिक्षा की बात करते अरविंद केजरीवाल नहीं थकते हैं, उसमें भी क्लासरूम के निर्माण में भी आप-दा सरकार ने 1300 करोड़ रुपए का घोटाला किया। केवल यमुना की सफाई का वादा करके 7000-8000 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की गई है। अरविंद केजरीवाल ने सफाई कर्मचारियों को भी धोखा दिया और केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू करने में बाधा डाली। उल्लेखनीय है कि 5 फरवरी को दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग होनी है। उससे पहले सभी पार्टियां जोरों-शोरों से चुनाव प्रचार में लगी हुई हैं।

कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा ने कहा, सच्चाई यह है कि यमुना को साफ करने का कभी काम ही नहीं हुआ। उसपर राजनीति खूब हुई। यमुना की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ। आम आदमी पार्टी की सरकार एक दशक से सत्ता में है, लेकिन हमने कभी नहीं देखा कि यमुना की सफाई के लिए कोई काम हुआ हो।

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने कहा, गंगा जी की सफाई के लिए राजीव गांधी गंगा एक्शन प्लान लेकर आए थे। उसके बाद उत्तर प्रदेश में जितनी भी सरकारें रहीं, सभी इस पर काम करती रहीं। पिछले 5-6 महीनों को छोड़कर आज तक ये सवाल (यमुना सफाई) क्यों नहीं उठाया गया? शीला दीक्षित के समय 7 इंटरसेप्टर लगने थे जो नजफगढ़ और शाहदरा नाले के पानी को साफ करते। दिल्ली की बर्बाद यमुना के लिए सीधे तौर पर अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार हैं। मुझे नहीं लगता कि जब तक नई सरकार यमुना की सफाई के लिए युद्ध स्तर पर काम नहीं करेगी, तब तक सब ठीक होगा।

आम आदमी पार्टी सरकार खुलेआम कर रही नाफरमानी

अदालती आदेश के बाद भी पेश नहीं हुई सीएजी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार पर सीएजी रिपोर्ट पेश करने के लिए राज्य विधानसभा की बैठक बुलाने का निर्देश देने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि मामले में दिल्ली सरकार की ओर से अत्यधिक देरी हुई है। अदालत ने रेखांकित किया कि संविधान के तहत ऑडिट रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखना अनिवार्य है।

अदालत ने कहा कि अदालत विधानसभा की विशेष बैठक बुलाने की याचिकाकर्ता की प्रार्थना को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं है। विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता और भाजपा विधायकों मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अजय कुमार महावर, अभय वर्मा, अनिल कुमार बाजपेयी और जीतेंद्र महाजन ने पिछले साल याचिका दाखिल की थी और स्पीकर को सदन की बैठक बुलाने का निर्देश देने की मांग की थी।

सीएजी रिपोर्ट पेश करने के लिए बैठक याचिकाकर्ताओं ने वकील नीरज और सत्य रंजन स्वैन के माध्यम से याचिका दाखिल की।

हरियाणा का मेवात बना दूसरा जामताड़ा

साइबर ठगी का अड्डा बना मेवात

134 फीसदी मामले बढ़े, 15 गांव हॉट-स्पॉट

चंडीगढ़, 24 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा का मेवात इस्लामिक कट्टरपंथी की हरकतों में कुख्यात होने के बाद अब साइबर ठगी का गढ़ भी बनता जा रहा है। हरियाणा में हर माह 60 करोड़ रुपए की साइबर ठगी हो रही है। हरियाणा में मात्र एक साल में ही साइबर ठगी 134 फीसदी तक बढ़ गई है। हरियाणा का मेवात जिला दूसरा जामताड़ा बनता जा रहा है। यहां के युवा गैंग बनाकर दूसरे राज्यों के लोगों को ठग रहे हैं। तीन दिन पहले ही मेवात की पुलिस ने विशेष अभियान चला कर 15 अपराधियों को गिरफ्तार किया।

उनसे जब पूछताछ की गई तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। ये साइबर ठग कर्नाटक, केरल तमिलनाडु के अलावा अन्य कई राज्यों में लोगों को इंटरनेट के माध्यम से फर्जी विज्ञापन देकर ठग चुके हैं। मेवात में अलग-अलग गांवों से पकड़े गए साइबर ठगों के विरुद्ध पुलिस ने 12 मामले दर्ज किए हैं। आरोपियों से पुलिस ने 20 मोबाइल और 29 फर्जी सिम बरामद किए हैं। इन सभी आरोपियों की आयु 30 से कम है और सभी अंगूठा टेक हैं, लेकिन साइबर ठगी के एक्सपर्ट हैं। ऐसे एक नहीं दर्जनों मामले सामने आ चुके हैं।

हरियाणा के सामने साइबर ठगी को लेकर दोहरी चुनौती है। क्योंकि औसतन

हर साल 1 हजार करोड़ रुपए की साइबर ठगी खुद हरियाणा के लोगों से हो रही है। ऐसे में पहली चुनौती हरियाणा के लोगों को साइबर ठगी से बचाना है। दूसरा, दूसरे राज्यों से मेवात में बैठकर साइबर ठगी करने वाले गैंग पर शिकंजा कसना है। 2023 में जहां प्रदेश में 602 करोड़ रुपए का साइबर फ्रॉड किया गया था, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 980 करोड़ तक पहुंच गई है। औसतन हरियाणा में एक हजार लोगों के साथ साइबर ठगी होती है। हरियाणा में ठगी के अधिकतर मामले एन-सीआर जिलों में हो रहे हैं। खासकर पलवल, फरीदाबाद, गुरुग्राम और मेवात में साइबर अपराध का प्रतिशत अधिक है। साइबर अपराधियों में मेवात के युवक अधिक शामिल हैं। मेवात के 15 ऐसे बदनाम गांव हैं, जहां से साइबर ठगी के गैंग ऑपरेट हो रहे हैं।

मेवात में औसतन हर साल साइबर ठगी के 500 केस दर्ज होते हैं। इन मामलों में करीब 300 लोग हर साल गिरफ्तार किए जाते हैं। मेवात के युवाओं का साइबर ठगी में शामिल होने के पुलिस कई कारण मानती है। पहला यहां पर शिक्षा दर कम है, दूसरा विशेष वर्ग के जुड़े लोग इस काम में संलिप्त हैं। दूसरा, आय के लिए कोई रोजगार नहीं है, न ही कोई दूसरा आय का साधन है। भूल जल कृषि भूमि के योग्य नहीं है। इसके अलावा, ठगों की लाइफस्टाइल देखकर दूसरे गरीब तबके के युवा उनके प्रति आकर्षित होते हैं। मेवात के 15 गांव साइबर ठगी के बड़े हॉट स्पाट हैं। जैसे-जैसे हरियाणा पुलिस अपराधियों की तरकीब पकड़ती है, उससे पहले ही साइबर चोर ठगी का नया तरीका अपनाते हैं। साइबर विशेषज्ञ बताते हैं कि फिलहाल खुद को ज्वेलरी शॉप के मालिक बताकर, रिश्तेदार बताकर या लिंक पर क्लिक करने से पैसे और गिफ्ट के लालच दिए जा रहे हैं। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती डिजिटल अरेस्ट की है। इस प्रकार के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

साइबर ठगों से रिकवरी में हरियाणा पुलिस देशभर में नंबर वन है। साल 2024 में पुलिस ने साइबर ठगों के चंगुल से लगभग 268.40 करोड़ रुपए की राशि बचाई गई है, जबकि वर्ष-2023 में 76.85 करोड़ रुपए की राशि बचाई थी। इस प्रकार साइबर अपराधियों से तीन गुना अधिक राशि बचाई गई। साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तैनात तकनीकी रूप से मजबूत पुलिसकर्मियों की संख्या को 12 से बढ़ाकर 70 कर दिया गया।

इनके साथ दस बैंकों के 15 नोडल अधिकारी भी यहां पर तैनात हैं। साल 2022 में साइबर अपराधियों के खिलाफ 2165 मुकद्दमें दर्ज किए गए, वही वर्ष-2023 में 2747 मुकद्दमें और 2024 में 5511 मुकद्दमे दर्ज किए गए। इसी प्रकार, वर्ष 2022 में हरियाणा पुलिस द्वारा 1078, वर्ष-2023 में 1909 और 2024 में 5156 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष-2024 में गिरफ्तार किए गए अपराधियों में से 70 प्रतिशत (3555 अपराधी) अन्य राज्यों के रहने वाले हैं। वर्ष-2024 में हरियाणा पुलिस द्वारा रोजाना औसतन 14 साइबर अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। वर्ष-2024 में साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए 2,83,589 बैंक खातों और 1,24,565 मोबाइल नंबरों को बंद करवाया गया है जो कि देशभर में सर्वाधिक है।

करोड़ों रुपए की ड्रग्स के साथ पांच लोग गिरफ्तार

आनंद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात में आनंद जिले के खंभात में एक ड्रग निर्माण फैक्टरी पर छापेमारी की गई। डीआईजी एटीएस सुनील जोशी ने बताया कि एटीएस की कार्रवाई में करोड़ों रुपए की ड्रग्स बरामद की गई है। इसके साथ ही पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने आनंद जिले में अल्प्राजोलम बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। यहां से 107 करोड़ रुपए की प्रतिबंधित दवा के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों ने खंभात शहर के पास एक फैक्टरी किराए पर ली थी।

यहां नींद की गोलियों में इस्तेमाल होने वाले पदार्थ अल्प्र-ाजोलम का उत्पादन किया जा रहा था। सहायक पुलिस आयुक्त (एटीएस) हर्ष उपाध्याय ने बताया कि अल्प्राजोलम एक तरह का मादक पदार्थ है। इसके दुरुपयोग की वजह से यह नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम के दायरे में आता है।

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस ने गुरुवार शाम को फैक्टरी पर छापा मारा और 107 करोड़ रुपए मूल्य का 107 किलोग्राम अल्प्राजोलम के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया। उपाध्याय ने बताया कि केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) अल्प्राजोलम के उत्पादन के लिए लाइसेंस जारी करता है। यह दवा भी एनडीपीएस अधिनियम के दायरे में आती है। उन्होंने बताया कि छापे के समय आरोपियों के पास कोई लाइसेंस नहीं था। पांच आरोपी यूनिट का संचालन कर रहे थे, जबकि छठा व्यक्ति रिसीवर था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पांचों आरोपियों ने साइकोट्रोपिक पदार्थ बनाने के लिए फैक्ट्री किराए पर ली थी। आगे की जांच जारी है।

सहेली के साथ दिख रही यह लड़की है सिनेमा की बड़ी स्टार, बाद में बनी चर्चित नेता

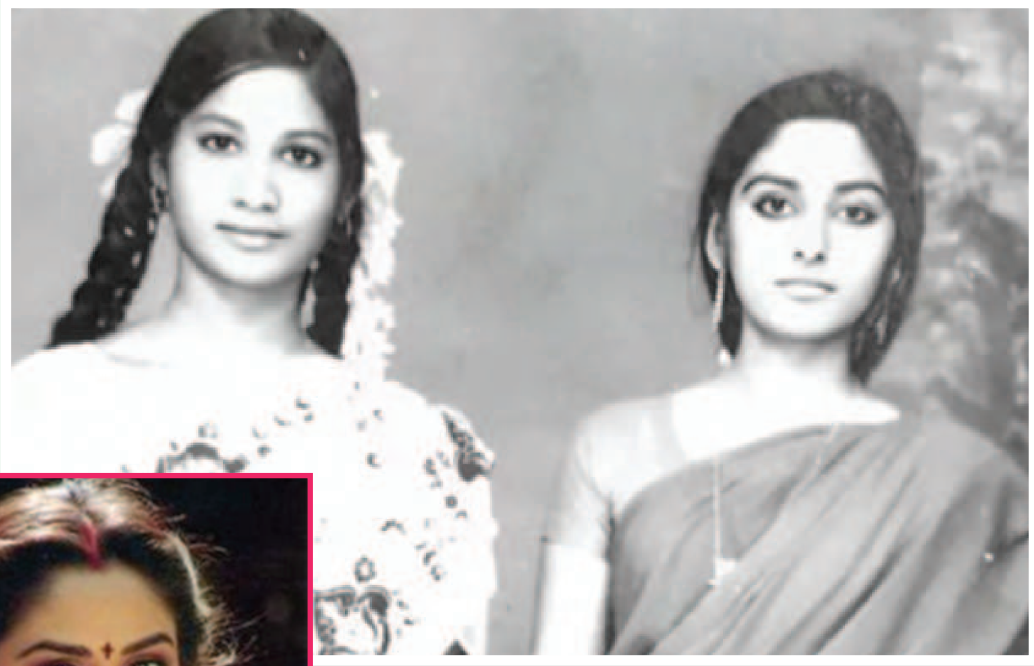

फोटो में अपनी सहेली के साथ खड़ी दिख रही यह खूबसूरत लड़की एक समय में फैंस के दिलों पर राज कर चुकी है. यह लड़की टॉप एक्ट्रेस और नेता रह चुकी है. बाद में यह सासंद भी बनी. इस लड़की ने अपने समय में लगभग सभी बड़े स्टार्स के साथ बतौर हीरोइन फिल्मों में काम किया. इसने बचपन में बतौर डांसर खूब नाम कमाया. इसकी खूबसूरती और डांसिंग स्किल देख कर इसके पास फिल्मों के ऑफर खूद चलकर आने लगे थे. 14 साल की उम्र में इसने फिल्मों में डेब्यू किया. साउथ की फिल्मों में नाम कमाने के बाद इसने बॉलीवुड फिल्मों का रुख किया और यह भी इसे खूब शोहरत मिली.

अगर इस फोटो में दिख रही लड़की को अब तक आप नहीं पहचान पाए हैं तो हम आपको बता दें यह एक्ट्रेस जया प्रदा के टीनेज की फोटो है. जया अपने समय में खूबसूरत और ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में गिनी जाती थीं. उन्होंने अपने समय मे कई बड़े स्टार के साथ जोड़ी बनाई और अनगिनत हिट फिल्में दीं. उनका खूबसूरती और अंदाज के कारण उनके लाखों हजारों फैंस हैं. हालांकि बाद में उन्होंने इंडस्ट्री छोड़ दी और राजनीति में नजर आईं, लेकिन आज भी उनकी फैन फॉलोइंग जरा भी कम नहीं हुई. वह अब भी बेहद खूबसूरत दिखती हैं. हाल ही में जया प्रदा की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसमें वह बेहद खूबसूरत दिख रही थीं.

बता दें कि जयाप्रदा का जन्म ललिता रानी के रूप में भारत के आन्ध्र प्रदेश राज्य में स्थित राजमण्ड्री के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था. उनके पिता कृष्णा एक तेलुगू फिल्म फाइनेंस देखते थे.उनकी मां नीलवाणी ने उन्हें कम उम्र में ही नृत्य और संगीत कक्षाओं में दाखिल कर दिया था. जब वे चौदह वर्ष की थीं, तब उन्होंने अपने स्कूल के वार्षिक समारोह में एक नृत्य डांस किया. दर्शकों में एक फिल्म निर्देशक भी शामिल थे और उन्होंने जयाप्रदा से तेलुगू फिल्म 'भूमिकोसम' में तीन मिनट के डांस की पेशकश की. जयाप्रदा हिचकिचाईं, लेकिन उनके परिवार ने उन्हें प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्हें फिल्म में अपने काम के लिए केवल 10 रुपए दिए गए, पर उन्हें इसके बाद कई ऑफर्स आने लगे. बाद में वह हिंदी फिल्मों में भी नजर आईं.

जया प्रदा ने कई सुपरहिट फिल्में दी, जिसमें 'सरगम', 'मां', 'घर घर की कहानी', 'तूफान', 'स्वर्ग से सुंदर', 'संजोग', 'मुद्दत', 'सिंदूर', 'जबरदस्त', 'जख्मी', 'गंगा तेरे देश में', 'कामचोर', 'आवाज', 'पाताल भैरवी', 'सपनों का मंदिर' जैसी कई फिल्में शामिल हैं.

बैड बॉय कार्तिक से नागा शौर्य का पहला लुक सामने आया

वैष्णवी फिल्म्स अपने पहले प्रोडक्शन बैड बॉय कार्तिक के साथ फिल्म इंडस्ट्री में धूम मचाने लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें गतिशील नागा शौर्य एक बोल्ड नई भूमिका में हैं जो प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। अपने बहुमुखी अभिनय के लिए जाने जाने वाले शौर्य बैड बॉय कार्तिक के रूप में बिल्कुल नए, स्वैग से भरे और रवैये से भरे अवतार में कदम रख हैं और इसे देखकर लगता है कि यह प्रोजेक्ट एक हाई-ऑक्टेन, पावर-पैक थ्रिलर होने वाला है जो दर्शकों को एक अविस्मरणीय सवारी पर ले जाएगा।पहला लुक पोस्टर और शीर्षक का खुलासा, जिसने पहले ही काफी चर्चा बटोरी है, नागा शौर्य को पहले कभी नहीं देखी गई छवि में दिखाता शांत, भयंकर और आत्मविश्वास से भरा हुआ। रमेश देसीना द्वारा निर्देशित, फिल्म तीव्र एक्शन दृश्यों से भरी एक मनोरंजक कहानी का वादा करती है, जो शौर्य को अपने प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ रूप में दिखाने के लिए एकदम सही मंच देती है। अपने नए किरदार बैड बॉय कार्तिक के साथ, शौर्य अपने प्रशंसकों की अपेक्षाओं को पार करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, एक ऐसे किरदार को जीवंत कर रहे हैं जो जितना स्टाइलिश है उतना ही शक्तिशाली भी है।फिल्म में दिग्गज झारिस जयराज का संगीत होगा, जिनकी संगीत रचनाएँ फिल्म की गहन कथा को पूरक बनाने की है। सिनेमैटोग्राफर रसूल एलोर और

एडिटर कोटागिरी वेंकटेश्वराव की मौजूदगी यह सुनिश्चित करती है कि बैड बॉय कार्तिक शानदार संपादन और शानदार दृश्यों के साथ एक शानदार दृश्य होगा जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगा। हमेशा भरोसेमंद रहे रामंजनेयुलु भी इस रोमांचक टीम का हिस्सा हैं, जो की इंडस्ट्री में गेम-चेंजर बनने की क्षमता को और मजबूत करता है।फर्स्ट-लुक पोस्टर और शीर्षक के खुलासे से अपार प्रत्याशा पैदा हो रही है, सभी की निगाहें वैष्णवी फिल्म्स के इस रोमांचक नए उद्यम पर हैं। जब बैड बॉय कार्तिक सिल्वर स्क्रीन पर आएगा तो प्रशंसक भावनाओं, हाई-स्टेक ड्रामा बड़े-से-बड़े एक्शन की रोलर-कोस्टर की उम्मीद कर सकते हैं। और उत्साह यहीं नहीं रुकता - नागा शौर्य राजा कोलुसु की नारी नारी नादुमा मुरारी, महेश एस कोनेरू की पुलिस वारी हेचरिका और एसएस अरुणाचलम की अनाम फिल्म (एनएस24) जैसी कई अन्य बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में भी व्यस्त हैं, जिससे यह होता है कि उनकी उपस्थिति बॉक्स ऑफिस पर हावी रहेगी।एक सिनेमाई दावत के लिए तैयार हो जाइए जो एक्शन और स्टाइल को फिर से परिभाषित करने का वादा करती है - बैड बॉय कार्तिक बस शुरुआत है!

छावा से अक्षय खन्ना का खूंखार अवतार सामने आया

डर और दहशत का नया चेहरा, क्रूर मूगल शासक औरंगजेब बने एक्टर

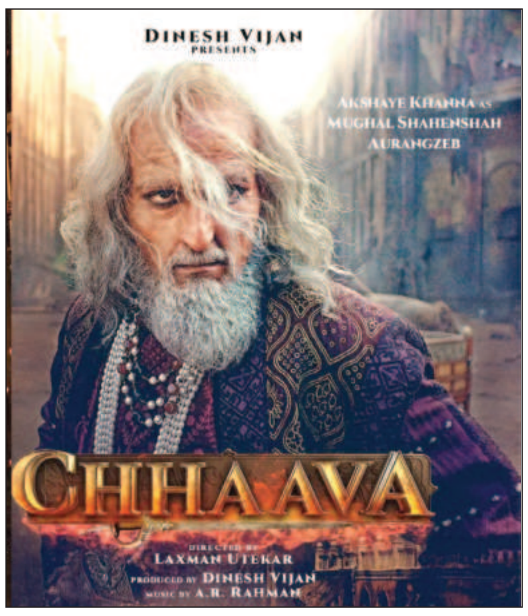

विक्की कौशल की मोस्ट अवेटेड फिल्म छावा का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। जिसके लिए फैंस पहले से ही काफी एक्साइटेड हैं। वहीं मेकर्स भी दर्शकों को एक्साइटमेंट को बरकरार रखने में कोई कसर नहीं छोड़ हैं। ट्रेलर रिलीज के पहले ही मेकर्स ने रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक रिलीज किया वहीं अब मेकर्स ने फिल्म से अक्षय खन्ना के लुक से भी पर्दा उठा दिया है।विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के शानदार लुक के बाद, अक्षय खन्ना का फर्स्ट लुक मेकर्स ने रिवील किया वे काफी खूंखार लग रहे हैं। अक्षय फिल्म में क्रूर मुगल शासक कहे जाने वाले औरंगजेब की भूमिका निभा रहे हैं, जिसे डर और दहशत का चेहरा बताया गया है। आगामी फिल्म छावा के मेकर्स ने अक्षय खन्ना के किरदार के नए पोस्टर शेयर किए। उन्हें मुगल शहंशाह औरंगजेब रूप में देखा जा सकता है। एक्टर का लुक इतना शानदार है कि उन्हें पहचानना भी मुश्किल हो रहा है। पोस्टर्स रिलीज करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, डर और दहशत का नया चेहरा - मुगल साम्राज्य के क्रूर शासक मुगल शहंशाह औरंगजेब के रूप में प्रेजेंट अक्षय खन्ना। छावा का ट्रेलर कल रिलीज होगा।

फिल्म 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।बता दें 21 जनवरी को ही छावा से रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक रिवील किया गया है। जिसमें रश्मिका येसूबाई भोसले के रोल में दिख रही हैं। रश्मिका मंदाना फिल्म छावा में छत्रपती महाराज के पत्नी के रोल में होंगी, यह रोल विक्की कौशल निभा रहे हैं।विक्की कौशल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर छावा का नया पोस्टर और धांसू मोशन पोस्टर रिलीज करते हुए इसके ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस की। विक्की ने कैप्शन लिखा, अग्नि भी वो, पानी भी वो, भी हो, शेर शिवा का छावा भी हो। छावा का ट्रेलर 22 जनवरी को रिलीज हो चुका है।

44 की उम्र में नहीं थमने का नाम ले रही श्वेता तिवारी की हॉटनेस

रिवीलिंग गाउन पहन कैमरे के सामने दिए किलर पोज

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अवतार सोशल मीडिया पर आते तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।एक्ट्रेस श्वेता तिवारी टीवी और बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपने स्टनिंग अवतार से को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने इस आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।

टीजर के साथ जेलर 2 का ऐलान

74 की उम्र में दमदार एक्शन करते नजर आए सुपरस्टार रजनीकांत

अभिनेता रजनीकांत फिल्म जेलर 2 से परदे पर छाने आ रहे हैं। इस फिल्म अनाउंसमेंट टीजर जारी हो गया है। इसमें रजनीकांत एक्शन मुद्रा में दिख रहे हैं। 74 साल की उम्र में भी वे परदे पर दमदार एक्शन दिखाते नजर आएंगे। साल 2023 में रजनीकांत की फिल्म जेलर सिनमाघरों में रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। अब मेकर्स 2 लेकर आ रहे हैं। निर्माताओं ने रजनीकांत के फैंस को तोहफा देते हुए जेलर 2 का टीजर जारी कर दिया है। टीजर में रजनीकांत अपने चिर-परिचित अंदाज में चश्मा लगाए दुश्मनों के छक्के छुड़ाते दिख रहे हैं। टीजर की शुरुआत में जेलर 2 के निर्देशक नेल्सन और म्यूजिक अनिरुद्ध नई स्क्रिप्ट की चर्चा कर रहे हैं। अचानकर आसपास गोलाबारी और तोडफ़ोड़ होने लगती है। फिर होती है रजनीकांत की धमाकेदार एंट्री। एक हाथ में बंदूक और एक हाथ में तलवार थामे रजनीकांत ने टीजर में दिल जीत लिया है।टीजर की कुल अवधि चार मिनट की है और दिलचस्प है। बात करें फिल्म जेलर की तो यह रजनीकांत के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही। दूसरे पार्ट को लेकर भी दर्शकों में उत्साह है। फिलहाल टीजर को काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसे आए अभी पूरे 24 घंटे भी नहीं हुए और अब तक साढ़े सात लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। जेलर 2 के अलावा रजनीकांत को कुली फिल्म में देखा जाएगा।

2 फरवरी को वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा

वसंत संत पंचमी पर बन रहे हैं ये शुभ योग, जानें पूजा का सही समय

पंचमी के शुभ अवसर पर ज्ञान, संगीत और कला की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही प्रिय चीजों का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि मां सरस्वती की उपासना करने से ज्ञान की प्राप्ति होती है। साथ ही पढ़ाई में की गई मेहनत होती है। पंचांग के अनुसार, इस बार वसंत पंचमी के दिन कई शुभ योग का निर्माण हो रहा है।

वसंत पंचमी 2025 डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के माह शुक्ल पंचमी तिथि की शुरुआत 02 फरवरी को सुबह 09 बजकर 14 मिनट पर हो रही है। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 03 फरवरी को सुबह 06 बजकर 52 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व है। ऐसे देशभर में वसंत पंचमी का त्योहार 02 फरवरी को मनाया जाएगा।

वसंत पंचमी 2025 शुभ योग

पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पंचमी तिथि पर शनि देव सुबह 08 बजकर 51 मिनट पर पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करेंगे। इस दिन शिव योग, सिद्ध योग साध्य योग और रवि बन रहे हैं।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 07 बजकर 09 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 01 मिनट पर
चंद्रोदय- सुबह 09 बजकर 34 मिनट पर
चंद्रास्त- सुबह 10 बजकर 11 मिनट पर

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05:24 मिनट से 06:16 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02:24 मिनट से 03 :07 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 05:47 मिनट से 06:14 मिनट तक
अमृत काल- सुबह 08:24 मिनट से 09:53 मिनट तक

ऐसे करें मां सरस्वती को प्रसन्न

अगर आप वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती जी की कृपा बच्चों को प्राप्त करवाना चाहते हैं, तो बच्चों के हाथों से पढ़ाई से जुड़ी चीजों का दान करवाएं। माना जाता है कि इस उपाय को सच्चे मन से मां सरस्वती प्रसन्न होती हैं। साथ ही बच्चों को करियर में सफलता मिलती है।

वसंत पंचमी का दिन शुभ कार्यों के लिए है अच्छा

मांगलिक कार्यों के लिए बसंत पंचमी का दिन बहुत अच्छा माना जाता है। शादी से लेकर गृह प्रवेश या कुछ नया काम इस दिन शुरू करने पर उसमें सफलता मिलती है। शास्त्रों के इस तिथि को अबूझ मुहूर्त बनता है, जिसमें पंचांग देखने की जरूरत नहीं होती है। इस दिन बिना मुहूर्त देखे शादी विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश सहित अन्य शुभ कार्य किए जा सकते हैं।

बच्चा पढ़ाई में पिछड़ा रहता हैं या उसका मन पढ़ने में नहीं लगता। तो आप बसंत की सुबह घर के पूजा स्थान पर अभिमंत्रित सरस्वती यंत्र रखकर, सफेद चंदन, पीले और सफेद पुष्प अर्पित करके धूप-दीप करें और ऊँ ह्रं ह्रं ह्रं सरस्वत्यै नमः इस मंत्र का 11 माला जाप करें। मान्यता है इससे बच्चे का बौद्धिक विकास होता है।

बसंत पंचमी पर बच्चों के मां सरस्वती की पूजा कराएं और जरुरतमंदों को किताबें भेंट कराएं। इससे वाणी दोष दूर होता है। स्मरण शक्ति तेज होती है। बच्चों का मन आध्यात्म की ओर अग्रसर रहता है।

वसंत पंचमी हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो खासकर देवी सरस्वती की पूजा अर्चना के लिए प्रसिद्ध है। यह पर्व माघ मास की शुक्ल पंचमी को मनाया जाता है और इस वर्ष 2025 में यह 2 फरवरी को मनाया जाएगा। इस दिन को बसंत ऋतु के आगमन के रूप में भी जाना जाता है, जो न केवल प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि जीवन में नयापन और समृद्धि का संचार भी करता है।

बसंत का पर्व विशेष रूप से ज्ञान, विद्या, कला और संगीत की देवी सरस्वती की पूजा का पर्व है। इस दिन को विद्यार्थी अपने किताबों और लेखन सामग्री को पूजा करते हैं, ताकि उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हो। इसके अलावा, यह दिन व्यापारियों, गृहस्थों और साधकों के लिए भी बहुत होता है क्योंकि इसे

वसंत पंचमी के दिन इस विशेष चालीसा का करें पाठ
मिलेगा सुख-समृद्धि का वरदान

धन की प्राप्ति और समृद्धि का दिन माना जाता है।

बसंत पंचमी के दिन यदि हम विशेष रूप से देवी सरस्वती के चालीसा का पाठ करते हैं, तो इससे न केवल ज्ञान की प्राप्ति होती है, बल्कि धन और समृद्धि भी मिलती है। खासकर यह उन लोगों के लिए बेहद लाभकारी है जो शिक्षा, कला, साहित्य या किसी भी प्रकार के व्यवसाय में सफलता की कामना करते हैं।

वसंत पंचमी पर सरस्वती चालीसा का पाठ करने के लाभ

ज्ञान की प्राप्ति: सरस्वती देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए चालीसा का पाठ करना विद्यार्थियों ज्ञान की खोज करने वालों के लिए अत्यंत फलदायक होता है।

समृद्धि और धन: सरस्वती देवी धन की देवी भी मानी जाती हैं। इस दिन उनका ध्यान करके और चालीसा का पाठ करके आर्थिक समृद्धि और व्यापार में उन्नति की कामना की जा सकती है।

मन की शांति: चालीसा नियमित पाठ मानसिक शांति और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। यह तनाव को कम करने में भी सहायक है।

सकारात्मकता का संचार: यह पाठ जीवन में सकारात्मकता लाता है और बुरी शक्तियों से बचाव करता है।

बसंत पंचमी पर यदि आप अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ चालीसा का पाठ करते हैं, तो निश्चित रूप से आपकी शिक्षा, करियर और व्यवसाय में प्रगति होगी। साथ ही, जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का आगमन होगा।

वसंत पंचमी पर करें इन चीजों का दान मिलेगा मां सरस्वती का आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के माघ माह के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि के दिन वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है। इसके साथ ही इस दिन देवी मां को पीले रंग के पकवानों का भोग लगाया जाता है। मां सरस्वती का पीला रंग है है इसलिए इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है।

मां सरस्वती को बुद्धि, कला और संगीत की देवी भी कहा जाता है। इस साल वसंत पंचमी 2 फरवरी, रविवार को मनाई जाती है। मान्यता है कि वसंत पंचमी के दिन कुछ विशेष कार्य करने मां सरस्वती प्रसन्न होती हैं और करियर व शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं। तो आइए पंडित रमाकांत मिश्रा के अनुसार जानते हैं कि करियर में तरक्की के लिए किन उपायों को करना फायदेमंद साबित हो सकता है।

शिक्षा के क्षेत्र में ये कार्य करने से सफलता

वसंत पंचमी के दिन अगर कोई जातक मां सरस्वती की पूजा कर उन्हें मोदक, फूल, मीठे चावल और पीले रंग के फूल अर्पित करता है तो उन्हें शिक्षा से संबंधित जो भी परेशानियां आ रही हैं उनसे जल्द छुटकारा मिल सकता है। इतना ही नहीं मां सरस्वती के से उच्च स्तरीय शिक्षा का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सरस्वती पूजा के दिन इन मंत्रों का करें जाप

माना जाता है कि अगर कोई विद्यार्थी वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती के मंत्रों का जाप करता है तो ऐसे में उसे मनचाही सफलता मिलती है और पढ़ाई में मन है व अच्छे परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलती है।

इस प्रकार हैं मंत्र

ॐ सरस्वत्यै नमः
ॐ ह्रीं ऐं ह्रीं सरस्वत्यै नमः
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वती देव्यै नमः
ॐ भूर्भुवः स्वः सरस्वती देव्यै इहागच्छ इह तिष्ठ

वसंत पंचमी के दिन करें इन चीजों का दान

वसंत पंचमी के दिन बहुत पुण्यफलदायक माना जाता है। माना जाता है कि अगर इस दिन शिक्षा से जुड़ी वस्तुओं का दान किया जाए तो व्यक्ति को करियार में उन्नति मिलती है साथ ही मां सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है। तो बसंत पंचमी के दिन जरूरत मंद बच्चों को पेंसिल, पेन, नोटबुक आदि दान करना बहुत उत्तम माना जाता है।

वसंत पंचमी पर मां सरस्वती को चढ़ाएं ये फूल, तरक्की के खुलेंगे रास्ते

माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी को बसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मां सरस्वती की पूजा का विशेष विधान है। माना जाता है कि इस दिन मां सरस्वती की आराधना से व्यक्ति को ज्ञान की प्राप्ति होती है और बुद्धि तीव्र बनती है। वहीं, ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि बसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा के दौरान माता को कौन से फूल अर्पित करने चाहिए और क्या उससे मिलने वाले लाभ एवं उसके पीछे का महत्व।

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को अर्पित करें पंछी फूल

पंछी फूल यानी कि बेल के फूल को मां सरस्वती को अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि बेल फूल को माता के चरणों में अर्पित करने व्यक्ति का ज्ञान उतनी ही तीव्रता से बढ़ता है जितनी तेजी से बेल बढ़ती है। इसलिए पंछी या बेल फूल को मां सरस्वती को अवश्य अर्पित करें।

जुही फूल

जुही के फूल को भी सरस्वती पूजन में अर्पित किया जाता है। फूल प्रेम और भक्ति का प्रतीक है। जुही के फूलों से मां सरस्वती की कृपा प्राप्त होती है और ज्ञान के क्षेत्र में सफलता मिलती है। व्यक्ति में ज्ञान के साथ-साथ प्रेम और सद्भावना का भी संचार होता है एवं अंतर्मन में अहंकार जन्म नहीं ले पाता।

कमल फूल

कमल का फूल मां लक्ष्मी को अत्यंत प्रिय है। साथ गी, माता सरस्वती की पूजा में भी कमल के फूल का प्रयोग किया जाता है। ऐसे में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को कमल का फूल चढ़ाने से ज्ञान की प्राप्ति तो ही है, साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि, संपदा, संपन्नता और सौभाग्य बढ़ने लग जाता है।

चमेली फूल

बसंत पंचमी के दिन चमेली का फूल भी मां सरस्वती को अर्पित करने का विशेष विधान है। चमेली के फूल को मां सरस्वती को से ध्यान और मानसिक शांति का स्तर बढ़ता है। साथ ही, मानसिक तनाव में भी कमी आती है। जो लोग परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें मां को ये फूल अवश्य चढ़ाना चाहिए।

शिव और सिद्ध योग में वसंत पंचमी का पर्व

14 जनवरी 2025 से माघ महीना शुरू हो है, जो 12 फरवरी 2025 तक रहने वाला है। यह माह गणेश पूजन, स्नान-दान और पूजा पाठ के लिए उत्तम माना जाता है। वहीं माघ माह विद्यार्थियों के लिए भी महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इस महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता मान्यता है कि इस दिन देवी सरस्वती हाथों में पुस्तक, विणा और माला लेकर श्वेत कमल पर विराजमान हो कर प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन सरस्वती पूजा का विधान है। यदि सच्चे भाव से इस तिथि पर माता सरस्वती की उपासना की जाए, तो विद्यार्थियों को शिक्षा के में अच्छे परिणामों की प्राप्ति होती हैं।

धार्मिक ग्रंथों की मानें तो सरस्वती पूजन से वसंत ऋतु की शुरुआत होती हैं, इसलिए इसे वसंत पंचमी कहते है और इस साल 2 फरवरी 2025 को वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा, इस दिन शिव और सिद्ध योग का निर्माण हो है, जो पूजा पाठ के लिए बेहद शुभ है। परंतु इस दिन कुछ खास बातों का भी ध्यान रखा जाता है ताकि देवी की कृपा जीवन पर बनी रहें। ऐसे में आइए जानते हैं कि वसंत पंचमी के दिन क्या करें और क्या न करें।

वसंत पंचमी पर क्या करें?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती की विधि विधान से पूजा करें। पूजा के दौरान सभी को पीला टीका लगाएं। ऐसा करने से जीवन में मानसिक शांति बनी रहती हैं।

ज्योतिषियों के अनुसार मां सरस्वती को पीला रंग अत्यंत ही प्रिय है, इसलिए उन्हें वसंत पर पीले रंग के पुष्प, पीली हल्दी, पीली मिठाई, पीले फल अर्पित करें। ऐसा करने पर पढ़ाई में आ रही मुश्किलें समाप्त हो सकती हैं।

वसंत पंचमी के दिन पवित्र नदियों में स्नान करें, यह बहुत शुभ होता है। यदि ऐसा कर पाना संभव न हो तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

वसंत पंचमी के शुभ दिन पर माता सरस्वती की पूजा के दौरान अपनी पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी चीजों की भी पूजा करें। ऐसा करने पर करियर में मनचाहे परिणामों के योग बनते हैं।

इस दिन मां सरस्वती को केसर का हलवा बनाकर भोग लगाएं। करने पर वह प्रसन्न होती हैं।

क्या ना करें?

वसंत पंचमी के दिन काले रंग के वस्त्र धारण न करें।

धार्मिक मान्तायओं के अनुसार वसंत पंचमी के दिन पेड़-पौधों को बिल्कुल भी नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए।

वसंत पंचमी पर बिना स्नान के पूजा, जप, तप न करें।

इस दिन भी तामसिक चीजों का सेवन न करें।

पुण्यतिथी पर विशेष
श्री बाबा जयरामदासजी महाराज का जीवन चरित्र

श्री 1008 अनंन्त विभूषित, ब्रह्मलीन, परमसिद्ध, परमहंस श्री बाबा जयरामदास महाराज का हरियाणा में स्थित पाली जिले के महेन्द्रगढ़ क्षेत्र में विक्रम संवत् 1919 तिथि शरद पूर्णिमा के शुभ दिन किसान ठाकुर श्योजी सिंह के घर अवतरण हुआ। बाबा के जीवन पर्यन्त पीपल के पेड़ के निचे खटिया पर निवास किया। गांव के पास दोहन बरसती नदी बहती है। मंहतो, ब्राह्मणों द्वारा निर्मित जोहड़ (नदी) एवम् पास के विशाल पीपल का वृक्ष तथा आसपास कई अन्य पेड़ो के झुरमुर है।

जोहड़ (नदी) की पाल के पास बाबा श्री जयरामदासजी के निर्वाण के पश्चात एक भक्त द्वारा वहां एक भव्य मंदिर का निर्माण करवाया गया। अब यहाँ पर श्रद्धालुओं की असीम भीड़ होती है। श्रद्धालुओं द्वारा यहां सभी सुविधाओं युक्त कई धर्म शालाओं का निमार्ण करवाया गया है। मंदीर में बाबा भी संगमरमर की एक भव्य मूर्ती स्थापित है। बाबा की मूर्ती सभी दर्शनार्थियों को मंत्रमुग्ध करती है। लगभग 300-400 भक्त सदा बाबा के दर्शनार्थ आते हैं।

इस मंदिर में बाबा का सुन्दर पलंग मोर पंख से सुशोभायमान है। यहा श्रद्धालु अपना माथा टेक कर बाबा की कृपा से अपने मनोरथ पूर्ण कर वापस जाते है। मंदिर की आभा भी आध्यात्मिक चेतना का आभास करवाती है। बाबा का यह विशाल मंदिर सभी का मनमोह लेता है। एक बार आया हुआ श्रध्दालु बार -बार आने की कामना करता हुआ ही लौटता है। बाबा रामचन्द्रदास महाराज ने बाबा जयरामदास जी महाराज के परम सेवक रहने का सौभाग्य पाया है। सर्व प्रथम महाराज जी के भण्डारे का आयोजन उन्ही के कर कमलो द्वारा सम्पन्न हुआ।

एक बार एक असहाय व्यक्ति बाबा के चरणों पर गिरकर प्रार्थना करने लगा बाबा मैं अंत्यन्त गरीब हूं, घर में खाने के लिए एवम् पहन ने के लीए कुछ भी नहीं है। मैं दीन हूं। कृपा किजिए बाबा तुनक उठे एवम् बोले जा सासुका नाज (अनाज) में दबकर मरेगा। कहते है कि कुछ समय बाद वह असहाय व्यक्ति धनवान हो गया।बाबा के वरदान से कई भक्तों की पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, एवम् कई भक्तों के असाध्य कष्टों का भी निवारण हुआ। बाबा की कोई भाषा नही थी। उनकी भाषा को समझना कोई आसान काम नहीं था। जो कुछ कहते श्रद्धालु उसे आर्शीवाद स्वरूप ग्रहण करते एवम् उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होठती थी। बाबा को कोई

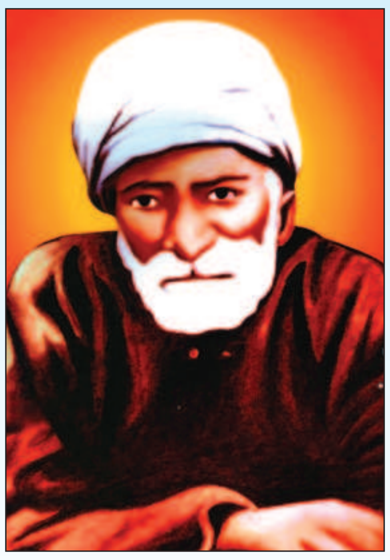

भी सज्जन कुछ भेंट करने आते, बाबा उसे ग्रहण नहीं करते थे। एक बार बाबा हरियाणा की कडकडाती ठण्ड में विश्राम कर रहे थे। एक भक्त ने नई रजाई ऊढाई एवम् आगे चला गया। बाबा प्रातः उठे एवम् रजाई को छोड़कर बाबा भी चले गए। कई बार ऐसी घटनाएं हुई।

एक समय आया जब बाबा ने अपनी लीला को समेटना प्रारम्भ कर दिया। अब बाबा अपने भौतिक शरीर को पंचतत्व में लीन करवाना चाहते थे, उस समय सूर्यनारायण भगवान उत्तरायण में आ गए थे। बाबा ने उसे अपना अनुकुल समय पाया एवम् माघ कृष्ण एकादशी विक्रम सवंत् 1999 के शुभ दिन बाबा का पंच भौतिक शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। उस दिन से आज तक पालीग्राम में उनकी पुण्यतिथि माघ कृष्णा एकादशी के दिन हर वर्ष बाबा की समाधी पर एक भव्य मेले का आयोजन होता है। लाखो की संख्या में भक्त बाबा की श्रध्दा सुमन भेंट करने देश-विदेश से आते है। एवम् बाबा का आर्शिवाद लेकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण कर धन्य-धन्य हो जाते है। इसी स्थान पर जगह जगह काफी भण्डारे (प्रसाद) भी होते है।

भक्तों को रहने के लिए धर्मशाला भी एक भक्त ने बनाई हैं। लोग उसमें ठहरते हैं।

पालीग्राम इस समय साभ्रांत गांव बन गया है। महेन्द्रगढ़(हरियाणा) से आठ किलोमिटर दूर नारनौल -दादरी मुख्य राज्य पथ पर है। हरियाणा राज्य परिवहन की बसें रात दिन सेवारत है। अन्य वाहनों की भी अत्यन्त सुविधा हैं।

* महाबीर प्रसाद शर्मा
मो.नं.9398784163

संपादकीय

जलवायु संधि

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पदभार संभालते ही ताबड़तोड़ फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। बतौर राष्ट्रपति पहले ही दिन ट्रंप ने पेरिस जलवायु संधि से अलग होने का निर्णय ले लिया है। अमरीका अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का सदस्य भी नहीं रहेगा। अमरीका में अब जन्मजात नागरिकता का अधिकार लागू नहीं होगा। अब तक यहां जन्म लेने के साथ ही शिशु को नागरिकता मिल जाती है। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े पेरिस समझौते से हटने के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा है कि 'मैं तुरंत पेरिस जलवायु संधि से हट रहा हूं, क्योंकि अमरीका अपने उद्योगों को उस स्थिति में हानि नहीं पहुंचाएगा, जब अन्य देश बेखौफ होकर प्रदूषण फैला रहे हों।' याद रहे ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल 2017 में भी इस संधि से देश को अलग कर लिया था। परंतु जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद अमरीका फिर इसमें शामिल हो गया था। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचने के लिए वैश्विक तापमान को पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के उद्देश्य से दुनिया के 175 देशों ने यह हस्ताक्षरित समझौता किया हुआ है। अब अमरीका के एक बार फिर से अलग हो जाने से दुनिया में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल को झटका लगेगा। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय में 2015 में हुए ऐतिहासिक पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते को बड़ा झटका लगा है। इस समझौते पर भारत-चीन सहित 175 देशों ने हस्ताक्षर किए थे। यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए समझौतों को ट्रंप जैसे लोग अपनी आत्मकेंद्रित दृष्टि के चलते खारिज करने लग जाएंगे तो न तो भविष्य में संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं का कोई महत्व रह जाएगा और न ही वैश्विक समस्याओं पर आगे कोई सहमति बन पाएगी। इस नाते अमरीका का इस वैश्विक करार से बाहर आना दुनिया के सुखद भविष्य के लिए बेहतर संकेत नहीं है। जबकि अमरीका सबसे ज्यादा प्रदूशषण फैलाने वाले देशों में प्रमुख है। राष्ट्र संघ को अमरीका के डब्ल्यूएचओ से बाहर हो जाने पर भी बड़ा झटका लगेगा, क्योंकि प्राकृतिक आपदा और युद्ध की स्थिति में प्रभावित लोगों को आर्थिक मदद, भोजन और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में अमरीका यूएन को बड़ी मदद करता रहा है। इस करार से अमरीका का बाहर आना समूचे विश्व के लिए अशुभ है। अपने औद्योगिक हितों की चिंता और चुनावी वादे की सनक पूर्ति के लिए ट्रंप ने यह पहल की है। दरअसल ट्रंप अमरीकी कंजरवेटिव पार्टी के उस धड़े से सहमत रहे हैं, जो मानता है कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ता वैश्विक तापमान एक थोथी आशंका है। इसीलिए ये लोग कार्बन उत्सर्जन में कटौती से अमरीका के औद्योगिक हित प्रभावित होने की पैरवी करते रहे हैं। इस गुट की इन्हीं धरणाओं के चलते ट्रंप ने चुनाव में 'अमेरिका फस्ट' और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा दिया था। इस फैसले से मुकर जाने के कारण दुनियाभर में ट्रंप की निंदा हो रही है। दरअसल ट्रंप की इस आत्मकेंद्रित मानसिकता का तभी अंदाजा लग गया था, जब भारत और चीन पर आरोप लगाया था कि इन दोनों देशों ने विकसित देशों से अरबों डॉलर की मदद लेने की शर्त पर समझौते पर दस्तखत किए हैं। लिहाजा यह समझौता अमरीका के आर्थिक हितों को प्रभावित करने वाला है। ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में यहां तक कहा था कि संयुक्त राष्ट्र की 'हरित जलवायु निधि' अमरीका से धन हथियाने की साजिश है।

अमरीका अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का सदस्य भी नहीं रहेगा। अमरीका में अब जन्मजात नागरिकता का अधिकार लागू नहीं होगा। अब तक यहां जन्म लेने के साथ ही शिशु को नागरिकता मिल जाती है। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े पेरिस समझौते से हटने के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा है कि 'मैं तुरंत पेरिस जलवायु संधि से हट रहा हूं, क्योंकि अमरीका अपने उद्योगों को उस स्थिति में हानि नहीं पहुंचाएगा, जब अन्य देश बेखौफ होकर प्रदूषण फैला रहे हों।' याद रहे ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल 2017 में भी इस संधि से देश को अलग कर लिया था। परंतु जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद अमरीका फिर इसमें शामिल हो गया था। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचने के लिए वैश्विक तापमान को पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के उद्देश्य से दुनिया के 175 देशों ने यह हस्ताक्षरित समझौता किया हुआ है। अब अमरीका के एक बार फिर से अलग हो जाने से दुनिया में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल को झटका लगेगा।

नई सरकार बनी जिस पर आरोप था कि वह अमेरिका की समर्थक है

अफगानिस्तान में पश्तूनावली की चेतना

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

अफगानिस्तान पर रूस के हमले ने पाकिस्तान की स्थिति प्रासंगिक बना दी थी। अमेरिका को हर हालत में मध्य एशिया के इस अंतिम देश, जो अभी तक रूस की छत्रछाया में आने से बचा हुआ था, उसको रूस की इस प्रेतछाया से मुक्त करना था। उसे इसके लिए पाकिस्तान का साथ चाहिए था। उसके लिए अमेरिका ने पैसा और हथियार दिया और पाकिस्तान ने पश्तूनों (पठानों) को नए हथियारों का प्रशिक्षण दिया। तालिबान के नाम से पश्तून योद्धाओं की एक नई पौध तैयार हो गई। इसकी तैयारी और प्रशिक्षण में इस्लाम को केन्द्र बनाया गया।

अफगानिस्तान की सरकार को किसी भी देश की सरकार ने मान्यता नहीं दी है। चीन सरकार पिछले कुछ अरसे से जरूर उससे पींघे बढ़ा रही थी। पाकिस्तान पिछले लंबे अरसे से अफगानिस्तान को अपने इलाके का पिछवाड़ा मान कर उसके साथ व्यवहार कर रहा था। उसका प्रमुख कारण अफगानिस्तान की भू-राजनीतिक स्थिति कही जा सकती है। अफगानिस्तान पर रूस के हमले ने पाकिस्तान की स्थिति प्रासंगिक बना दी थी। अमेरिका को हर हालत में मध्य एशिया के इस अंतिम देश, जो अभी तक रूस की छत्रछाया में आने से बचा हुआ था, उसको रूस की इस प्रेतछाया से मुक्त करना था। उसे इसके लिए पाकिस्तान का साथ चाहिए था। उसके लिए अमेरिका ने पैसा और हथियार दिया और पाकिस्तान ने पश्तूनों (पठानों) को नए हथियारों का प्रशिक्षण दिया। तालिबान के नाम से पश्तून योद्धाओं की एक नई पौध तैयार हो गई। इसकी तैयारी और प्रशिक्षण में इस्लाम को केन्द्र बनाया गया। यानी रूस के हमले से अफगानिस्तान खतरे में पड गया है। किसी ने यह सवाल नहीं पूछा कि अफगानिस्तान में इस्लाम की रक्षा के लिए आखिर अमेरिका इतना व्याकुल क्यों है? खैर, रूस ने तो अफगानिस्तान को छोड़ दिया। फिर नई सरकार बनी जिस पर आरोप था कि वह अमेरिका की समर्थक है। तालिबान के प्रशिक्षण में जो पाठयक्रम पढ़ाया गया था, उसमें देश की रक्षा के साथ-साथ इस्लाम की रक्षा के भी अध्याय थे। अमेरिका जिस पश्चिमी सभ्यता का रहनुमा है, वह इस्लाम विरोधी है, इसकी भनक भी तालिबान को अब तक लग चुकी थी। इसलिए तालिबान का नया निशाना नई सरकार ही थी। अमेरिका को यह नई सरकार बनानी ही थी ताकि उसका वर्चस्व अफगानिस्तान में बना रहे।

उसे इस देश को नियंत्रण में रखना था, जहां तीन साम्राज्य भारत, चीन और रूस मिलते हैं। अब उसे फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। इस बार अफगानिस्तान के शहरों में केवल अमेरिका की फौजें ही नहीं थीं, बल्कि उसके साथ अमेरिका के सहयोगी यूरोप

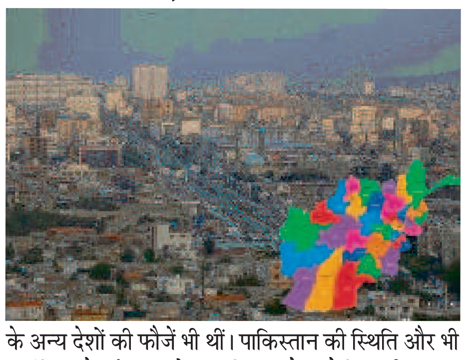

के अन्य देशों की फौजें भी थीं। पाकिस्तान की स्थिति और भी प्रासंगिक हो गई। वह ओसामा बिन लादेन को छिपा भी रहा था और मरवा भी रहा था। तालिबान को भी पाकिस्तान की जरूरत थी। अमेरिका को तो थी ही। लेकिन इस लम्बी लड़ाई में जब हर रोज अमेरिकी सैनिकों के ताबूत वाशिंगटन डीसी में पहुंचने लगे तो अमेरिका के लोग ही नक्शे में अफगानिस्तान की तलाश करने लगे और उसे अमेरिका से इतनी दूर देख कर सवाल करने लगे कि आखिर इतने दूर के देश में हम अपने जिंदा सैनिकों को लाशें में, क्या प्राप्त करने के लिए तबदील कर रहे हैं? इस सवाल का जवाब सरकार के लिए आम जनता को देना मुश्किल था। जब जवाब देना मुश्किल हो गया तो 'सैम अंकल' ने पश्तूनों के देश से निकल आने का ही फैसला कर लिया। जाहिर है वे सत्ता तालिबान को सौंप कर ही आते। तालिबान से समझौता करने में फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। अपने सारे हथियार वहीं छोडक़र अमेरिका तो 2021 में काबुल से चला गया। अब राष्ट्रपति अब्दुल गनी की सरकार और तालिबान की सेना आमने-सामने थी। जाहिर है पाकिस्तान तालिबान के साथ था या यूं कहा जा सकता है कि वह अब्दुल की सरकार को उखाडक़र पाकिस्तान समर्थक सरकार बनाने का प्रयास कर रहा था। अगस्त 2021 में अब्दुल गनी को भागना पड़ा और काबुल में तालिबान की सरकार बन गई, जिसे पाकिस्तान गलती से अपनी सरकार मानने लगा। अपनी सरकार यानी भारत विरोधी सरकार। दरअसल काबुल की सरकार को वह अपनी सरकार दो कारणों से मान रहा था। पहला कारण तो यह था कि पाकिस्तान ने तालिबान का निर्माण किया था और दूसरा यह कि तालिबान भी इस्लाम की रक्षा के लिए लड़ रहा था और पाकिस्तान का तो जन्म ही इस्लाम की रक्षा के लिए हुआ था। सब देशों ने अपने दूतावास काबुल में बंद कर दिए। भारत ने प्रतीकात्मक रूप से अपना दूतावास बनाए रखा। इस आकलन में इस्लामाबाद शायद एक भूल कर गया। वह भूल डूरंड रेखा को न समझ पाने की थी। ब्रिटिश सरकार भारत से जाने और विभाजित करने से पहले अफगानिस्तान और भारत के मध्य में एक रेखा खींच गई थी, जिसे डूरंड रेखा कहा जाता है। लेकिन पश्तून इस डूरंड रेखा के दोनों ओर रहते हैं। अंग्रेजों के भारत में आने से पहले यह डूरंड रेखा नहीं थी, पश्तून पूरे देश में घूमते थे। कुछ सौ साल पहले इस्लाम स्वीकार करने के बावजूद उनकी सांस्कृतिक चेतना नहीं बदली थी। लेकिन डूरंड रेखा ने उनको बांटने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसके बाद पाकिस्तान बना कर उन्हें हिंदुस्तान से काट दिया। अब तक के पश्तूनों के हुए सबसे बड़े नेता खान अब्दुल गफ्फार खान, अंग्रेजों की इसी राजनीतिक गुंडागर्दी से लड़ते रहे थे। 1947 के बाद भी उन्होंने पाकिस्तान को स्वीकार नहीं किया, इसलिए पाकिस्तान की जेलों में सड़ते रहे। वे इस्लाम मजहब के पैरोकार होने के बावजूद पश्तूनों की सांस्कृतिक चेतना से नहीं टूट सके।

एक बार मैंने एक पश्तून छात्र से पूछा था, जब आपके यहां दो फरीकों में झगड़ा होता है तो जिरगा (न्याय करने के लिए बैठी पंचायत) में न्याय शरीयत से किया जाता है? शरीयत को वह छात्र इस्लामिक कानून कह रहा था। उसने कहा, न्याय करने से पहले दोनों पार्टियों से पूछ लिया जाता है कि वे निर्णय इस्लामिक कानून से चाहते हैं या पश्तूनावली से। फिर उसी के हिसाब से फैसला होता है।

दृष्टि कोण

दिल्ली में मुफ्त चुनावी उपहारों के शोर में असल मुद्दे दब कर रह गये हैं

अक्सर आपने देखा होगा कि किसी राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक और सामाजिक समीकरण हावी हो जाते हैं लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में हालात एकदम अलग हैं। विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में राजनीतिक चर्चा में ''मुफ्त उपहारों'' की चर्चा हावी है जिससे प्रदूषण, कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अपराध और बुनियादी ढांचा सहित अन्य प्रमुख मुद्दे पीछे रह गए हैं। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और महिलाओं के लिए निःशुल्क सार्वजनिक परिवहन पहल पर जोर देते हुए ''रेवड़ी पर चर्चा'' जैसे अभियानों का नेतृत्व कर रही है। इसने नयी योजनाओं की भी घोषणा की है, जिनमें महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये देने के वादे के साथ मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और

बुजुर्गों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल संबंधी संजीवनी योजना शामिल है।

कांग्रेस ने जवाब में 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की है जिसके तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने की बात कही गई है। इसने 25 लाख रुपये तक की बीमा कवरेज का वादा करते हुए 'जीवन रक्षा योजना' की घोषणा भी की है। वहीं भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र के दो चरण अब तक जारी किये हैं जिनमें हर वर्ग के लिए योजनाओं की भरमार है। देखा जाये तो इन मुफ्त योजनाओं को एक बार 'मुफ्त की रेवड़ी' करार देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी दिल्ली के लोगों को आश्वस्त करना पड़ा है कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो इस तरह की योजनाएं जारी रखी जाएंगी।

इस बीच, मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहारों की घोषणाओं के चलते दिल्ली में वायु प्रदूषण जैसा महत्वपूर्ण मुद्दा गौण हो गया है। हालांकि राजधानी के ज्यादातर निवासियों ने गंभीर स्वास्थ्य खतरा बने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस कार्य योजनाओं की कमी पर चिंता जताई है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले साल नवंबर में 490 के अंक को पार कर गया, जो ''अत्यंत गंभीर'' श्रेणी में आता है। जहरीली हवा के कारण अनेक लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, यमुना नदी में अमोनिया के उच्च स्तर के कारण पूरे शहर में पानी की कमी भी देखी गई क्योंकि जलशोधन संयंत्र पानी का शोधन करने में असमर्थ थे। यही नहीं, खराब जल निकासी के चलते दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की डूबने से मौत को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में आक्रोश देखा गया था। बहरहाल, देखा जाये तो मुफ्तखोरी की संस्कृति को बढ़ावा देने की वजह से शासन एवं नीति-निर्माण पंगु हो गये हैं। अपने अब तक के कार्यकाल में आम आदमी पार्टी की सरकार ने रोजगार सृजन और संविदा कर्मचारियों के लिए समाधान खोजने जैसे अन्य प्रमुख मुद्दों की अनदेखी की है। आम आदमी पार्टी ने मुफ्त योजनाओं की जो आदत जनता को लगाई है उसको देखते हुए अन्य पार्टियां भी इसी नीति पर चलती नजर आ रही हैं। यह नीति राजनीतिक दलों को सत्ता तो दिला देगी लेकिन सरकारी खजाने को और राज्य की आर्थिक सेहत को खासा नुकसान पहुँचाएगी। यहां सवाल यह भी उठता है कि हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन जब देश की राजधानी ही विकसित नहीं होगी तो यह लक्ष्य आखिर कैसे हासिल होगा।

कुछ अलग

मुझे पुरस्कार मिल जाए तो...

प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद यदि मुझे पुरस्कार मिल जाए तो मेरे लिए अत्यंत हर्ष की बात होगी। परंतु यह हर्ष नितांत मेरा होगा। काश! इसमें मेरे समानधर्मा साहित्यकार और सगे-सम्बन्धी भी शामिल होते। वैसे साहित्य सेवा करते हुए मुझे तीस वर्ष का लंबा समय बीत गया है, अतः कोई भी संस्था-अकादमी चाहे तो मुझे अपने पुरस्कार-सम्मान से नवाज सकती है। परंतु बात वही है कि मुझे पुरस्कार मिल जाए तो यह अनहोनी साहित्य जगत को पचाना मुश्किल हो जाएगा। बिना पुरस्कार प्राप्त किए ही जब मेरे समकालीन समानधर्मा साहित्यकार मुझसे दुःखी रहते हैं, तो यदि कोई लक्खी पुरस्कार मिल गया तो वह राशि उनके कष्टों के साथ-साथ मेरे व्यक्तिगत कष्टों में कई गुणा वृद्धि करने के लिए जिम्मेदार नहीं होगी? एक बार मुझे एक स्थानीय संस्था ने मात्र माला पहनाकर तालियां बजवाई थी, उसमें भी मेरी खासी आलोचना हुई थी। लोगों ने इसे प्रायोजित कार्यक्रम बताया था। साहित्यकारों के घरों में कई दिनों तक मातमी धुनें बजती रही थीं। दरअसल मैं ठहरा अपनी धुन का साहित्यकार। थोड़ा रिजर्व नेचर का होने से समानधर्मा मुझे अहंकारी और घमंडी मानने लगे हैं। उन्होंने मुझे व्यावसायिक लेखक होने का तोहफा दिया है। जबकि मैं देश की उन्हीं पत्र-पत्रिकाओं में लिखता रहा हूं, जिनमें वे लोग लिखते हैं। फर्क इतना-सा है कि वे लिखने में थोड़ा शिथिल हैं, जबकि मैं गतिमान हूं। मेरा यही गतिमान होना ही मुझे अलग-थलग छोड़ देने का मुख्य कारण है। कोई मुझसे मिलना नहीं चाहता, बोलना नहीं चाहता और यहां तक कि वे मुझे अपने गुटों में घुसने नहीं देते। इतनी डरावनी परिस्थितियों में यदि मुझे पुरस्कार मिल जाए तो असंख्य आपत्तियां और विपत्तियां उठ खड़ी हो सकती हैं। मुझे ही क्या, पुरस्कार देने वाली संस्था-अकादमी को भी नहीं बख्शा जाएगा। संस्था कार्यक्रम करेगी तो मेरे परिवारजनों के अलावा समारोहों में आएगा कौन? मुझे पता है वह समय मेरे लिए न सही, उस संस्था के लिए कितना अपमानपूर्ण होगा। साहित्य का पुरस्कार हो और उसमें साहित्यकार ही सम्मिलित न हों तो उस पुरस्कार की महत्ता क्या रह जाती है? कल्पना के घोड़े जब मेरे पुरस्कार लेने के मामले में दौड़ता हूं तो अशुभ ज्यादा दिखाई देता है। मैं तो काली सूची में हूं ही, वह सम्मानीय संस्था भी इसी श्रेणी में घोषित की जा सकती है। इसीलिए ज्यादातर मुझे यही लगता रहता है कि मुझे साहित्य का पुरस्कार नहीं मिल सकता। इसीलिए मैंने पुरस्कार मिलने पर 'तो' लगाया है। वैसे लिखने-पढने और काम के आधार पर तो मुझे पुरस्कार न्यायोचित हो सकता है, लेकिन साहित्यगत में मेरी स्थिति सर्वथा भिन्न होने से पुरस्कार मिलना बहुत दुःखद घटना के रूप में भी लिया जा सकता है। जब मेरे लिखने-पढने से ही माहौल दूषित है तो पुरस्कार से मुझे नवाजा जाना मेरे अलावा किसे रास आएगा? एक बार मुझे पुरस्कृत करने की अफवाह मात्र उड़ी थी, उसी से उस संस्था के पास मेरे खिलाफ असंख्य आपत्तियां पहुंच गई थी। वास्तविकता का तो मुझे पता नहीं है, लेकिन इससे हुआ यह कि उस संस्था ने उस वर्ष से पुरस्कार देने की योजना ही आज तक स्थगित कर रखी है। अब संस्था दूसरे कार्यक्रम समारंभ करने की योजना बना रही है, पुरस्कृत करने का घिनौना कार्यक्रम स्थायी रूप से बंद करने की सोच रही है।

देश दुनिया से

नकली खेल सामान नहीं चाहिए

आज के ओलंपिक खिलाड़ी भी शौकिया न होकर अब पेशेवर हो गए हैं। सदी पूर्व जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इस लिए छीन लिए गए थे कि उसने कहीं खेल के नाम पर थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमरीकी डालर इनाम देता है और भारत में तो कुछ राज्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़ रुपए भी देते हैं। तभी तो बढिया किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्व बढ़ गया है। अभी तक बढिया खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थी, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आएंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले, ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं, करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिएं। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है, तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देख जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महाविद्यालय को दी जा रही है, जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों।

जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं, वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधाएं मुहैया हैं। इस स्तर पर अगर हिमाचल प्रदेश में घटिया खेल सामान न खरीद कर उच्च क्वालिटी का खेल सामान खरीदा होगा, तो स्तरीय खेल सुविधा होगी तो जहां जो खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में खेल छोड़ देते हैं, वे अपने घर में रह कर खेल जारी रख सकते हैं। खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी, तो वे फिर क्यों अपना प्रदेश छोड़ेंगे। बात चाहे शिक्षा निदेशालय की हो या किसी भी संस्थान की, अब हिमाचल प्रदेश में उचित मूल्य चुका कर घटिया किस्म का खेल सामान खरीद कर करोड़ों रुपए की बंदरबांट को बंद करके असली खेल सामान खरीद कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों व देश के गौरव पर तो कुछ दया करो।

आप का नजरिया

किसे कहेंगे घुसपैठिया

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान अस्पताल से घर लौट आए हैं। राजनेताओं की भाषा के मुताबिक, सैफ 'टनाटन' और बिल्कुल स्वस्थ नजर आ रहे हैं। हमले के मात्र पांच दिन बाद ही सैफ बिल्कुल ठीक हो गए, उनके गहरे जख्म भी भर गए, वाह! चमत्कार हो गया। यही हमारी राजनीति की भाषा है। हमारे नेताओं के ऐसे वाहियात और बेमानी विश्लेषण हैं कि वे सैफ पर जानलेवा हमले और बांग्लादेशी अभियुक्त को लेकर सवाल कर रहे हैं। बहरहाल हम इस मुद्दे को यहीं छोड़ते हैं, क्योंकि पुलिस और अन्य एजेंसियों को सम्यक जांच करने की पूरी स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। यह नेताओं के संदेहों और सवालों का क्षेत्र भी नहीं है। हमारा बुनियादी सरोकार यह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों का मुद्दा एकदम 'राष्ट्रीय' बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। बाकायदा राज्य के गृह विभाग को एक पत्र लिखा गया है। सैफ के हमले ने यह मुद्दा एक बार फिर गरमा दिया है। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा राज्यों की सीमाओं पर अवैध घुसपैठियों की धरपकड़ अचानक बढ़ गई है और उन्हें वापस बांग्लादेश में खदेड़ा जा रहा है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा था, जिसके बाद बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ तलाशी अभियान बढ़ गए हैं। अलबत्ता बांग्लादेश वापस भेजने की कोई खबर नहीं आई है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी के गली-मुहल्लों में बांग्लादेशी दशकों से सक्रिय हैं। वे जीवन और समाज का हिस्सा बने हैं। वे रिक्शा चलाते हैं। उनकी औरतें घरों में काम करती हैं। इलाके के ढाबों और दुकानों पर बांग्लादेशी मजदूरी करते हैं। वे सहकारी सोसायटी के फ्लैटों में निर्माण, मरम्मत, बढ़ई, प्लंबर और एयर कंडीशनर मैकेनिक के तौर पर खुलेआम, सालों से काम कर रहे हैं। उनके पास आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड, राशन कार्ड जैसे सरकारी दस्तावेज हैं। वे 'प्रधानमंत्री की मुफ्त अनाज' योजना का भी लाभ उठा रहे हैं। वे आम आदमी पार्टी के चुनावी लाभार्थी समूह में भी शामिल हैं। कानूनन वे 'भारतीय' हैं। उनकी पुश्तैनी जड़ें अधिकतर बंगाल, असम, त्रिपुरा आदि राज्यों से जुड़ी हैं। ऐसे में किसे 'घुसपैठिया' करार देंगे और किस पर 'अवैध प्रवासी' का संदेह कर कानूनी कार्रवाई करेंगे? दरअसल बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, असम, मेघालय और मिजोरम राज्यों की सीमाएं लगती हैं। अधिकतर सीमाएं खुली हैं। हालांकि करीब 77 फीसदी सीमा पर बाड़बंदी का काम किया जा चुका है, लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ सीमा-विवाद हैं, कुछ इलाके नदियों से सटे हुए हैं, जहां फेंसिंग नहीं की जा सकती। इन इलाकों के लोग भी बाड़ का विरोध करते रहे हैं। लिहाजा बांग्लादेश से त्रिपुरा, असम, बंगाल के जरिए लोग आते-जाते रहे हैं। पकड़े जाने पर वे खुद को असम, त्रिपुरा के निवासी बताते हैं। दस्तावेज भी होते हैं, तो प्रशासन और पुलिस उन्हें हिरासत में कैसे रख सकते हैं? हमारे देश में ऐसे भी गिरोह सक्रिय हैं, जो फर्जी कार्ड और दस्तावेज बनवा देते हैं। यह भी नए किस्म का भ्रष्टाचार और देशद्रोह है। चूंकि सैफ अली खान वीआईपी शख्स हैं, लिहाजा उनके घर में घुसने और हमला करने का यह मामला सुर्खियों में आ गया।

भजनलाल शर्मा ने किया अनुमोदन नई जिला परिषदों का होगा गठन

जयपुर,24 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य नए जिलों में प्रशासनिक ढांचा तैयार करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन एवं अन्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने नई जिला परिषदों के गठन एवं प्रभावित जिला परिषदों के पुर्नगठन से संबंधित कार्यवाही के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

प्रस्ताव के अनुसार, पंचायतीराज अधिनियम के तहत संबंधित जिलों (8 नए जिले एवं 12 प्रभावित जिले) के जिला कलक्टर पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के आधार पर जिला परिषद के गठन एवं पुनर्गठन का प्रस्ताव तैयार करेंगे। साथ ही, इससे प्रभावित पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के नवसृजन एवं पुनर्गठन के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे।

जिला कलक्टरों द्वारा इन प्रस्तावों को सार्वजनिक अवलोकन के लिए प्रसारित कर 1 माह में आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी, जिनके निस्तारण के बाद प्रस्तावों को राज्य सरकार को प्रेषित कर दिया जाएगा। इन प्रस्तावों के परीक्षण एवं अनुमोदन पश्चात नवगठित/पुनर्गठित जिला परिषदों, पंचायत समितियों एवं ग्राम के गठन की अधिसूचना जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी वर्ष में प्रदेश में 17 नवीन जिले एवं 3 नवीन संभाग बनाने का निर्णय लिया, लेकिन नवसृजित जिलों में नई जिला परिषदों का गठन नहीं किया। हाल ही में राज्य सरकार ने बैठक में जिलों का पुनर्निर्धारण किया। पुनर्निधारण के बाद यथावत रखे गए 8 नए जिलों में राज्य सरकार ने नई जिला परिषदों के गठन का निर्णय लिया है, ताकि आमजन को इन जिलों के गठन का वास्तविक लाभ मिल सके।

केवल डिग्री से नहीं मिलती नौकरी क्षमता भी जरूरी : बागड़े

कोटा,24 जनवरी (एजेंसियां)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय (वीएमओयू) के 17वें दीक्षांत समारोह में शुक्रवार को राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शिक्षा और संस्कृति के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है। नौकरी पाने और जीवन में सफल होने के बौद्धिक क्षमता का होना भी जरूरी है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि बौद्धिक क्षमता और नैतिक मूल्यों का विकास विश्वविद्यालयों से ही संभव है।

राज्यपाल ने कहा कि मुगलों ने भारतीय संस्कृति को मिटाने की कोशिश की। उन्होंने देवालय तोड़े, मूर्तियां फोड़ी, और धर्मांतरण करने की कोशिशें कीं। भारतीयों ने अपने त्याग और संघर्ष से अपनी संस्कृति को बचाए रखा। उन्होंने कहा, अगर हम इतिहास को भूल जाएंगे, तो भूगोल भी भूलने की नौबत आ जाएगी।

दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह नीति भारत को विकसित देश बनाने में मदद करेगी। शिक्षा का उद्देश्य केवल लिखने-पढ़ने तक सीमित नहीं होना चाहिए। समाज और देश के उत्थान का माध्यम बने। राज्यपाल ने कहा, अंग्रेजों ने भारत में शिक्षा का ऐसा ढांचा बनाया, जिससे बौद्धिक विकास नहीं हो सके। लेकिन नई शिक्षा नीति को 400 कुलपतियों और 1,000 शिक्षाविदों की राय से बनाया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम भविष्य में देखने को

दीक्षांत समारोह में 89 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। तीन छात्राओं- मनीषा चौधरी, रीना शर्मा और सरोज यादव को चांसलर मेडल दिया गया। साथ ही प्रज्ञा भार्गव, राजेंद्र सिंह शेखावत, राजेश कंवर राठौड़, योगिता व्यास और खटीक को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

इस अवसर पर जून 2022, दिसंबर 2022 और जून 2023 की परीक्षाएं पास करने वाले 60,506 विद्यार्थियों की डिग्रियां डिजी लॉकर पर अपलोड की गईं। जर्नलिज्म में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए श्रीकरुणा शंकर मेमोरियल गोल्ड मेडल विश्राम लाल, महिपाल सिंह और जयदीप शर्मा को दिया गया।

गोविंद डोटासरा झूठ का ढोल, कोई भी आकर बजा जाता : सुरेश रावत

अजमेर,24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई बयानबाजी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने गुरुवार को विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को राम के नाम से चिढ़ है।

सुरेश सिंह रावत कहा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के मध्य नदी जोड़ो परियोजना में राजस्थान के शब्द रा और मध्य प्रदेश के शब्द म को जोड़ा गया है। रावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राजस्थान की 40 प्रतिशत जनसंख्या को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि डोटासरा झूठ का ढोल हैं, जिसे कोई भी बजा सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर ईआरसीपी (पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) पर झूठ की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में इस परियोजना के लिए तक नहीं दिया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना के तहत 10 हजार करोड़ के कार्यों का शिलान्यास किया है। रावत ने यह भी कहा कि कांग्रेस को राम के नाम से चिढ़ है। इसे राम जल सेतु लिंक परियोजना से जोड़ते हुए कहा कि इस परियोजना से की 40 प्रतिशत जनसंख्या को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस परियोजना पर काम कर रहे हैं, जिससे पूर्वी राजस्थान की पेयजल और सिंचाई समस्याओं का समाधान होगा। रावत ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि सिंह डोटासरा अपनी झूठी बयानबाजी से कांग्रेस की स्थिति और खराब कर रहे हैं, जो पहले ही उपचुनावों में जनता से करारी चोट खा चुकी है।

स्वस्थ, सुरक्षित और हरित भविष्य की दिशा में जिम्मेदारी से बढ़ाए कदम : देवनानी

जयपुर,24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को राष्ट्रीय पर्यावरण पर दो दिवसीय युवा संसद हुई। देवनानी ने देश के विभिन्न राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये दो सौ से अधिक युवाओं के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय पर्यावरण विषय पर आयोजित युवा संसद का शुभारम्भ किया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने युवाओं का आह्वान किया कि सभी को मिल-जुल कर एक स्वस्थ, सुरक्षित हरित भविष्य की दिशा में कदम बढाने होगें। इसके लिये देश का भविष्य और वर्तमान युवा को दृढ़ संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रतिबद्ध होकर कार्य करने होंगे। उन्होने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा के लिये प्रत्येक व्यक्ति को अपना दायित्व समझना होगा और सजग रहकर पर्यावरण के अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाना होगा। तकनीकी ज्ञान के साथ पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की हर बूंद के उपयोग का प्रयास करना होगा। श्री देवनानी ने युवाओं से कहा कि पर्यावरण संरक्षण पर राजस्थान विधान सभा के सदन में चर्चा के साथ क्रियान्विति के लिये ब्लू प्रिंट आवश्यक रूप तैयार करें।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने शुक्रवार को यहां विधान सभा सदन में राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण पर दो दिवसीय युवा संसद को संबोधित करते हुये कहा कि जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधन हैं तो मानव जीवन है। पर्यावरण रहेगा तो मानव और धरती का अस्तिव बना रहेगा। देवनानी ने कहा कि औद्योगीकरण एवं वैज्ञानिक नवाचारों के साथ जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों से हमें प्रेम करना होगा। इसी से हमारे स्वयं के साथ समाज व देश का सुव्यवस्थित विकास हो सकेगा। देवनानी ने आकाशो-शांति, पृथ्वी-शांति, अंतरिक्ष-शांति और जीव जगत की शांति के लिये प्रार्थना करते हुये कहा कि पर्यावरण विषय के इस युवा संसद का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति चेतना बढ़ाना है साथ ही प्राकृतिक संसाधनों एवं पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति भी जागरूकता और संवेदनशीलता के साथ हमें अपनी मानवीय जिम्मेदारियों पर समझ बढानी होगी।

देवनानी कहा कि पर्यावरण के प्रति भारतीय संस्कृति सदैव से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखती आयी है। भारतीय दर्शन में संतुलन और सद्भाव की अवधारणा के साथ पशुओं के प्रति अहिंसा और करूणा का भाव है।

भ्रष्टाचार का मकड़जाल है डीटीओ संजय शर्मा

जयपुर,24 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के विद्याधर नगर में तैनात जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) संजय शर्मा का नाम अब भ्रष्टाचार के सबसे चर्चित मामलों में शुमार हो गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की में उनके ठिकानों से 6.18 करोड़ रुपए की संपत्ति का खुलासा हुआ, जो उनकी घोषित आय से 209% अधिक है। इस प्रकरण ने न केवल सरकारी तंत्र की साख पर सवाल खड़े किए, बल्कि यह भी दिखाया कि भ्रष्टाचार का जाल किस तरह फैलता है और किस कदर समाज जड़ें जमा चुका है।

एसीबी ने राजस्थान और उत्तर प्रदेश में स्थित संजय शर्मा के 10 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। इसमें 6.18 करोड़ रुपए की संपत्ति, इसमें बैंक खातों, प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट्स, सोने-चांदी के गहनों, शेयरों और लॉकरों में जमा रकम है। शर्मा ने संपत्तियां अपने रिश्तेदारों और परिचितों के नाम पर खरीदीं, फिर उन्हें कम कीमत पर अपने या पत्नी के नाम ट्रांसफर करवाया। परिवार के यूरोप और अमेरिका दौरे पर लाखों रुपए खर्च किए गए। बड़ा सवाल यह है कि यात्राओं का खर्च शर्मा ने उठाया या कोई और?

संजय शर्मा के खिलाफ करीब सवा साल पहले आय से अधिक संपत्ति की शिकायत दर्ज हुई थी। तब से एसीबी ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखी हुई थी। रेड के दौरान पता चला कि शर्मा ने पद का दुरुपयोग कर न केवल संपत्ति जुटाई, बल्कि इसे छुपाने के लिए अपने नजदीकी लोगों के नाम का इस्तेमाल किया।

जयपुर के वैशाली नगर स्थित उनके घर और छोटे भाई के घर से महंगे गहने और नकदी। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में 25 जमीन और जॉइंट अकाउंट का पता चला। एसकेजे ज्वेलर्स के यहां बड़े निवेश और सोने की खरीद-बिक्री का खुलासा हुआ।

होमगार्ड सिरसा व जींद का जिला कमांडर रघुबीर सिंह रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

सिरसा,24 जनवरी (एजेंसियां)। एसीबी की हिसार टीम ने 24 जनवरी 2025 को आरोपी रघुबीर सिंह, जिला कमांडर सिरसा को शिकायतकर्ता कृष्ण, निवासी गांव गंगोली, थाना पिल्लूखेडा, जिला जींद से 15,000/-रुपए बतौर रिश्वत राशि के साथ रंगे हाथों गिरफतार किया। शिकायतकर्ता कृष्ण निवासी गांव गंगोली थाना पिल्लूखेडा जिला जींद ने एसीबी को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह वर्ष 2005 में होमगार्ड विभाग में गृहरक्षी नियुक्त हुआ था। 1 मई, 2023 को आरोपी रघुबीर सिह, जिला कमांडर, होमगार्ड, जिला जींद द्वारा उसकी डयूटी गुरूग्राम लगाई थी। उसके द्वारा 31 जुलाई 2023 तक गुरूग्राम में डयुटी की गई। इसके बाद उसको डयूटी से उतार दिया गया। इसके उपरान्त वह डयूटी दोबारा ज्वाईन करने के आरोपी रघुबीर सिंह, जिला कमांडर होमगार्ड को उनके कार्यालय में जाकर मिला। जिस पर आरोपी द्वारा उसको दोबारा डयूटी पर लगाने की एवज में 1,00,000/-रूपए बतौर रिश्वत की मांग की और आरोपी द्वारा आज 24 जनवरी 2025 को उससे केवल 15,000/-रुपए की मांग की है।

इस शिकायत पर एसीबी हिसार टीम द्वारा शिकायकर्ता कृष्ण निवासी गांव गंगोली, थाना पिल्लूखेडा, जिला जींद द्वारा आरोपी रघुबीर सिंह, जिला कमांडर, होम गार्ड सिरसा/जींद द्वारा मांगी गई 15,000/-रूपए बतौर रिश्वत राशि लेते हुए बेगू रोड, प्रीत नगर, सिरसा से रंगे हाथों गिरफतार किया गया।

जब कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में इसी ईवीएम से कांग्रेस की सरकार बनती है तब यह क्यों नहीं बोलते : अनिल विज

अम्बाला,24 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि ये जो पीटे हुए, हारे हुए राजनेता हैं ये उनके लिए एक भूत बन गई है। ये इनके लिए एक बहाना भी बन गया है। उन्होंने बताया कि ईवीएम से देश में इलेक्शन हो रहे हैं। केंद्र में सरकार बनी है, हरियाणा में सरकार बनी है, महाराष्ट्र में सरकार बनी है और दिल्ली में भी सरकार बनेगी और मैं इनसे चाहता हूं कि जब कर्नाटक में इसी ईवीएम से कांग्रेस की सरकार बनती है तब क्यों नहीं बोलते, हिमाचल में बनती है कांग्रेस की सरकार तब क्यों नहीं बोलते।

विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के ईवीएम को लेकर उठाए गए सवाल, के संबंध में गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार इसी ईवीएम से बनती है तब क्यों नहीं बोलते और हरियाणा में कांग्रेस के विधायक ईवीएम से जीतते हैं और तुम ईवीएम का विरोध करते हो तो अपने विधायकों का त्यागपत्र क्यों दिखाते हो।

वहीं, आप सांसद संजय सिंह के बयान कि दिल्ली चुनाव में भाजपा का सफाया होगा पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री अनिल विज ने कहा कि सपने लेने का हर आदमी को अधिकार है। लेकिन सपने और हकीकत में जमीन आसमान का अंतर होता है।

5 सालों में योग्यता के आधार पर 2 लाख युवाओं को दी जाएगी सरकारी नौकरियां : सैनी

चंडीगढ़,24 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार आगामी 5 सालों में योग्यता के आधार पर प्रदेश के युवाओं को 2 लाख सरकारी नौकरियां देगी। इस सरकार ने पिछले 10 सालों में 1 लाख 71 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां दी है। इस सरकार ने युवाओं को सरकारी नौकरियां देने के साथ-साथ रोजगार स्थापित करने के लिए विभिन्न योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को आईजीएन कॉलेज धनौरा लाडवा (कुरुक्षेत्र) के स्वर्ण जयंती समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कॉलेज की तरफ से आयोजित हवन यज्ञ में आहुति डाली और शिक्षण के संस्थापक स्वर्गीय ओम प्रकाश गर्ग की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कॉलेज के प्रांगण में पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री ने कालेज की स्वर्ण जयंती की स्मारिका का विमोचन किया। इस स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षण संस्थान को 21 लाख रुपए अनुदान राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने संस्थान के 51 वर्ष पूरे होने पर शिक्षकों, विद्यार्थियों और प्रबंधकों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं को शिक्षित करने के लिए वर्ष 1974 में आईजीएन कॉलेज की स्थापना की गई। इस 50 साल के सफर में शिक्षण संस्थान ने हजारों विद्यार्थियों को अच्छा नागरिक बनाने और उन्हें हुनरमंद बनाने का काम किया है। विकसित हरियाणा के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आईजीएन कॉलेज जैसे शिक्षण संस्थान का अहम योगदान रहेगा। प्रदेश व देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने में संस्थानों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया है। इस शिक्षा पद्धति को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की तरफ से लागू कर दिया गया है। इस शिक्षा नीति से विद्यार्थी ही छत के नीचे केजी से लेकर पीजी कक्षाओं तक अपनी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे, इतना ही नहीं स्कूल से विश्वविद्यालय तक विद्यार्थियों को कुशल बनाने का भी काम किया जाएगा। प्रदेश सरकार ने युवाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए 79 राजकीय कॉलेज खोलने का काम किया। से 32 कॉलेज बेटियों के लिए ही बनाए गए है। अब प्रदेश में हर 20 किलोमीटर के दायरे में राजकीय कालेज स्थापित किया जा चुका है। इसके अलावा 13 नए विश्वविद्यालय स्थापित किए गए है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने बिना खर्ची बिना पर्ची के युवाओं को 1 71 हजार सरकारी नौकरियां दी और आने वाले 5 सालों में युवाओं को 2 लाख और सरकारी नौकरियां दी जाएगी। सरकार की तरफ से विदेशों में नौकरियां व शिक्षा लेने के लिए युवाओं के सहयोग के लिए विदेश सहयोग विभाग स्थापित किया है और कॉलेजों में ही 35 हजार के नि:शुल्क पासपोर्ट भी बनाए गए है। प्रदेश के युवाओं ने खेलों के साथ-साथ हर क्षेत्र में हरियाणा का नाम पूरे विश्व में रोशन करने का काम किया है। लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी ने बताया कि इस कालेज ने अब 50 सालों की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर ली है। लाडवा हल्का का एकमात्र कॉलेज है। जिसमें आर्ट, कॉमर्स, साइंस की शिक्षा के साथ-साथ अब कॉलेज में पीजी की कक्षाएं भी शुरू हो चुकी है। इस कॉलेज के निर्माण में धनौरा पंचायत का अहम योगदान है। इस पंचायत ने कॉलेज के निर्माण के लिए 36 एकड़ भूमि दान में है।

फैमिली आईडी अपडेट : हरियाणा सरकार का नया कदम

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने नागरिकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से फैमिली (परिवार पहचान पत्र) में बड़ा अपडेट जारी किया है। यह अपडेट खास तौर पर गृहणियों और बेरोजगार युवाओं को ध्यान में रखकर किया गया है। फैमिली आईडी हरियाणा सरकार की एक अनूठी पहल है, जिसके जरिए सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाया जाता है।

हरियाणा सरकार फैमिली आईडी में अब गृहणियों और बेरोजगार युवाओं के लिए एक खास ऑप्शन जोड़ने का फैसला किया है। फैमिली आईडी में गृहणियों की स्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज होगी, ताकि वे विभिन्न सरकारी योजनाओं और सब्सिडी, जैसे गैस सिलेंडर, राशन कार्ड और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।इसके उन्हें स्वरोजगार योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। यह कदम हरियाणा की महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर-सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है। आज आप गुस्से में परिवार के किसी सदस्य को भला-बुरा कह सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। मुहब्बत के मोर्चे पर आज आपकी तूती बोलेगी, क्योंकि आपका महबूब आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए तैयार है। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं। किसी पेड़ मे जल डालना आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अच्छी चीज़ों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग़ खुला रहेगा। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका स्पष्ट और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहम्को ठेस पहुँचा सकता है। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है। दोस्त अकेलापन दूर करने के सबसे अच्छे माध्यमों में से एक हैं। दोस्तों के साथ समय बिताकर आज के दिन आप बेहतरीन चीज़ में समय निवेश कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। डाक या ई-मेल से आया कोई महत्वपूर्ण संदेश पूरे परिवार के लिए ख़ुशख़बरी लाएगा। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। आपका संगी आज आपके लिए घर पर कोई सरप्राइज डिश बना सकता है जिससे आपके दिन की थकान मिट जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफ़े की उम्मीद कर सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 25 जनवरी 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 08:34 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 07:08 तक
योग : ध्रुव रात्रि 04:37 तक
करण : बव प्रातः 08:06 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:17 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:09 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:00 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : षट्तिला एकादशी व्रत
गण्डमूल प्रातः 07:09 से

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भव्य महाकुंभ का दिव्य ड्रोन शो, श्रद्धालु मनमुग्ध हुए

महाकुंभनगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ को भव्य और दिव्य बनाने के योगी सरकार के संकल्प को साकार करते हुए शुक्रवार को सेक्टर 7 में अद्भुत ड्रोन शो का आयोजन किया गया। यूपी पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित इस शो में सैकड़ों ड्रोन की मदद से आसमान में जीवंत आकृतियों का प्रदर्शन किया गया। ड्रोन शो में श्रद्धालुओं ने देवताओं को अमृत कलश पीते हुए देखा। इसके साथ ही समुद्र मंथन की दिव्य झांकी ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यूपी दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक झांकी ने शोभा बढ़ाई। ड्रोन के जरिए आसमान में महाकुंभ और उत्तर प्रदेश सरकार का लोगो उकेरा गया, जिसने सभी को आकर्षित किया। शंख बजाते हुए साधु और संगम में स्नान करते हुए संन्यासी की छवि भी बेहद आकर्षक रहीं। ड्रोन शो का मुख्य आकर्षण विधानसभा भवन पर लहराता तिरंगा रहा। यह दृश्य देशभक्ति और गर्व से भरा हुआ था। इस ड्रोन शो के माध्यम से महाकुंभ के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को भी बड़ी खूबसूरती से प्रदर्शित किया।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर उपराष्ट्रपति का हुआ संबोधन

महाकुंभ देख कर पूरी दुनिया आश्चर्यचकित : धनखड़

उप राष्ट्रपति 1 फरवरी को सपरिवार संगम में लगाएंगे डुबकी

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि आठ साल में यूपी उत्तम प्रदेश बन चुका है और अब यह उद्यम प्रदेश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि वे दृढ़ संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। उप राष्ट्रपति ने महाकुंभ की चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि प्रयागराज में इतना बड़ा आयोजन आखिर कैसे इतने सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है। उन्होंने प्रदेश में अपराध में आई गिरावट की तारीफ की और कहा कि इससे ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में उल्लेखनीय उछाल आया है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ के नारे 'बंटेंगे तो कटेंगे' का समर्थन करते हुए कहा कि उनके इस विचार को पूरे देश ने अपना समर्थन दिया है। उप राष्ट्रपति ने देश में अवैध शरणार्थियों की मौजूदगी पर भी चिंता व्यक्त की।

उप राष्ट्रपति शुक्रवार को राजधानी के अवध शिल्पग्राम में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और आगामी एक फरवरी को परिवार के साथ महाकुंभ में डुबकी लगाउंगा। ये मेरे लिए गौरव की बात होगी। उन्होंने प्रदेश की जनता को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई दी। कहा कि सीएम योगी ने इस बात को चरितार्थ किया है कि यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। उन्होंने कहा कि 2018 से राज्य स्थापना दिवस मनाने की परंपरा सराहनीय कदम है। हर स्थापना दिवस पर एक योजना प्रारंभ की गई है। आज मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत 10 लाख उद्यमी ही नहीं बनेंगे, बल्कि ये उद्यमी औरों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी की पहचान इसकी तीव्र और ऐतिहासिक प्रगति के रूप में झलक रही है। ये आसान काम नहीं था। किसी ने सोचा नहीं था ऐसा होगा, इसके लिए योगी आदित्यनाथ साधुवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय संस्थागत ढांचे के निर्माण में यूपी सबसे आगे है।

पूरी दुनिया के लिए ये एक उदाहरण है। तकनीकी और व्यापार के विस्तार में भारत की लंबी छलांग में यूपी की भागीदारी महत्वपूर्ण है। एक जमाना था जब यूपी की पहचान कानून व्यवस्था की चिंता से होती थी। उससे निकलने का रास्ता नहीं दिखता था। प्रांत एक चक्रव्यूह में फंस गया था। संभावनाएं कुंठित हो गई थी। योगी जी ने इसे सुशासन वाले प्रदेश की पहचान दी है। इस प्रगति की चर्चा देश-विदेश में है। इस प्रदेश पर श्रीराम, श्रीकृष्ण, काशी विश्वनाथ और संकटमोचन बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त है। गोरखनाथ मठ के महंत इसका नेतृत्व कर रहे हैं। जब नेतृत्वकर्ता मजबूत होता है तो विकास गुणात्मक होता है। इस प्रदेश में योगियों की लंबी शृंखला रही है।

आज इस प्रदेश का नेतृत्व एक योगी के हाथ में है। भगवान बुद्ध ने यहां प्रथम संदेश दिया। उत्तर प्रदेश स्वतंत्रता आंदोलन की गाथाओं से ओत प्रोत है।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि 26 साल की उम्र में और बीते 26 साल से योगी आदित्यनाथ ने जनसेवा के लिए खुद को दृढ़ संकल्प के साथ समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें महंत अवैद्यनाथ के साथ सांसद बनने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि लगातार दो बार मुख्यमंत्री बनने वाले इस प्रांत में केवल योगी आदित्यनाथ हैं। इनका कार्यकाल किसी भी पहले के मुख्यमंत्री से ज्यादा रहा है। कहा कि देश और व्यक्ति के जीवन में ऐसे मौके आते हैं जब हालात चुनौतीपूर्ण हों, तब बात असरदार और धारदार होनी चाहिए। बात से संकेत नहीं स्पष्ट संदेश देना होता है। योगी जी ने एक संदेश दिया कि हम एक नहीं होंगे तो दुष्परिणाम क्या हो सकते हैं। इस विचार को पूरे देश ने समझा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजधर्म और जन केंद्रित शासन की प्रयोगशाला बन गया है। एक समय था जब इस प्रदेश की पहचान बीमारू राज्य की थी। आज कोई इसका जिक्र भी नहीं करता क्योंकि परिवर्तन का पहिया 180 डिग्री घूम चुका है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का आकलन करें तो इस प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में लंबी छलांग लगाई है। यह 19वें से दूसरे स्थान आ गया हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि केवल एक मामले में मुख्यमंत्री जी 'दोषी' हैं। वह ये कि यूपी में अपराध के मामले में गति कम हो गई है। अपराध पर कुठाराघात का संदेश पूरे देश में गया है। बीते सात-आठ वर्ष में प्रदेश का निर्यात दोगुना हो चुका है। एयरपोर्ट, मेट्रो की संख्या बढ़ी है। प्रयागराज महाकुंभ देख पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। विश्व की कई संस्थाएं इसका अध्ययन कर रही हैं, कि इतना बड़ा आयोजन हो कैसे रहा है। प्रदेश ने जो लक्ष्य 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनामी का रखा है, वो पूरा होते दिखाई दे रहा है।

संभल में मिला प्राचीन कुआं, टोंक के राजा का लगता था दरबार

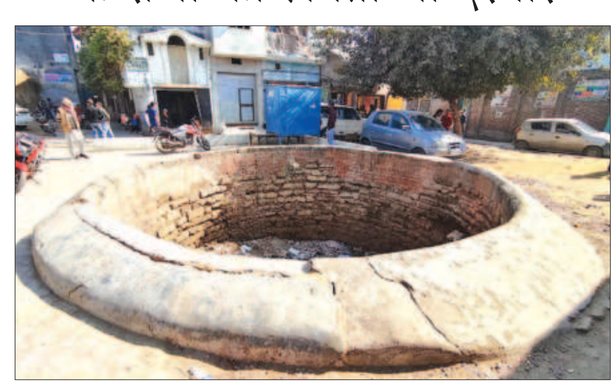

संभल, 24 जनवरी (एजेंसियां)। संभल के जामा मस्जिद के नजदीक कुएं की खोदाई बृहस्पतिवार को पूरी हो गई है। यह खोदाई पालिका द्वारा कराई गई है। जामा मस्जिद के नजदीक स्थित दुकानों के नजदीक वर्षों पहले इस कुएं को बंद कर दिया गया था। अब पालिका की ओर से इसकी खोदाई कराई गई है और संवारने का काम भी कराया जाएगा।

संभल और उसके आसपास के तीर्थ, कूप और कुएं संवारने के लिए संभल कल्कि देवतीर्थ समिति का भी सहयोग रहा। यह समिति प्राचीनकाल की तरह ही इनको संवारने के लिए अपनी राय देगी। उसके बाद पालिका और ग्राम पंचायत द्वारा संवारा जाएगा। इस समिति के अध्यक्ष डीएम हैं। सह अध्यक्ष एसपी व अन्य पदों पर प्रशासनिक और अन्य लोग शामिल किए गए हैं। इसी क्रम में कूप, तीर्थ और कुएं संवारने की योजना तैयार की है। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि अभी तक 41 तीर्थ और 19 कूप को चिह्नित कर लिया गया है। जो समिति की निगरानी में संवारे जाएंगे। उसके अलावा जो कुएं खोले गए हैं इनको भी प्राचीन रूप में ही बदला जाएगा।

सरायतरीन के मोहल्ला दरबार में स्थित जिस प्राचीन कुएं का निरीक्षण एएसआई की टीम ने बुधवार को किया था। वह कुआं जिले का सबसे बड़ा कुआं है। इसकी बनावट भी अन्य कुएं से अलग है। प्रशासन को स्थानीय लोगों ने जानकारी दी है कि यह टोंक के राजा जो नवाब हुआ करते थे उनका दरबार लगता था। इस इलाके में बने भवन भी इसकी पुष्टि करते हैं कि किसी समय में इस इलाके में राजा का निवास स्थान रहा होगा। डीएम ने बताया कि सरायतरीन में मिला कुआं सबसे बड़ा कुआं है। इसको भी पुराने स्वरूप में लाया जाएगा।

प्रदेश के 42 टोल पर चल रहा था फर्जीवाड़ा

120 करोड़ के घोटाले के तीन आरोपी जेल गए

मिर्जापुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। साफ्टवेयर के माध्यम से देश के 42 टोल प्लाजा से 120 करोड़ रुपए का घोटाला करने के मामले में गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया। चौथे और मुख्य आरोपी से पूछताछ कर रही है। उसे बुधवार की रात वाराणसी के बाबतपुर से गिरफ्तार किया गया था।

टोल प्लाजा पर टैक्स वसूली में अनियमितता की शिकायत पर एसटीएफ लखनऊ के निरीक्षक दीपक सिंह के नेतृत्व में मंगलवार की देर रात अतरैली शिवगुलाम टोल प्लाजा पर छापा मारा था। पुलिस और एसटीएफ ने टोल प्लाजा के कर्मचारी जौनपुर के फरीदाबाद सिद्धिकपुर सराय ख्वाजा निवासी आलोक कुमार सिंह, प्रयागराज के परानीपुर मेजा यमुनानगर निवासी राजू मिश्रा और मध्य प्रदेश के सीधी मझौली कचवर निवासी मनीष मिश्रा को गिरफ्तार किया था। ज्ञानपुर भदोही निवासी चौथा आरोपी पंकज शुक्ला मौके पर नहीं मिला। बाद में उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया था।

फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने लिया संन्यास

किन्नर अखाड़े में बनेंगी महामंडलेश्वर

महाकुंभ नगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़ा में महामंडलेश्वर बनेंगी। संगम पर पिंडदान के बाद उनका पट्टाभिषेक किन्नर अखाड़े में किया जाएगा। उनका नाम अब श्री यामिनी ममता नंद गिरि होगा।

महाकुंभ मेले में अब जानी मानी फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी की एंट्री हो गई है। ममता गृहस्थ जीवन से संन्यास लेकर अब संतों का जीवन व्यतीत करेंगी। उन्हें महामंडलेश्वर बनाया जाएगा। शुक्रवार को ममता कुलकर्णी भगवा वस्त्र धारण कर महाकुंभ के सेक्टर नंबर 16 में स्थित किन्नर अखाड़े के शिविर में पहुंचीं। यहां पर उनका पट्टाभिषेक किया जाएगा। ममता कुलकर्णी के आने की सूचना पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

किन्नर अखाड़े की ओर से जारी की गई सूचना के अनुसार प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी शुक्रवार को किन्नर अखाड़ा में महामंडलेश्वर बनेंगी। संगम पर पिंडदान के बाद उनका पट्टाभिषेक किन्नर अखाड़े में सायं छह बजे किया जाएगा। उनका नाम अब श्री यामिनी ममता नंद गिरि होगा।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड के तहत सहायता का दिया आश्वासन

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड के तहत नौ नई योजनाओं के लिए समर्थन का आश्वासन दिया , जिसमें कुल 488 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। जिसका उद्देश्य पावर ग्रिड की लचीलापन बढ़ाना और तेलंगाना राज्य भर में विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा प्रतिबद्ध प्रक्षेपवक्र के अनुसार डिस्कॉम को भुगतान किए जाने वाले अपने विरासत सरकारी विभाग के बकाए को समाप्त करने और वर्तमान बकाए का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

मंत्री ने ये टिप्पणियां तेलंगाना के मुख्यमंत्री और राज्य के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान कीं।मनोहर लाल ने कहा कि भारत सरकार पुनर्विकसित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत सरकारी कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त, नियोजित वितरण योजना के तहत तेलंगाना के प्रस्ताव पर प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जाएगा। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की रेटिंग में सुधार से कर्ज पर ब्याज की लागत में कमी आएगी, जिससे बिजली क्षेत्र के समग्र वित्तीय स्वास्थ्य को लाभ होगा।

हैदराबाद मेट्रो चरण 2: मियापुर पटनचेरु रूट की घोषणा की गई

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो अथॉरिटी ने आधिकारिक तौर पर मियापुर–पटनचेरु मेट्रो लाइन का विवरण जारी कर दिया है, जो मेट्रो विस्तार के दूसरे चरण का हिस्सा है। 13 किलोमीटर लंबा यह एलिवेटेड कॉरिडोर मियापुर को पटानचेरु से जोड़ेगा और इस रूट पर 10 मेट्रो स्टेशन बनाने की योजना है।

इस नई लाइन पर मियापुर मेट्रो स्टेशन, मियापुर क्रॉस रोड, एल्विन क्रॉस रोड, मदीनागुडा, चंदनगर, बीएचईएल, ज्योतिनगर, बीरमगुडा, आरसी पुरम, आईसीआरआईएसएटी और पाटनचेरु जैसे स्टेशन होंगे। चरण 2 में कॉरिडोर–7 के रूप में नामित इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत 4,107 करोड़ है।मेट्रो प्राधिकरण का अनुमान है कि 2028 तक यह मार्ग कम से कम 1.65 लाख दैनिक यात्रियों को सेवा प्रदान करेगा।

मियापुर–पटनाचेरु मेट्रो लाइन हैदराबाद और संगारेड्डी जिलों के बीच एक महत्वपूर्ण लिंक के रूप में काम करेगी, जिससे इस अत्यधिक औद्योगिक गलियारे पर यातायात की भीड़ कम होगी।वर्तमान में, यह क्षेत्र दैनिक आवागमन के लिए आरटीसी बसों और निजी वाहनों पर निर्भर है।

महिला का आंशिक रूप से जला हुआ शव मिला, पुलिस ने जांच शुरू की

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शुक्रवार दोपहर मेडचल में आउटर रिंग रोड (ओआरआर्) के पास एक पुलिया के नीचे एक महिला का आंशिक रूप से जला हुआ शव मिला।पुलिस ने इस परेशान करने वाली खोज की जांच शुरू कर दी है, जो हत्या का मामला प्रतीत होता है।

लोगों से सूचना मिलने के बाद अधिकारियों को शव के बारे में जानकारी दी गई। घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि महिला, जिसकी उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच है, को उसकी पहचान छिपाने के लिए आग लगा दी गई थी। संदेह है कि महिला को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उस स्थान पर लाया गया था, जिन्होंने उसकी हत्या कर दी और उसके शव को जला दिया, संभवतः केरोसिन या पेट्रोल का उपयोग करके।

आग से निकले धुएं के कारण महिला का चेहरा काला पड़ गया था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया था। पहचान के लिए और सुराग मिलने की उम्मीद में चेहरे को साफ करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने यह भी पाया कि महिला के हाथ पर टैटू साफ दिखाई दे रहे थे: एक टैटू पर तेलुगु में 'श्रीकांत' और दूसरे पर अंग्रेजी में 'नरेंद्र' लिखा हुआ था। उसने सोने की चेन भी पहनी हुई थी, जिससे और सुराग मिल सकते हैं।

साक्ष्य जुटाने के लिए एक फोरेंसिक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया है। पुलिस ने कहा है कि

हालांकि यह प्रारंभिक रूप से एक हत्या प्रतीत होती है, लेकिन अपराध से जुड़ी पूरी जानकारी, जिसमें मकसद और अपराधियों की पहचान शामिल है, अभी भी जांच के दायरे में है। इस समय, मेडचल पुलिस स्टेशन में किसी भी गुमशुदगी के मामले की रिपोर्ट नहीं आई है, जिसका संबंध महिला से हो सके।अधिकारी यह पता लगाने में लगे हैं कि क्या टैटू और अन्य सामान महिला की पहचान करने में मदद कर सकते हैं या मामले में कोई सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

इस भयावह घटना ने स्थानीय समुदाय में सुरक्षा और संरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अधिकारी लोगों से आग्रह कर रहे हैं कि वे मामले को सुलझाने में मदद करने वाली कोई भी जानकारी सामने लाएँ। पुलिस सभी संभावित पहलुओं की भी जांच कर रही है, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या महिला किसी व्यक्तिगत या आपराधिक मामले में शामिल थी जिसके कारण उसकी मौत हुई।

हैदराबाद में आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैदराबाद में शुक्रवार को तीन आग लगने की घटनाएं हुईं। पहली घटना में कोंडापुर इलाके में महिंद्रा के शोरूम में लगी आग में सात नई कारें जलकर खाक हो गईं। दमकल की गाड़ियां तुरंत पहुंचीं और आग बुझाई। अधिकारियों को संदेह है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी, हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दूसरी आग की घटना में, निज़ामपेट इलाके में एक फूड स्टॉल पर गैस सिलेंडर फटने से सड़क किनारे की तीन दुकानें जलकर खाक हो गईं। आग पर काबू पाने से पहले यह आस–पास की दो दुकानों तक फैल गई। पुलिस ने पुष्टि की है कि कोई हताहत नहीं हुआ है और आग के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

तीसरी घटना गुड्डिमलकपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में रिंग रोड पर स्थित एक फर्नीचर वर्कशॉप में को आग लग गई। अग्निशमन विभाग के कर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण आग पर तुरंत काबू पा लिया गया, जिससे किसी भी तरह की जनहानि या गंभीर चोट लगने से बचा जा सका।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी , जिससे कार्यशाला के अंदर आग लग गई। आग की लपटें तेजी से पूरे परिसर में फैल गईं, लेकिन दमकल की गाड़ी के आने से स्थिति को और अधिक गंभीर होने से पहले ही काबू में कर लिया गया।

शाहइनायत गंज पुलिस इंस्पेक्टर को एसीबी ने रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, शाह इनायत गंज पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक और पूर्व स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) एल. बालू चौहान को तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी तब हुई जब चौहान ने अपने थाने में दर्ज एक गुमशुदगी के मामले में संदिग्ध के रूप में शिकायतकर्ता का नाम हटाने के बदले में कथित तौर पर 50,000 रुपये की मांग की।

सूत्रों के अनुसार, गुमशुदगी के मामले की जांच में नाम आने के बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस से संपर्क किया था। इस दौरान चौहान ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता को संदेह से मुक्त करने के लिए 1,50,000 रुपये

की मांग की। बातचीत के बाद, राशि घटाकर 50,000 रुपये कर दी गई, जिसे शिकायतकर्ता ने देने पर सहमति जताई।एसीबी को घटना की जानकारी दी गई और आरोपी को पकड़ने के लिए अभियान चलाया गया। रिश्वत की मांग की जानकारी मिलने के बाद एसीबी अधिकारियों ने इंस्पेक्टर चौहान को गिरफ्तार कर लिया और बाद में हैदराबाद के नामपल्ली में एसपीई और एसीबी मामलों के लिए विशेष अदालत के प्रधान विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। चौहान की गिरफ़्तारी ने पुलिस बल के भीतर भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अधिकारियों की प्रतिबद्धता के बारे में एक कड़ा संदेश दिया है। एसीबी ने जनता से अपील की है कि वे भ्रष्टाचार के ऐसे किसी भी मामले की सूचना अपने हेल्पलाइन नंबर 1064 पर दें।आधिकारिक बयान में एसीबी ने इस बात पर जोर दिया कि आरोपी अधिकारी ने अपने कर्तव्य का उल्लंघन किया है और रिश्वत मांगते हुए बेईमानी की है, इस प्रकार अपने पद का दुरुपयोग किया है। कानूनी कार्यवाही के बाद पुलिस विभाग से सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की उम्मीद है।

यह घटनाक्रम भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने तथा राज्य भर में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के भीतर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना सरकार के चल रहे प्रयासों में शामिल है।

फर्जी डिग्री मामले में डिप्टी सीएम मौर्य को सुप्रीम कोर्ट से झटका

पुनरीक्षण याचिका खारिज करने वाला आदेश रद्द

प्रयागराज, 24 जनवरी (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट से प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को तगड़ा झटका लगा है। फर्जी डिग्री के खिलाफ दाखिल पुनरीक्षण याचिका को खारिज करने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। साथ ही नए सिरे से गुण–दोष के आधार पर सुनवाई के लिए मामले को हाईकोर्ट वापस भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सुधांशु धूलिया और न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने उक्त मामले में सुनवाई की है। आरटीआई कार्यकर्ता व याची दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या पर फर्जी डिग्री के आधार पर पेट्रोल पंप की डीलरशिप हासिल करने और 2007 विधानसभा चुनाव के नामांकन में गलत हलफनामा दाखिल करने का आरोप लगाया था। साथ ही एफआईआर दर्ज कराने की मांग की थी। याची की अर्जी को इलाहाबाद जिला अदालत की अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद देरी के आधार पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने याची की पुनरीक्षण याचिका भी रद्द कर दी थी। फिर हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याची ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए कहा कि महज एक महीने की देरी के आधार पर पुनरीक्षण याचिका खारिज नहीं की जानी चाहिए थी।

वह भी तब जब डेंगू से पीड़ित होने का ठोस कारण बताते हुए याची ने देरी के लिए माफी की अर्जी दाखिल की थी।

बरेलवी के मौलाना ने साधा सपा सुप्रीमो पर निशाना

महाकुंभ के बहाने सनातन का अपमान कर रहे अखिलेश

बरेली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।
ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत पीडीए को भगवान का दर्जा दे रहे हैं, जो गलत है। भगवान की तुलना किसी व्यक्ति या राजनीतिक एजेंडे से नहीं की जा सकती। मौलाना ने अखिलेश यादव पर सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह कुंभ मेले के बहाने से सनातन पर चोट कर रहे हैं।

मौलाना ने सुझाव दिया कि भारत सरकार सनातन धर्म के हितों की रक्षा और गरीब, कमजोर तथा लाचार लोगों की स्थिति सुधारने के लिए सनातन बोर्ड का गठन करे। उन्होंने कहा कि जैसे वक्फ बोर्ड और राष्ट्रीय वक्फ काउंसिल का गठन हुआ है, उसी तर्ज पर यह बोर्ड भी बनाया जाए। वक्फ बोर्ड के गठन के पीछे भी यही सोच थी कि समाज के वंचित तबकों को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से मजबूत किया जाए।

प्रयागराज महाकुंभ

12 हजार शंख से गूंजेगा महाकुंभ

विश्व शांति के लिए जलेंगे 27 लाख दीप

महाकुंभनगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।
इस बार के महाकुंभ में संत समाज भी इसकी दिव्यता बढ़ाने के लिए अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा से पूरे क्षेत्र को अभिसिंचित कर रहे हैं। प्रयागराज महाकुंभ जहां शंख ध्वनियों से गूंजेगा, वहीं दीपोत्सव का साक्षी भी बनेगा।

श्री त्रिदंडी स्वामी महाराज के शिष्य श्री जियर स्वामी का सेक्टर–8 में लगा शिविर 27 लाख दीपों से सजेगा,वहीं विश्व शांति के लिए 12 हजार, 500 शंख ध्वनियों से गूंजेगा भी। इसके लिए तैयारियों जोरों पर हैं। इस शिविर में 10 फरवरी को सायं–4 बजे श्रद्धालु 27 लाख दीप जलाकर मां गगा की आरती उतारेंगे तो 11 फरवरी को सायं–5 बजे बटुक एवं 12 हजार, 500 भक्त एक साथ शंख ध्वनि कर गंगा मईया से विश्व शांति कल्याण के लिए कामना करेंगे। यह जानकारी जीयर स्वामी के मीडिया प्रमुख अखिलेश बाबा ने बताई।

उन्होंने बताया कि दीपोत्सव व शंख ध्वनि के लिए तैयारियां अंतिम चरण में है। दीपोत्सव के लिए दीप एवं शुद्ध देशी घी शिविर में पहुंच चुका है। शंख ध्वनि के लिए 12 हजार, 500 शंख भी मंगा लिए गए हैं। उन्होंने

बताया कि स्वामी जीयर जी महाराज के शिविर में जो श्रद्धालु आ रहे हैं, उन्हें ठहरने एवं शुद्ध घी से बने प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। शिविर में हो रही रामकथा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना हुआ है।

स्वामी श्रीजीयर जी महाराज ने हिन्दुस्थान समाचार से महाकुंभ में स्नान का माहात्म्य बताते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ मोक्ष देने का द्वार है। इस महाकुंभ में जो संगम पर स्नान कर लिया समझे उसका जीवन धन्य हो गया। जिसका बहुत बड़ा सौभाग्य होगा वह इस महाकुंभ में अमृत स्नान में हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि पूरे ब्रह्मांड में सबसे ज्यादा महत्व सत्संग का है। जिस पर भगवत कृपा होती है उसी को सत्संग करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। किसी के भी जीवन में अगर सच्चे संत का दर्शन हो जाए तो पूरा जीवन सफल माना जाता है। जो सात जन्मों में मिलना संभव नहीं है वह एक सच्चे संत के दर्शन मात्र से संभव हो सकता है इस कलिकाल में संत दर्शन का बहुत ही बड़ा महत्व है।

तेलंगाना सरकार ने किडनी रैकेट मामला सीआईडी को सौंपा

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद के बाहरी इलाके सरूरनगर में एक निजी अस्पताल में उजागर हुए किडनी रैकेट की जांच अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपने का फैसला किया है। यह फैसला 21 जनवरी को रंगारेड्डी जिले के अलकनंदा अस्पताल में सफल छापेमारी के बाद लिया गया है , जहां किडनी तस्करी के एक बड़े मामले का पर्दाफाश हुआ था।

शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने मामले को आगे की जांच के लिए सीआईडी को सौंपने के आधिकारिक आदेश जारी किए। यह कदम राचकोंडा पुलिस द्वारा रैकेट से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार करने के बाद उठाया गया है , और कई राज्यों में अतिरिक्त संदिग्धों का पता लगाने के लिए कई विशेष टीमें बनाई गई हैं।

अधिकारियों ने 21 जनवरी को अलकनंदा अस्पताल पर छापा मारा , वहां हो रही अवैध गतिविधियों के बारे में एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई की। निरीक्षण करने पर, पुलिस ने पाया कि अस्पताल उचित प्राधिकरण के बिना चल रहा था और इसे सील कर दिया। छापे के दौरान, अस्पताल में चार व्यक्ति पाए गए, जिनमें दो किडनी दानकर्ता और दो प्राप्तकर्ता शामिल थे, सभी कर्नाटक और तमिलनाडु से थे ।

मिल्कीपुर में चुनावी जनसभा में बोले सीएम योगी

माफिया और डकैतों को बड़े पद देती थी सपा, हम उन्हें जहन्नुम भेजते हैं

अयोध्या, 24 जनवरी (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के मिल्कीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा माफियाओं और डकैतों को ऊंचे पदों पर बैठाती थी, लेकिन भाजपा की सरकार ऐसे तत्वों को जहन्नुम पहुंचाने का काम कर रही है। सीएम योगी ने यह भी कहा कि एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं दूसरी तरफ सपा के लोग दुष्प्रचार कर आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इन लोगों ने एक साल पहले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भी विरोध किया था। ये वही सपा के लोग हैं जिन्होंने सरयू के जल को रामभक्तों के खून से लाल कर दिया था। ये परिवारवादी लोग जातिवाद के नाम पर समाज को तोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में परिवारवाद नहीं विकासवाद और राष्ट्रवाद है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भाजपा की सरकार में कानून का राज स्थापित हुआ है। लोग सुरक्षित महसूस करते हैं। व्यापारी सुरक्षित महसूस करते हैं। सपा की सरकार में बेटियां सड़क पर नहीं निकल सकती थीं। व्यापारियों को लूट लिया जाता था। लोगों की सम्पत्ति पर भूमाफिया कब्जा कर लेते थे और जो जितना बड़ा डकैत उसे उतना बड़ा ओहदा दिया जाता था पर अब माफियाओं को जहन्नुम भेजा जा रहा है। अयोध्या का विकास हो रहा है। आज अयोध्या के लोग दुनिया में कहीं पर भी जाते हैं तो उनका सम्मान किया जाता है। सपा की सरकार में राम की पैड़ी पर जल सड़ता रहता था पर अब लाखों लोग आकर वहां पर डुबकी लगा रहे हैं। अयोध्या को पुराना गौरव प्राप्त हो रहा है। अधिसूचना जारी होने के बाद योगी की विधानसभा क्षेत्र में यह पहली सभा थी।

जनसभा में प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, चिकित्सा राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, आयुष राज्य मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा, खेल राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और एमएलसी धर्मेंद्र सिंह मौजूद थे।

प्रीमियम लिस्टिंग के बावजूद लोअर सर्किट पर पहुंचे ईएमए पार्टनर्स के शेयर

नई दिल्ल,24 जनवरी (एजेंसियां)।

एग्जीक्यूटिव सर्च कंपनी ईएमए पार्टनर्स के शेयरों की स्टॉक मार्केट में 26.21 प्रतिशत प्रीमियम के साथ एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 124 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 156.50 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये उछल कर 158.80 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये गोता लगा कर 148.70 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। लोअर सर्किट लगने के बावजूद प्रीमियम ओपनिंग के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 19.92 प्रतिशत के फायदे में हैं।

ईएमए पार्टनर्स लिमिटेड का 76.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 21 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 221.06 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 147.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 444.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 167.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 66.14 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 7.96 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी सब्सिडियरी में लीडरशिप टीम को बढ़ाने, अपने आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने, पुराने कर्ज को चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है।

वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 3.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद 2023-24 में शुद्ध लाभ में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई और लाभ का ये आंकड़ा 38.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई 2024 के बीच कंपनी को 4.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 26.33 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमन को...

अगस्त 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने और आवामी लीग सरकार के गिरने के बाद से ही बांग्लादेश में उथल-पुथल का माहौल है। हालांकि, इस बीच देश में मोहम्मद यूनुस को अमेरिका से लाकर अंतरिम सरकार के मुखिया के पद पर बिठाया गया। लेकिन यूनुस ने बांग्लादेश आते ही कट्टरपंथी इस्लामिक एजेंडे पर काम शुरू कर दिया। इसी कुचक्र में यूनुस ने बांग्लादेश को पाकिस्तान की गोद में बिठाना शुरू कर दिया। यूनुस पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मिले और दोनों मौसेरे भाइयों ने रिश्ता बनाए रखने की कसमें खाईं। 2024 के आखिर में यूनुस-शहबाज मिस्र के काहिरा में भी मिले और 1971 के पहले और बाद के सभी गिले-शिकवे भुलाने का वादा किया। विडंबना यह है कि मोहम्मद यूनुस उस पाकिस्तान की गोद में जा बैठे, जिसने 1971 में बांग्लाभाषी मुसलमानों और हिंदुओं का नरसंहार किया, उनकी औरतों की इज्जत लूटी और भीषण लूट मचाई थी।मोहम्मद यूनुस ने आते ही व्यापार के क्षेत्र में पाकिस्तान को तवज्जो दी। पाकिस्तानियों के लिए वीजा और सुरक्षा जांचें सब खत्म कर दीं। इसके बाद ही बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तान के कराची से आए एक पोत ने लंगर डाल दिया। बताया गया कि पनामा के झंडे वाले शिप एमवी युआन शांग फा झान खनिज पदार्थ लेकर बांग्लादेश आया था, लेकिन खुफिया एजेंसियां कहती हैं कि इस जहाज में आधुनिक हथियार, गोला-बारूद, आरडीएक्स जैसे विस्फोटक पदार्थ और अन्य घातक उपकरण वगैरह लदे थे। यह सिलसिला लगातार जारी है। अब तो दोनों देशों ने वीजा प्रक्रिया को बेहद आसान करके सीधी उड़ानें शुरू करने का भी फैसला लिया है। वर्ष 2018 के बाद से पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं थी।बांग्लादेश और पाकिस्तान के कितने करीब आ रहे हैं, इसका अंदाजा दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य रिश्तों से भी लगाया जा सकता है। हाल ही में बांग्लादेशी सेना में लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमरुल हसन छह सदस्यीय सैन्य प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान पहुंचे थे। यहां उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से मुलाकात की थी। हसन ने अपने पाकिस्तान दौर पर कई और पाकिस्तानी सैन्य अफसरों से मुलाकात की थी। तब पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने दोनों देशों के रिश्ते को भाईचारे वाला करार दिया था। इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने बैठक में अपनी सेनाओं के बीच रिश्ते मजबूत करने के साथ अपनी साझेदारी को बाहरी दखल से बचाने की भी बात कही थी।

इस मुलाकात के बाद इसी हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख असीम मलिक ढाका पहुंच गए। उनके इस दौरे को पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच सैन्य जुड़ाव को तेज करने की कोशिशों के तौर पर देखा जा रहा है। असीम मलिक के साथ इस सैन्य मंडल में आईएसआई के चार और अधिकारी शामिल रहे। इनमें आईएसआई के विश्लेषक महानिदेशक मेजर जनरल शाहिद आमिर अफसर भी शामिल रहे, जो चीन में पाकिस्तान के डिफेंस अटाशे के तौर पर काम कर चुके हैं। यह सैन्य प्रतिनिधिमंडल चार दिन के दौरे पर बांग्लादेश पहुंचा।

बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह के जरिए पाकिस्तान अपनी शैतानी गतिविधियां बढ़ा रहा है। शेख हसीना के शासन के दौरान यहां से भारत विरोधी गतिविधियों के होने की संभावना न के बराबर रही हैं। भारत का निगरानी तंत्र भी इस बंदरगाह पर लगातार नजर रखता था। दोनों सरकारों की चौकसी के कारण ही वर्ष 2004 में भारतीय अधिकारियों ने चीनी हथियारों से भरा एक शिपमेंट पकड़ा था, जिसे पाकिस्तान की आईएसआई ने भारत के पूर्वोत्तर में प्रतिबंधित किए गए यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के लिए भेजने की कोशिश की थी। पाकिस्तान ने 1990 और 2000 के दौर में बांग्लादेश से अपने व्यापार का बहाना करते हुए भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बड़ी संख्या में हथियार भेजे। तब भारत ने शेख हसीना की मदद से पाकिस्तान के तनाव फैलाने के इरादों पर लगाम लगा दी थी।

समुद्री मार्ग से पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच व्यापार के बहाने भारत के पूर्वोत्तर में विद्रोही संगठनों की मदद की कोशिशें शुरू हो चुकी हैं। खासकर बांग्लादेश की तरफ से इन शिपमेंट्स की जांच न होने के बाद यह खतरा काफी बढ़ गया है। अब बांग्लादेश और पाकिस्तान मिलकर भारत के खिलाफ इस्लामिक चरमपंथ को बढ़ावा देने की हरकतें कर रहे हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच बढ़ते कट्टरपंथी इस्लामिक रिश्तों के चलते भारत की सुरक्षा चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। इसके अलावा दक्षिण एशिया में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों को लेकर भी भारत में चिंता जताई जा रही है। बांग्लादेश में पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा प्रक्रिया आसान होने से बांग्लादेश में कई ऐसे तत्व भी पहुंच रहे हैं जो भारत-विरोधी हितों के लिए काम कर रहे हैं।

दुर्गा माता मंदिर ...

अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि मंदिर के भीतर सब कुछ जला हुआ था। वहीं पास के शीतला मंदिर में मूर्ति को जलाने के लिए पुआल का इस्तेमाल किया गया था। प्रमोथ ने तुरंत गांव के अन्य लोगों को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह केवल मंदिर नहीं, हमारी आस्था और संस्कृति का प्रतीक है। यह देखकर दिल टूट गया। काशियानी पुलिस थाने के प्रभारी मोहम्मद शफीउद्दीन खान ने कहा कि पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है, लेकिन अब तक न तो किसी ने शिकायत दर्ज कराई है और न ही आरोपियों की पहचान हो सकी है।इस बीच, बांग्लादेश सरकार ने इन घटनाओं को धार्मिक हिंसा मानने से भी इन्कार कर दिया। गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी ने ढाका में अमेरिकी चार्ज डीअफेयर्स ट्रेसी ऐनी जैकब्सन से मुलाकात के दौरान दावा किया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर कोई अत्याचार नहीं हो रहा। उन्होंने कहा, हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यक शब्द का इस्तेमाल नहीं करते। यहां सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हैं। जो कुछ भी हो रहा है, वह धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक कारणों से हो रहा है। भारतीय मीडिया झूठ फैला रहा है कि अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं।

वक्फ विधेयक में...

विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को जल्द स्वीकार करने पर जोर दे रही है। बैठक के दौरान तीखी बहस के कारण कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। मीरवाइज के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल समिति की बैठक फिर से शुरू होने के बाद उसके सामने पेश हुआ।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन बैठक से बाहर निकल आए। उन्होंने कहा कि समिति की कार्यवाही तमाशा बन गई है। उन्होंने मांग की कि प्रस्तावित संशोधनों पर खंडवार विचार करने के लिए 27 जनवरी को होने वाली बैठक को 30 जनवरी या 31 जनवरी तक के लिए टाल दिया जाए। निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों की आलोचना करते हुए कहा कि उनका आचरण संसदीय परंपरा के खिलाफ है और वे बहुमत की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

समिति के समक्ष पेश होने से पहले मीरवाइज ने कहा कि वह वक्फ संशोधन विधेयक का कड़ा विरोध करते हैं और धर्म के मामलों में सरकार के हस्तक्षेप नहीं करने का समर्थन करते हैं। हमें उम्मीद है कि हमारे सुझावों को सुना जाएगा और उन पर अमल किया जाएगा। ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाए, जो मुसलमानों को बसहज महसूस कराए। यह पहली बार है, जब लगभग निष्क्रिय हो चुके अलगाववादी समूह हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के प्रमुख मीरवाइज ने पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद कश्मीर घाटी से बाहर कदम रखा है।

कल्याण बनर्जी ने कहा कि बैठक में अघोषित आपातकाल जैसा माहौल चल रहा है। सभापति इस बैठक को आगे बढ़ा रहे हैं और वह किसी की नहीं सुन रहे हैं। हमें बताया गया था कि 24 और 25 जनवरी को बैठक होगी। अब आज की बैठक के लिए एजेंडे को खंड दर खंड चर्चा से बदल दिया गया है।

निशिकांत दुबे ने कहा कि विपक्ष के लोगों खासकर ओवैसी की सोच है कि हमने जम्मू-कश्मीर का पूरा प्रतिनिधित्व नहीं सुना और मीरवाइज उमर फारूक को बुलाया। उन्हें सुनने के लिए ही जेपीसी अध्यक्ष ने बैठक स्थगित कर दी और खंडवार चर्चा की। आज विपक्ष की सोच और नजरिया उजागर हो गया है। उन्होंने मीरवाइज के सामने हंगामा किया और बदसलूकी की। यह संसदीय लोकतंत्र के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अगर आज और कल खंडवार चर्चा के लिए बैठक होती भी तो 27 जनवरी या 28 जनवरी को एक और बैठक होती। 27 जनवरी के लिए पहले से ही बैठक तय थी। विपक्ष बहुमत की आवाज को दबाना चाहता है। ज्यादातर सदस्यों ने 27 जनवरी को बैठक करने का सुझाव दिया है। 29 जनवरी को हम अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपेंगे। जब भी मैंने जेपीसी में बोलने के लिए माइक लिया है, विपक्ष ने हमेशा मेरी आवाज को दबाने की कोशिश की है।निलंबन के बाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि जेपीसी किसी तानाशाही प्रवृत्ति से चल रही है, किस तरह की जल्दी है, यह मैं समझ नहीं पा रहा हूं। यह एक महत्वपूर्ण विधेयक है, जो देश में अराजकता पैदा कर सकता है, लेकिन इसे उस तरह से नहीं निपटा जा रहा है। कहा गया था कि खंड-दर-खंड चर्चा होगी, लेकिन आज जम्मू-कश्मीर से लोग आए और उस खंड-दर-खंड चर्चा को 27 जनवरी के लिए स्थगित कर दिया गया। मामले में डीएमके सांसद ए राजा ने कहा कि इस महीने की 18, 19 और 20 तारीख को जेपीसी दौरे पर थी। दौरे का आखिरी सत्र 21 तारीख को पूरा हुआ। बैठक के दौरान सचिवालय से सूचना मिली कि 24 तारीख को बैठक होगी। हमने तुरंत चेयरमैन के सामने विरोध किया। 21 तारीख को हम दौरे पर थे। हम उसी रात चले जाने वाले हैं। हमें 24 तारीख को कैसे बुलाया जा सकता है? क्योंकि हमें अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वापस जाना था। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे विचार करेंगे। 21 जनवरी को हमें एक और नोटिस मिला, जिसमें सभी सदस्यों से 48 घंटे के भीतर अपने संशोधन देने का अनुरोध किया गया था। हम सभी ने तुरंत संशोधन रखे और वे 24 तारीख को इस पर चर्चा करना चाहते थे, लेकिन कल रात 11:40 बजे हमें संदेश मिला कि एजेंडा बदल दिया गया है।वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर टीएमसी सांसद और जेपीसी के सदस्य कल्याण बनर्जी को आज के लिए निलंबित किए जाने पर भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा, यह पहली बार नहीं है कि वे (टीएमसी नेता) भ्रम पैदा करने के लिए बैठक की कार्यवाही को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं, उनकी पार्टी किस तरह का संदेश देना चाहती है? टीएमसी का रुख कभी तय नहीं होता। वे एक खास समुदाय को संदेश देना चाहते हैं।

पीएम के...

इन सभी भूभाग के स्थलीय निरीक्षण में उसकी वर्तमान स्थिति भी देखी गई कि वहां मस्जिद, कब्रिस्तान, मजार है या आबादी है।

वक्फ बोर्ड के रजिस्टर में कुल 406 सम्पत्ति ऐसी दर्ज हैं, जो राज्य सरकार की सम्पत्ति है। इसमें बंजर जमीन, आबादी की जमीन, तालाब, खेत, चारागाह की जमीन भी हैं। वर्ष 1359 के खसरा खतौनी के आधार पर नगर निगम और तहसील प्रशासन ने सर्वे कराया। इस दौरान जानकारी सामने आई कि राजस्व विभाग के खसरा खतौनी में ये सम्पत्तियां अपने मूल नाम से ही हैं। खास बात यह है कि किसी भी सम्पत्ति पर वक्फ बोर्ड ने अपना नाम नहीं चढ़वाया है। ऐसे में इन सभी सम्पत्तियों को रजिस्टर से खारिज कराने के लिए प्रशासन की ओर से लखनऊ वक्फ बोर्ड को पत्र भेजा जाएगा।जिले में वक्फ बोर्ड के नाम पर 1637 सम्पत्ति उनके रजिस्टर में दर्ज हैं। इसमें 1537 सुन्नी वक्फ बोर्ड और 100 शिया बोर्ड के नाम पर है। पिछली सरकारों के उदासीनता के चलते सरकारी जमीन को भी शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपनी सम्पत्ति घोषित कर दिया। वाराणसी जिले में कुल 1637 वक्फ सम्पत्तियों में से सर्वे रिपोर्ट के अनुसार 406 सरकारी सम्पति है। खास बात यह है कि वाराणसी कलेक्ट्रेट स्थित मजार राजस्व परिषद की भूमि पर है। एडीएम वंदिता श्रीवास्तव के अनुसार शासन से आदेश मिलते ही कार्रवाई की जाएगी।

खालिस्तान जिंदाबाद ...

ऐसे में शक और भी गहरा हो गया है। इनसे पूछताछ के लिए नोटिस भेजे जा रहे हैं। दावा है कि एटीएस वाराणसी से 10 लोगों को हिरासत में ले चुकी है। इनसे पूछताछ चल रही है। संदिग्धों से पूछताछ के लिए सवालों की एक लिस्ट तैयार की गई है। इसमें उनकी महाकुंभ में आस्था से लेकर घटनास्थल के वीडियो फोटो से जुड़े सवाल तक हैं।

वाराणसी में कांग्रेस नेता शाहिद से भी पूछताछ हुई है। उन्हीं लोगों से मुख्य तौर पर पूछताछ हो रही है जिन्होंने घटना के दिन महाकुंभ को सोशल मीडिया पर दिखाया था और लोकेशन भी साझा की थी। इनमें से शक उन पर अधिक है जिन्होंने बाद में फोटो वीडियो डिलीट किए। इस मामले में दूसरे प्रदेशों की पुलिस को भी अलर्ट भेज दिया गया है। जिनसे पूछताछ हुई है, उन्हें शहर ना छोड़ने को कहा गया है। धमकी में फतेह सिंह बागी का नाम भी लिखा है। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि यह वही बागी है जिसका हाल ही में गुरदासपुर हमले में नाम आया था। वह ब्रिटिश आर्मी का एक सैनिक रहा है और आतंकियों का हैंडलर है।

महाकुंभ शुरू होने से पहले खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने भी हमला करने की बात कही थी। उसने भी पीलीभीत एनकाउंटर को फेक बताया था और बदला लेने की बात कही थी। इसको लेकर उसने वीडियो जारी किए थे। 19 जनवरी को महाकुंभ के सेक्टर 19 में लगी थी। इसमें कई टेंट जल गए थे। आग पर कुछ ही मिनटों के भीतर काबू पा लिया गया था। इसका कारण एक खाना बनाने वाले सिलेंडर का फटना बताया गया था। आग में किसी की जान नहीं गई थी।

आयुध फैक्टरी में...

विस्फोट हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोग घायल हैं। गडकरी ने जान गंवाने वालों को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा घटना के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। बचाव दल घटनास्थल पर तैनात हैं। प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि घटनास्थल पर जीवित बचे लोगों के लिए बचाव और चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं।इससे पहले जिलाधिकारी संजय कोल्टे ने बताया कि विस्फोट सुबह करीब साढ़े 10 बजे आयुध के परिसर में हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्टरी के एलटीपी सेक्शन में हुआ। विस्फोट के समय एलटीपी सेक्शन में 14-15 कर्मचारी काम कर रहे थे, जिनमें से तीन को बचा लिया गया और एक की मौत हो गई। अग्निशमन दल और एंबुलेंस को मौके पर भेज दिया गया है। छत ढह गई है, जिसे जेसीबी की मदद से हटाया जा रहा है।हादसे की खबर आते ही फडणवीस ने दुख जताया। उन्होंने कहा, भंडरा जिले में आयुध फैक्टरी में हुए विस्फोट में छत गिरने से 13 से 14 श्रमिकों के फंसने की खबर है। अब तक मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्भाग्य से एक श्रमिक की मौत हो गई है। कई श्रमिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक मौके पर हैं और हर तरह की मदद मुहैया कराई जा रही है। बचाव अभियान के लिए एसडीआरएफ और नागपुर नगर निगम की टीमों को भी बुलाया गया है और वे जल्द ही पहुंच जाएंगी। जिला प्रशासन रक्षा बलों के साथ समन्वय में बचाव अभियान में शामिल है। चिकित्सा सहायता के लिए भी टीमों को तैयार रखा गया है। मैं इस घटना में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

कुख्यात कमांडरों...

ये सभी 25-25 लाख रुपए के इनामी नक्सली थे। बीते 4 अक्टूबर 2024 को थुलथुली में हुई सबसे बड़ी मुठभेड़ में एक साथ 38 नक्सली मारे गए थे। इन दस मुठभेड़ में छोटे-बड़े कैडर के 171 नक्सली मारे गए। इस तरह इन 13 महीनों में कुल 240 नक्सली मारे जा चुके हैं। इसमें कई बड़े कैडर्स के नक्सली भी शामिल हैं।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का दावा है कि पूरे देश से 31 मार्च 2026 तक बस्तर से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के नक्सलवाद के खात्मे के लिए तय किए गए लक्ष्य को प्राप्त करने में केंद्र की सरकार एवं राज्य के सरकारों के बीच योजनाबद्ध तरीके से सटीक रणनीति का क्रियान्वयन शुरू है। सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान में उनके गढ़ में ही घेरने की नई बदली हुई रणनीति में जिलों के साथ ही अब 2 राज्यों की सीमा पर भी अपनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सफलता का सबसे बड़ा कारण संयुक्त अभियान है।

इसे इस तरह समझा जा सकता है कि पुलिस को अगर सूचना मिलती है कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा सीमा पर किसी इलाके में नक्सलियों का जमावड़ा है तो तीनों जिलों की फोर्स को अभियान पर रवाना किया जा रहा है। बीजापुर की टीम के साथ मुठभेड़ होती है और नक्सली दंतेवाड़ा की तरफ भागते हैं तो यहां दंतेवाड़ा की फोर्स घेरकर मार रही है। ऐसे ही सुकमा की तरफ भागते हैं तो सुकमा में मोर्चा संभालकर बैठे जवान उनको मुठभेड़ में ढेर कर रहे हैं। यह रणनीति छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और ओड़ीशा की सीमा पर भी अपनाई जा रही है। सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान से नक्सलियों को बार-बार एक जगह से दूसरे ठिकाने के लिए भागना पड़ रहा है, इससे सुरक्षाबलों को नक्सलियों के ठिकाने आसानी से मिल रहे हैं।उल्लेखनीय है कि दंतेवाड़ा जिले से नक्सलियों का लगभग सफाया हो गया है। यहां दरभा डिवीजन, कटेकल्याण एरिया कमेटी, मलांगेर और इंद्रावती एरिया कमेटी के नक्सली सक्रिय थे। यहां डीवीसीएम (डिवीजनल कमेटी मेंबर), एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) जैसे बड़े कैडर्स के कई नक्सली मुठभेड़ में मारे गए, तो कइयों ने आत्मसमर्पण कर दिया। वर्तमान में यहां नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम और मिलिशिया कैडर के नक्सलियों की सक्रियता थोड़ी बहुत दिखती रहती है। वहीं बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर में आज भी जवानों के लिए नक्सली चुनौती बने हुए हैं। इन इलाकों में नए कैंप भी स्थापित किए गए हैं।

इन जिलों से ओड़ीशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना की सीमा लगती है।अबूझमाड़ और पामेड़ का इलाका नक्सलियों के सबसे सुरक्षित पनाहगाह के रूप में जाना जाता था। लेकिन, वर्ष 2024 में जवानों ने इन इलाकों में भी दस्तक दी और नक्सलियों को मार गिराया। अब भी पोलित ब्यूरो, सेंट्रल कमेटी के नक्सलियों की यहां मौजूदगी है। वहीं बस्तर और कोंडागांव जिले में नक्सली गतिविधियां एवं नक्सल घटनाएं न के बराबर हो गई है। जबकि कांकेर में नक्सलियों की गतिविधियां देखने को मिलती है। कुछ महीने पहले कांकेर के छोटे बेठिया इलाके में नक्सलियों के गढ़ में घुसकर जवानों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर में लगातार हो रहे मुठभेड़ों के कारण बड़े नक्सली लीडर्स छिपने के लिए अपना नया ठिकाना ढूंढ रहे हैं। ऐसी जानकारी है कि पामेड़ एरिया में सक्रिय नक्सली अबूझमाड़ में छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा की ओर चले गए हैं, जबकि अबूझमाड़ के कुछ बड़े नक्सली लीडर्स गरियाबंद और ओड़ीशा में अपना नया ठिकाना बना रहे हैं।बस्तर आईजी सुंदरराज पी. का कहना है कि बस्तर से काफी हद तक नक्सली बैकफुट पर हैं। नक्सलियों के कोर इलाके तक पुलिस फोर्स पहुंच चुकी है। तेलंगाना, ओड़ीशा के बड़े कैडर्स भी मुठभेड़ में मारे गए हैं, जो सुरक्षाबलों के लिए बड़ी सफलता है। साथ ही नक्सलियों के अंदरूनी आधार वाले इलाकों में सुरक्षाबलों के नए-नए कैंप भी स्थापित किए गए हैं, जिससे नक्सली बैकफुट पर हैं। बस्तर में पिछले 13 महीनों में फोर्स ने लगभग 240 से अधिक नक्सली मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं, इसमें कई बड़े कैडर्स के नक्सली भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नक्सलियों की कंपनी नंबर 6 का लगभग सफाया हो गया है।

तुर्की नहीं, भारत...

इससे पता चलता है कि कोई वस्तु कितनी पुरानी थी। एंटिक्विटी ऑफ आयरन : रीसेंट रेडियोमेट्रिक डेट्स फ्रॉम तमिलनाडु नाम से जारी की गई इस रिपोर्ट में इस पूरी खुदाई और जांच तथा क्या-क्या मिला इसकी जानकारी दी गई है। सिवागालाई में मिली वस्तुओं की जांच केवल एक ही जगह नहीं हुई। बल्कि इसे लखनऊ स्थित बीरबल साहनी पुरा विज्ञान लैब, फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी अहमदाबाद और अमेरिका स्थित बीटा लैब्स में टेस्ट करवाया गया। तीनों ने ही साफ किया कि तमिलनाडु में मिले लोहे के औजार 5000 साल से अधिक पुराने हैं। अब तक माना जाता रहा है कि तुर्की और सीरिया के इलाकों में गलाए हुए लोहे का सबसे पहले उपयोग हुआ। तुर्की में लगभग 3700-4000 वर्ष पहले रहने वाले हित्तित लोगों को लोहा उपयोग करने का श्रेय दिया जाता रहा है। इन इलाकों में खुदाई से लोहे के तीर-तलवार आदि मिले हैं।

तमिलनाडु में मिले लोहे के सामान और अलग-अलग लैब से उनके 5000 साल से अधिक पुराने होने की पुष्टि के बाद अब तुर्की का दावा पलट गया है। भारतीय पुरातत्व विशेषज्ञों ने भी इसे बड़ी खोज करार दिया है। पुरातत्व विशेषज्ञ दिलीप चक्रबर्ती ने इसे दुनिया के लिए बड़ी खोज बताया है। दिलीप कुमार ने कहा, दुनिया में पहली बार, गले लोहे का इतिहास 3 हजार साल पहले का पाया गया है। यह ना केवल भारत के इतिहास में, बल्कि विश्व के पुरातत्व के संदर्भ में भी एक महत्वपूर्ण खोज है। आर्केयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के पूर्व मुखिया राकेश तिवारी ने कहा है कि भारतीय पुरातत्व के मामले में एक नया मोड़ है। उन्होंने कहा कि अब तक भारत में लोहे का उपयोग ज्यादा से ज्यादा 1500 ईसा पूर्व में माना गया है। यह साबित करने के लिए आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में मिली वस्तुओं की जांच भी हुई है। उन्होंने कहा कि अब नई खोज से यह 3000 साल पहले पहुंच गया है, जो कि एकदम अविश्वसनीय है।गौरतलब है कि अब तक यह दावा होता रहा है कि भारत के लोगों का लोहे से परिचय तुर्की के लोगों ने करवाया। इस खोज के बाद यह दावा कमजोर पड़ गया है। उल्टे इस बात की अधिक संभावना है कि भारत से ही लोहा तुर्की या बाकी विश्व के इलाकों में पहुंचा हो।तमिलनाडु में लौह युग के बारे में नई जानकारी देने वाली रिपोर्ट से भारत के इतिहास के विषय में और भी बातें सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब उत्तर भारत में सिन्धु घाटी सभ्यता में तांबे का उपयोग हो रहा था, लगभग उसी समय तमिलनाडु में लोहे का उपयोग हो रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है, जब विंध्य के उत्तर (उत्तर भारत) में स्थित इलाकों में ने ताम्र युग चल रहा था, तो विंध्य के दक्षिण का क्षेत्र (विंध्य भारत) कामकाज में लाए जाने वाले तांबे की कमी के चलते लौह युग में प्रवेश कर गया होगा।रिपोर्ट लिखने वाले के राजन ने कहा, रेडियोकार्बन डेटिंग दर्शाती है कि जब सिंधु घाटी में ताम्र युग था, तब दक्षिण भारत लौह युग में था। इस अर्थ में, दक्षिण भारत का लौह युग और सिंधु का ताम्र युग एक ही समय में चल रहे थे। उन्होंने कहा, अब, हमने पाया है कि शिवगलाई और आदिचनल्लूर से मिले लोहे के औजार 2,500-3,000 ईसा पूर्व के हैं। आगे न केवल तमिलनाडु में बल्कि देश भर में अन्य स्थानों पर और अधिक स्थलों की खोज और खुदाई होनी चाहिए, ताकि अब तक जो कुछ भी हमने प्राप्त किया है, उसे और मजबूत किया जा सके।तमिलनाडु के पुरातत्व विभाग के मुखिया उदयचंद्रन ने कहा, अन्य धातुओं की तुलना में, लोहे को गलाने के लिए आपको 1,200 से 1,400 डिग्री सेल्सियस तक के उच्च तापमान की आवश्यकता होती है। इसके लिए बेहतर तकनीक चाहिए होती है। यह दर्शाता है कि तमिल लोगों ने 5,300 साल पहले भी इस कौशल में महारत हासिल कर ली थी।

अमूल ने एक लीटर ...

जरूरी खाद्य पदार्थ होने के कारण दूध की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर आम लोगों पर पड़ता है।नई कीमतों की घोषणा के बाद 66 रुपए प्रति लीटर के भाव पर बिकले वाला अमूल गोल्ड 65 रुपए में उपलब्ध होगा। वहीं, अमूल ताजा की कीमत 54 रुपए से घटकर 53 रह जाएगी। जबकि, अमूल टी स्पेशल दूध के एक लीटर के पैक की कीमत 62 रुपए से एक रुपए कम होकर 61 रुपए हो जाएगी।

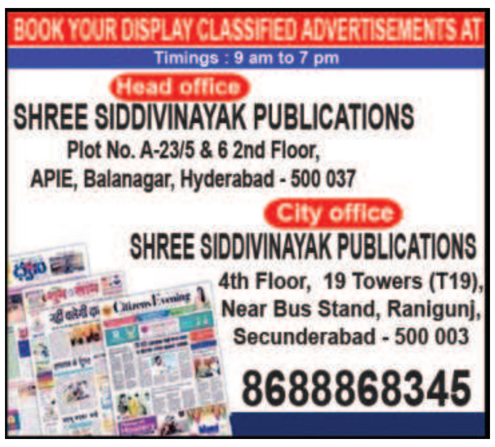

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद,शनिवार, 25 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

बीईई और टेरी ने हैदराबाद में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), विद्युत मंत्रालय और ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी) ने ऊर्जा परिवर्तन के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओईईटी) की संयुक्त स्थापना के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। सीओईईटी को टेरी के हैदराबाद स्थित ऊर्जा परिवर्तन संस्थान (आईओईटी) परिसर में स्थापित किया जाएगा।एमओयू पर हस्ताक्षर कार्यक्रम हैदराबाद में हुआ, जिसमें केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्युत मंत्रालय, बीईई, टेरी और तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

यह सहयोग भारत के ऊर्जा परिवर्तन प्रयासों को आगे बढ़ाने और सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऊर्जा परिवर्तन के लिए उत्कृष्टता केंद्र की परिकल्पना एक विश्व स्तरीय ज्ञान केंद्र के रूप में की गई है, जिसे ऊर्जा परिवर्तन प्रौद्योगिकियों और नीतियों में अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।कॉरपोरेट्स, उद्योगों और शिक्षाविदों के बीच सहयोग पर आधारित इसकी नींव के साथ, केंद्र प्रौद्योगिकी विकास, मूल्यांकन और अपनाने में अभूतपूर्व प्रगति की सुविधा प्रदान करेगा।राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देकर, केंद्र का उद्देश्य ऊर्जा संक्रमण चुनौतियों का समाधान करने और वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के साथ संरेखित समाधान विकसित करने में भारत की क्षमताओं को बढ़ाना है। सीओईटीटी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, ऊर्जा दक्षता में सुधार करने और कम कार्बन प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक शोध और अध्ययन करेगा। इसके दायरे में उद्योगों, एमएसएमई, इमारतों, परिवहन, बिजली और खनन क्षेत्रों में उत्सर्जन में कमी के लिए अभिनव समाधान तलाशना शामिल होगा।केंद्र मोटर्स, एच-वीएसी सिस्टम, उन्नत बॉयलर, स्मार्ट विनिर्माण और अपशिष्ट ताप पुनर्प्राप्ति प्रणालियों जैसी ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इसके अलावा, केंद्र सर्कुलर इकोनॉमी प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रीयल-टाइम ऊर्जा निगरानी जैसी उन्नत तकनीकों को एकीकृत करते हुए बिल्डिंग कोड, ऊर्जा प्रदर्शन मानकों और उपकरण लेबलिंग के लिए नीति और नियामक सिफारिशों के निर्माण का समर्थन करेगा।

टीम अग्रवाल बिज़ कनेक्ट ने ताज कृष्णा में आयोजित निवेश और बुनियादी ढाँचा शिखर सम्मेलन 2025 के दौरान असम एडवांटेज रोड शो में भाग लिया और असम के मंत्री डॉ. रनोज पेगु से मुलाकात की। उदय गुप्ता और रिचुअल अग्रवाल ने असम और भारत के अन्य राज्यों में अग्रवाल बिज़ कनेक्ट के सदस्यों की ओर से उनसे चर्चा की, विशेष रूप से औद्योगिक श्रेणी जैसे चाय, रेशम, खाद्य, गैस, तेल, बांस, इन्फ्रा आदि।

रक्तदान शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे के 75वें जन्मदिवस पर तेलंगाना चैंबर ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट द्वारा केमिस्ट भवन, किंग कोठी हैदराबाद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त शिविर अखिल भारतीय स्तर पर राज्यों के जिलों और शहरों में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। उक्त शिविरों में लगभग 75000 यूनिट रक्त एकत्रित होने की उम्मीद है।इस अवसर पर डॉ. घीसुलाल जैन, अध्यक्ष तेलंगाना चैंबर ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स, ट्रस्टी महावीर हॉस्पिटल, कोषाध्यक्ष आनंद गौड़, ईसी सदस्य संजय कुमार जैन, गनफाउंड्री कॉर्पोरेटर डॉ. सुरेखा, मारवाडी शिक्षा समिति के सह मंत्री एवं अग्रणी चार्टर्ड अकाउंटेंट एसबी काबरा, महेश को-ऑप बैंक अध्यक्ष रमेश बंग, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, महिला नवजीवन मंडल अध्यक्ष मीना मुथा, श्री जैन सेवा संघ महिला विभाग की पूर्व अध्यक्ष अलका चौधरी, शांति गुरुदेव मंदिर के ट्रस्टी अभय चौधरी, एपीआईएस के अध्यक्ष पदम कोठारी, सचिव जयेश शाह, नरेश जैन, कंवरलाल चोपड़ा, इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन के चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्वाति राठौड़ और अन्य उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को स्व. श्रीमती देवीबाई पटवारी (श्री महावीरप्रसाद परिवार) की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर महेश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, भगतराम गोयल ई. जगन (चंपापेट), श्याम सुन्दर अग्रवाल, राजेश सरजी योग, रोहित अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता-उर्मिला गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

विदेश यात्रा से हैदराबाद लौटे टीपीसीसी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ का स्वागत एवं सम्मान करते हुए एलएमसी चेयरमैन प्रेम लता अग्रवाल।

शुक्रवार को राजभवन में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सपना गुप्ता को सम्मानित करते हुए राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा।

पी.वी. मुरली कृष्णा ने दमरे में पीसीएसटीई का पदभार संभाला

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पी.वी. मुरली कृष्णा ने दि. 24 जनवरी 2025 को दक्षिण मध्य रेलवे में प्रिंसिपल चीफ सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर (पीसीएसटीई) का पदभार संभाला है। वे भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएसई) के 1990 बैच के हैं। श्री कृष्णा प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), चेन्नई के पूर्व छात्र हैं, जहां से उन्होंने 1990 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। उसी वर्ष उन्हें आईआरएसएसई के लिए चुना गया था। उन्होंने प्रतिष्ठित इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद से रणनीतिक प्रबंधन में एक उन्नत पाठ्यक्रम भी पूरा किया है। उनका कैरियर दक्षिणी रेलवे से शुरू हुआ, जहां उनकी पहली नियुक्ति 1994 में जोन के बेंगलुरु डिवीजन में दावणगेरे में सहायक सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर के रूप में हुई। उन्होंने 1996 से 2007 के बीच दक्षिणी रेलवे के सिग्नल और दूरसंचार विंग में कई महत्वपूर्ण कार्यभार संभाले, ज्यादातर चेन्नई डिवीजन में। इसमें डिवीजनल सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर/यात्री आरक्षण प्रणाली, चेन्नई; सीनियर डिवीजनल सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर, चेन्नई और डिप्टी चीफ सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर, परियोजनाएं, चेन्नई शामिल हैं।

स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एम. कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने पूरे विश्व को भारत की ओर देखने के लिए प्रेरित किया। तेलंगाना नागरिक परिषद राज्य के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह के समापन समारोह के अवसर पर पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय सभागार, नामपल्ली में 162वीं जयंती के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री कुमार ने उक्त उद्गार व्यक्त किया।

कुलपति ने आगे कहा कि जीवन में अगर कुछ हासिल करना है तो वह युवावस्था में ही संभव है। युवाओं को अपनी शक्ति का पूरा उपयोग करना चाहिए और देश की एकता के लिए काम करना चाहिए। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नारायण ने कहा कि विवेकानंद एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने अपने भाषणों के माध्यम से भारत को विश्व के देशों में अच्छी पहचान और सम्मान दिलाया।तेलंगाना साहित्य अकादमी के भाषा और संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एन बालाचारी ने कहा कि युवाओं को असफलताओं के आगे झुकना नहीं चाहिए और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण और विकास परिषद के सलाहकार डॉ. लायन कोमाटिरेड्डी गोपाल रेड्डी, लायनेस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण के निदेशक डॉ. प्रेमचंद मुनोत जैन, तेलंगाना नागरिक परिषद के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज, सचिव श्रीमती एटा उदयश्री रेड्डी, डॉ. रवि तेजा, कुमारी वचना प्रिया पाटिल, बत्तुला हेमंत और अन्य ने भाग लिया और समारोह को संबोधित किया।इससे पहले स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण किया गया और ज्योति प्रज्वलित की गई। इस अवसर पर प्रो. एन. लक्ष्मण नायक, डॉ. जे. अच्युता देवी, डॉ. सारा नाहीद, श्रीमती तैयबा तासीन, डॉ. डी. सरिता, डॉ. कटकम भास्कर, एडला नारायण, ए. रामबाबू, श्रीमती सावित्री, सूबेदार मणि किशन मुदिराज, मिलिंद प्रकाशन के प्रमुख श्रुतिकांत भारती, जी. नवीन कुमार, चन्द्रशेखर चन्द्रमुखी, भद्रमणि नरेन्द्र और श्रीमती सरिता नायडू को मुख्य अतिथि प्रो. एम. कुमार ने राष्ट्रीय एकता पुरस्कार-2025 तथा शॉल माला पहनाकर सम्मानित किया।इनके अलावा मुख्य अतिथि ने श्रीमती दिव्या सल्लासिंह, डोंडाला महेश, थेलू पवन कुमार, गोगिकल बालाजी, सूर्या वंशी, इंदुगावल्ली सुरीबाबू तथा श्रीमती थेल सुधरानी को भी राष्ट्रीय युवा पुरस्कार व शॉल माला पहनाकर सम्मानित किया। इस समारोह में सरोजिनी नायडू वनिता महाविद्यालय, राज बहादुर वेंकटराम रेड्डी महिला महाविद्यालय, इंदिरा प्रियदर्शिनी शासकीय महिला महाविद्यालय, बेगमपेट शासकीय महिला महाविद्यालय, जागृति तथा बीजेआर डिग्री शासकीय महाविद्यालय की छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

दावोस यात्रा से लौटे सीएम रेवंत का हैदराबाद में भव्य स्वागत

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सिंगापुर और स्विट्ज़रलैंड के दावोस सहित दो देशों की सफल यात्रा पूरी करके हैदराबाद लौट आए हैं।शुक्रवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया गया , जहां बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और पार्टी कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक उनका स्वागत करने के लिए एकत्रित हुए।दावोस में विश्व आर्थिक मंच शिखर सम्मेलन के दौरान, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

प्रतिनिधिमंडल ने कुल 20 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिससे लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपये का निवेश सुनिश्चित हुआ ।

ये समझौते मुख्य रूप से तेलंगाना में डेटा सेंटर और पंप स्टोरेज सुविधाएं स्थापित करने पर केंद्रित हैं, जो राज्य के नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इन निवेशों से लगभग 50,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है , जिससे तेलंगाना की अर्थव्यवस्था और रोजगार परिदृश्य को काफी बढ़ावा मिलेगा। यह उपलब्धि वैश्विक निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में राज्य की स्थिति को मजबूत करती है। दावोस में तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल की गतिविधियाँ राज्य के व्यापार-अनुकूल वातावरण और उन्नत बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा देने पर केंद्रित थीं। कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल हैं:

डेटा सेंटरों पर ध्यान: कई समझौता ज्ञापनों में अत्याधुनिक डेटा सेंटरों की स्थापना, भारत में डिजिटल बुनियादी ढांचे के केंद्र के रूप में तेलंगाना की स्थिति को मजबूत करना शामिल है।

पम्प भंडारण सुविधाएं: पम्प भंडारण परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण निवेश सुनिश्चित किया गया, जो नवीकरणीय ऊर्जा विकास और ग्रिड स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं।वैश्विक नेताओं के साथ संपर्क: प्रतिनिधिमंडल ने शीर्ष स्तरीय निवेश गंतव्य के रूप में तेलंगाना की क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए वैश्विक व्यापार नेताओं, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के साथ संपर्क किया।दावोस शिखर सम्मेलन से पहले रेवंत रेड्डी और उनकी टीम, जिसमें उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू भी शामिल थे, ने सिंगापुर का दौरा किया।

वहां उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग और निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की।चर्चा प्रौद्योगिकी, शिक्षा और सतत शहरी विकास में साझेदारी को बढ़ावा देने पर केंद्रित थी।सिंगापुर की यात्रा ने प्रगतिशील शासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए तेलंगाना की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। सिंगापुर के साथ संबंधों को मजबूत करके, राज्य का लक्ष्य अधिक निवेश आकर्षित करना और शहरी नियोजन और आर्थिक विकास में शहर-राज्य की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखना है।रेवंत रेड्डी की वापसी पर हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पार्टी नेताओं और समर्थकों ने तेलंगाना में पर्याप्त निवेश लाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की। समारोह में विदेश यात्रा के राजनीतिक और आर्थिक महत्व को रेखांकित किया गया।

प्रयागराज महाकुंभ के लिए हैदराबाद से कुंभ मेला अग्रवाल बंधु एवं अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में भक्तों के लिए राम रोटी भंडारा सेवा व्यवस्था तथा अमृत स्नान के लिए प्रियंका अग्रवाल, मृणाल सिंघनोडिया, प्रखर अग्रवाल, मोहक अग्रवाल, रमेश, नेहा अग्रवाल, महेश सिंघनोडिया, मंजू, यशवंत कुमार की उपस्थिति में पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कुंभ नगरी प्रयागराज के लिए रवाना हुआ।

शुक्रवार को हाईटेक्स प्रदर्शनी केंद्र में एसीटेक प्रदर्शनी में लिंगेल स्टॉल के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लिंगेल विंडोज के डॉ. मारियो श्मिट, नंदू असोसिएट्स के आर्क. नंदू कुमार, लिंगेल विंडोज के हेमंत कोटागिरी एवं अन्य।

केंद्रीय मंत्री खट्टर ने करीमनगर में स्मार्ट सिटी मिशन परियोजनाओं का उद्घाटन किया

करीमनगर, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार को करीमनगर में स्मार्ट सिटी मिशन की प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जो शहरी बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

इन परियोजनाओं में पांच डिवीजनों में 4,055 घरों को 24 घंटे पेयजल आपूर्ति प्रदान करने वाली एक पायलट पहल शामिल है, जिसमें पहले चरण के तहत 2,200 घरों को पहले ही जोड़ा जा चुका है। 18 करोड़ रुपये की यह परियोजना करीमनगर को भारत का पहला शहर बनाती है, जो पूरे साल निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करता है।मंत्री ने निवासियों के लिए मनोरंजन, शैक्षिक और विकासात्मक अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से एक पार्क, एक आधुनिक खेल परिसर और डिजिटल स्मार्ट कक्षाओं का भी उद्घाटन किया। उन्होंने स्मार्ट सिटी फंड के करीमनगर के अनुकरणीय उपयोग की सराहना की और इसे एक मॉडल शहरी केंद्र में बदलने पर जोर दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख पहलों के तहत उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, खट्टर ने कहा कि करीमनगर जल प्रबंधन, डिजिटल शिक्षा और स्वच्छता में अग्रणी बन गया है। शहर को हाल ही में सफाईमित्र सुरक्षा चैलेंज 2022 में राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल करने के लिए 4 करोड़ रुपये से सम्मानित किया गया, जो सफाई कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ावा देता है। मंत्री ने जल जीवन मिशन की सफलता की भी प्रशंसा की, उन्होंने कहा कि अब 74 प्रतिशत भारतीय घरों में स्वच्छ जल की पहुँच है, तेलंगाना ने लगभग सार्वभौमिक ग्रामीण नल कनेक्शन प्राप्त कर लिया है। उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और धन के दुरुपयोग की चिंताओं को दूर करने में स्थानीय सांसद बंदी संजय कुमार की भूमिका को स्वीकार किया। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत शहरी विकास में करीमनगर की प्रगति में इसकी 'कमांड एंड कंट्रोल' प्रणाली का आधुनिकीकरण, वाटर प्लस कार्यक्रम के माध्यम से बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडरों के लिए महत्वपूर्ण समर्थन शामिल है, जिससे 12,000 से अधिक व्यक्तियों को लाभ हुआ है। खट्टर ने तेलंगाना के विकास के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, पिछले दशक में बुनियादी ढांचे, कल्याणकारी योजनाओं और आवास परियोजनाओं के लिए 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय चुनौतियों, जैसे कचरा प्रबंधन और आवास की कमी को दूर करने के लिए निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया, साथ ही आवंटित धन का समय पर उपयोग करने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री ने शहरी जीवन स्तर में सुधार और प्रधानमंत्री मोदी के समृद्ध, समावेशी भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और करीमनगर के सांसद, बंदी संजय कुमार ने करीमनगर के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।उन्होंने लोगों की सेवा के लिए अपने समर्पण को व्यक्त किया और जोर देकर कहा कि शहर की प्रगति को आगे बढ़ाने के मामले में उनके और अन्य नेताओं के बीच कोई अंतर नहीं है।मंत्री ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की प्रशंसा की, और विनम्र शुरुआत से लेकर राष्ट्रीय नेता बनने तक की उनकी प्रेरक यात्रा को स्वीकार किया।

अशोकनगर छ्त्रऊ स्थित सेपटा परिवार द्वारा आयोजित महिला संगीत व अतिथियों के सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक आईजी गौशाला के सह सचिव ढगलाराम सेपटा, हुकमाराम सेपटा, हिमताराम, प्रवीण, लक्ष्मण, सीए नेमीचंद, सीरवी समाज पारसीगुटा बडेर अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, शिक्षा समिति पारसीगुटा बडेर अध्यक्ष लाबुराम पंवार, सीरवी समाज मल्लापुर बडेर अध्यक्ष तुलसाराम सिन्दड़ॉ, श्री आईजी गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुकमाराम सानपुरा, कोषाध्यक्ष नारायण लाल परिहार, आईजी सेवा संघ अध्यक्ष भगाराम मुलेवा, आईजी सेवा संघ कोषाध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा, नारायण लाल गेहलोत, चेनाराम परिहार, अर्जुनलाल बर्फा, कालुराम काग, किशनसिंह राठौड़, रामलाल परिहार, चैनाराम परिहार, बाबूलाल मुलेवा, भंवरलाल मुलेवा, मोतीलाल काग,विकास शर्मा, हापुराम गेहलोत, ओमप्रकाश पंवार, मंगलाराम सेपटा, मांगीलाल, धर्मीचंद सोलंकी, नेमीचन्द्र हाम्बड़, दुर्गाप्रसाद हाम्बड़,सुरेश सैणचा,राजुराम चोयल, पवन हाम्बड़,माधुराम चोयल, कानाराम ,आनंद शर्मा, नरेश खण्डेलवाल , कैलाश शर्मा, किशोर शर्मा व समाज बंधु।

स्वदेशी जागरण मंच तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने की राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वदेशी जागरण मंच तेलंगाना क्षेत्र का एक प्रतिनिधिमंडल मंच के राष्ट्रीय संयुक्त आयोजन सचिव सतीश जी के नेतृत्व में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से शिष्टाचार भेंट की।बैठक के दौरान श्री सतीश ने तेलंगाना में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहलों पर चर्चा की और राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर भी चर्चा की।

चर्चा में स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों को भी शामिल किया गया। इसके अलावा, करीमनगर में आयोजित होने वाले आगामी स्वदेशी मेले का विवरण राज्यपाल के साथ साझा किया गया और उन्हें विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया।

प्रतिनिधिमंडल में स्वदेशी जागरण मंच के राज्य संयोजक हरीश बाबू, स्वावलंबी भारत अभियान के सह-संयोजक बी इंद्रसेन रेड्डी शामिल थे। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत प्रचार प्रमुख केशव सोनी, और स्वावलंबी भारत अभियान के सदस्य सुधाकर शर्मा और महेश उपस्थित थे।

राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा संचालित इमलीबन श्मशान वाटिका एवं गौशाला परिसर में अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल के निर्देशन में समाज बंधुओं की सुविधा के लिए, स्नान घर एवं प्रसाधन कक्ष का शुभारंभ करते हुए समाज के महामन्त्री गोविन्द राठी, नन्दगोपाल भट्टड़, महेन्द्र व्यास, अजय शर्मा, अखिलेश कुमार, चितरंजन आचार्य व अन्य।

अ. भा. अग्रवाल महासभा द्वारा अखिल भारतीय जीव जंतु कल्याण पखवाड़ा के अंतर्गत शुक्रवार को ग्रीन पार्क कालोनी स्थित कात्यायनी गोशाला में निःशुल्क हरा चारा एवं दाना वितरण किया गया । कार्यक्रम में लायन्स क्लब के प्रेमचंद मुनोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने की । कार्यक्रम में गोशाला प्रतिनिधि परमेश, मनोहर राजू आदि भी उपस्थित रहे। कात्यायनी गोशाला में प्रतिदिन सायंकाल में गो आरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में गो प्रेमी उपस्थित रहते है । संस्था द्वारा एवं अन्य गोप्रेमियों द्वारा प्रति माह एक छोटी गोशाला में हरा चारा, दाना एवं औषधियां प्रदान की जाती है ।

राजस्थानी जागृति समिति की विशेष बैठक कल

हैदराबाद, 25 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्ववधान में आगामी अक्षय तृतीया दि. 30 अप्रैल को सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। इसी सन्दर्भ में रविवार, दि. 26 जनवरी को दोपहर 2.00 बजे विशेष बैठक का आयोजन बाहेती भवन, सिद्धाम्बर बाजार में किया जा रहा है।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उक्त बैठक में आगामी अक्षय तृतीया दि. 30 अप्रैल को होने वाले सामूहिक विवाह के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की जाएगी।

अतः सभी मारवाड़ी समाज के संस्थाओं से आग्रह किया गया कि उक्त बैठक में भाग लेकर इस पुनीत कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें एवं उचित मार्गदर्शन करें।

विज्ञप्ति के अनुसार इससे पहले भी समिति द्वारा सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। समिति का उद्देश्य मारवाड़ी समाज के किसी भी जाति का परिवार सामूहिक विवाह में अपने परिवार के लड़के और लड़की का विवाह जो निश्चित किया गया हो समिलित होकर अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं। समिति के पास अभी तक 6 परिवारों ने नाम पंजीकरण करा चुके हैं

विज्ञप्ति में बताया गया कि समिति का लक्ष्य सामूहिक विवाह में 31 जोड़ो का विवाह कराना है।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में लड़की के परिवार और लड़के के परिवार वाले के लिए 11,000/- रुपये शुल्क निश्चित किया गया। सामुहिक विवाह में लड़की को मंगलसूत्र, घाघरा ओढ़नी, सुहागसाड़ी, पैर के चैन, बिछुड़ी, घड़ियाल, सुहाग का सामान, बर्तन आदि दिया जाएगा।

वहीं लड़के को सूट, घड़ी, आलमारी, घोड़ी का सहयोग किया जाएगा। विवाह समारोह में वर-वधु के परिवार को विवाह में सम्मिलित होने के लिए 100 रिशेतारों के लिए निमंत्रण पत्र दिये जायेंगे। सभी समाज बंधुओं के सहयोग से ही सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है।

सभी मारवाड़ी समाज के बंधु 26 जनवरी को आयोजित विशेष बैठक में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने सुझाव और विचार से सामुहिक विवाह समारोह को सफल बनायें। अधिक जानकारी के लिए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी से संपर्क किया जा सकता है।

किशन रेड्डी ने भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के आजीवन समर्पण की सराहना की

हैदराबाद, 24 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित की और सामाजिक उत्थान, शैक्षिक सुधार और राजनीतिक सेवा के लिए उनके आजीवन समर्पण की सराहना की है।श्री रेड्डी ने शुक्रवार को नामपल्ली में राज्य कार्यालय में भाजपा 2025 डायरी जारी करने के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री ठाकुर को एक दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और पिछड़े वर्गों (बीसी) के हितों की रक्षा की थी।किशन रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर ने विभिन्न छात्र आंदोलनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हाशिए पर पड़े समुदायों की भलाई के लिए अथक संघर्ष किया।

विधायक, शिक्षा मंत्री और बिहार के दो बार मुख्यमंत्री के रूप में ठाकुर ने विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार पेश किए, जिससे उन्हें लोगों से जननायक की चिरस्थायी उपाधि मिली।

अंगूठे की चोट से उबरे कुहनेमन, श्रीलंका दौरे के लिए मिली मंजूरी

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन को अंगूठे की चोट की सर्जरी के बाद ठीक होने के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए हरी झंडी दे दी गई।

पिछले हफ्ते बिग बैश लीग (बीबीएल) के मुकाबले के दौरान कुहनेमन का दाहिना अंगूठा टूट गया था, लेकिन वर्तमान में, वह गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं।

हीट के फिजियो एडम स्मिथ की देखरेख में उन्होंने क्षेत्ररक्षण करते हुए कुछ कैच भी लपके।

गुरुवार को ब्रिसबेन में सफल अभ्यास सत्र के बाद, कुहनेमन श्रीलंका में आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल होने की मंजूरी मिलने के प्रति आशावादी हैं।

कुहनेमन के साथ विक्टोरियन बल्लेबाज ओलिवर पीक भी शामिल होंगे,18 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने पिछली गर्मियों में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी, ने पिछले सप्ताह मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए हीट के खिलाफ़ अपना बीबीएल डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने 19 रन बनाए थे।

कुहनेमन की रिकवरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को दाएं हाथ के नाथन लियोन और टॉड मर्फी के बाद पसंदीदा चयन विकल्प माना जा रहा है।

28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 में भारत के अंतिम उपमहाद्वीप दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, संभावित चार टेस्ट मैचों में से तीन खेले और इंदौर में ऑस्ट्रेलिया की जीत की पहली पारी में पांच विकेट लिए। लेकिन कुहनेमन को टीम में शामिल करने की मंजूरी कूपर कोनोली की 29 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की सीरीज में चौंकाने वाला टेस्ट डेब्यू करने की उम्मीदों को झटका दे सकती है।

कोनोली ने केवल चार प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और अभी तक उस स्तर पर एक भी विकेट नहीं लिया है। 21 वर्षीय खिलाड़ी के लिए अब टेस्ट डेब्यू करना मुश्किल लग रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम इस प्रकार है-

- पहला टेस्ट: 29 जनवरी-2 फरवरी, गॉल।
- दूसरा टेस्ट: 6-10 फरवरी, गॉल।
- पहला वनडे: 12 फरवरी, कोलंबो।
- दूसरा वनडे: 14 फरवरी, कोलंबो।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम:

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कॉन्स्टास, मैट कुहनेमन, मार्नस लैबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड पैडल लीग : टीम पैंथर्स का मालिक बना सोहेल खान एंटरटेनमेंट, मुंबई के नेस्को सेंटर में 5 से 8 फरवरी तक आयोजित होगी वर्ल्ड पैडल लीग

मुंबई। वर्ल्ड पैडल लीग (डब्ल्यूपीएल) ने गुरुवार को बॉलीवुड के मशहूर निर्माता और अभिनेता सोहेल खान के स्वामित्व वाले सोहेल खान एंटरटेनमेंट को टीम पैंथर्स का आधिकारिक मालिक घोषित किया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट भारत में पहली बार 5-8 फरवरी के बीच मुंबई के नेस्को सेंटर में आयोजित होगा, जिसमें दुनिया के शीर्ष पैडल खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सोहेल खान एंटरटेनमेंट, जो 'प्यार किया तो डरना क्या', 'जय हो', 'पार्टनर' और 'फ्रीकी अली' जैसी हिट फिल्मों के निर्माण के लिए जाना जाता है, अब खेल जगत में अपनी नई पारी शुरू कर रहा है। कंपनी इससे पहले 1000 से अधिक ऑन-ग्राउंड इवेंट आयोजित कर चुकी है और द-बैंग टूर जैसे बड़े शो का आयोजन कर चुकी है। इसके साथ ही, सोहेल खान सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग और मुंबई हीरोज टीम के सह-मालिक भी हैं। डब्ल्यूपीएल में अपनी भागीदारी पर सोहेल खान ने कहा, भारत में पैडल खेल की बढ़ती लोकप्रियता प्रभावशाली है। यह खेल समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है, और विश्व पैडल लीग की शुरुआत भारत में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। हमारी टीम पैंथर्स में विश्व स्तरीय प्रतिभाएँ शामिल हैं, और हमें उम्मीद है कि यह एक सफल संस्करण साबित होगा। वर्ल्ड पैडल लीग की निदेशक हेमाली शर्मा ने भी इस सहयोग पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, सोहेल खान एंटरटेनमेंट को वर्ल्ड पैडल लीग का हिस्सा बनाना हमारे लिए सम्मान की बात है। उनका जुड़ाव पैडल खेल की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। हम इस साझेदारी से उत्साहित हैं और भारत में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद करते हैं। लीग का प्रारूप और कार्यक्रम वर्ल्ड पैडल लीग तीन लीग चरण के दिनों के दौरान एकल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेली जाएगी, जिसमें प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेगी। लीग की शीर्ष दो टीमें 8 फरवरी को होने वाले फाइनल में भिड़ेंगी।

कपिल देव ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को दीं शुभकामनाएं

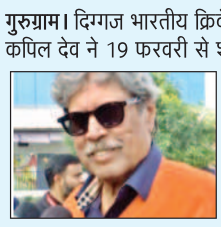

गुरुग्राम। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर और पूर्व कप्तान कपिल देव ने 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को शुभकामनाएं दी हैं। कपिल गुरुवार को गुरुग्राम के सत्या स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। मीडिया से बातचीत में विश्व कप विजेता कप्तान से टूर्नामेंट के लिए भारत को शुभकामनाएं दीं। आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी का नौवां संस्करण 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में होने वाला है। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच 50 ओवर के होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच दो चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत का आखिरी लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट के ग्रुप ए में मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी धारक और मेजबान पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में क्रिकेट विश्व कप 2023 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। भारत के ग्रुप चरण के मैच: 20 फरवरी - भारत बनाम बांग्लादेश, दुबई ,23 फरवरी - भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई, 2 मार्च - भारत बनाम न्यूजीलैंड, दुबई।

इंडोनेशिया मास्टर्स : क्वार्टर फाइनल में पहुंचे चीनी शटलर

जकार्ता। चीनी शटलर गुरुवार को जकार्ता के इस्तोरा सेनयान स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 2025 इंडोनेशिया मास्टर्स में चार श्रेणियों में क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। चीन की दुनिया की 10वें नंबर की मिश्रित युगल जोड़ी गुओ शिनवा और चेन फांगहुई ने चीनी ताइपे की चेन चेंग कुआन और हसू यिन-हुई को मात्र 29 मिनट में 21-10, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। क्वार्टर फाइनल में गुओ और चेन का सामना हमवतन चेंग जिंग और झांग ची से होगा, जिन्होंने साथी चीनी जोड़ी गाओ जियासुआन और वू मेंगिंग पर 21-18, 18-21, 21-7 से जीत हासिल की। पुरुष युगल में, जी हाओनान और जेंग वेहान ने मलेशिया के टैन वी कियॉन्ग और नूर मोहम्मद अजरियन अयूब पर 21-16, 21-14 से जीत हासिल की। इस बीच, महिला युगल में, जिया यिफान और झांग शुक्सियान ने अपनी टीम के साथी ली यिजिंग और लुओ जुमिन को 21-11, 21-19 से हराकर अपना दबदबा दिखाया। पुरुष एकल में, चीन के विश्व नंबर 1 शि यूकी ने दक्षिण कोरिया के जियोन ह्योक-जिन पर 21-11, 21-14 से सीधी जीत हासिल की।

खो-खो विश्व कप विजेता भारतीय टीमों को केंद्रीय खेल राज्य मंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने शुक्रवार को हाल ही में खो-खो विश्व कप जीतने वाली भारतीय पुरुष और महिला टीमों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। खडसे ने कहा कि यह देश के लिए गर्व का क्षण है कि दोनों टीमों ने इस स्वदेशी खेल में पहला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने इस जीत को पूरे देश, विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए प्रेरणा बताया।

हमारी मिट्टी का खेल, हमारा गर्व

खडसे ने कहा, हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों ने जिस दबदबे के साथ विश्व कप जीता, उससे मुझे बहुत गर्व है। यह हमारी मिट्टी और गांवों का खेल है, जिसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का श्रेय भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और खिलाड़ियों को जाता है। उन्होंने केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और उनकी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने इस खेल को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रतीक वाइकर और प्रियंका इंगले ने दिलाया स्वर्ण पदक

भारतीय पुरुष टीम, जिसकी कप्तानी प्रतीक वाइकर कर रहे थे, ने फाइनल मुकाबले में नेपाल को हराया। वहीं, महिला टीम ने प्रियंका इंगले की अगुवाई में नेपाल के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहले खो-खो विश्व कप में 6 महाद्वीपों के 23 देशों की 20 पुरुष और 19 महिला टीमों ने भाग लिया। यह टूर्नामेंट एक सप्ताह तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा।

महाराष्ट्र ने निभाई अग्रणी भूमिका

खडसे ने महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और कहा, महाराष्ट्र, जहां इस खेल की शुरुआत हुई, ने शानदार योगदान दिया। अब यह हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र में इस खेल को बढ़ावा दें और नई पीढ़ी को प्रेरित करें।

महाराष्ट्र सरकार ने खिलाड़ियों को दिया बड़ा तोहफा

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 10 दिसंबर, 2024 से 11 जनवरी, 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक महीने का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इस शिविर में 27 राज्यों के 60 पुरुष और 60 महिलाओं ने भाग लिया, जिसे केकेएफआई के समर्थन से आयोजित किया गया।

मित्तल ने सरकार की सराहना की

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने विश्व कप के सफल आयोजन में सहयोग के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने हर संभव सहायता प्रदान की। हमने चार साल बाद बर्मिंघम में अगले विश्व कप के आयोजन की घोषणा कर दी है और भारत में भविष्य की विश्व चैम्पियनशिप आयोजित करने की योजना पर विचार कर रहे हैं।

खिलाड़ियों को महाराष्ट्र सरकार का तोहफा

खडसे के अनुरोध पर महाराष्ट्र सरकार ने खो-खो विश्व कप में भाग लेने वाले राज्य के प्रत्येक खिलाड़ी को 2.25 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार और राज्य सरकार में प्रथम श्रेणी की नौकरी देने की घोषणा की है। यह कदम खो-खो को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयासों का हिस्सा है।

खो-खो को नई पहचान देने का प्रयास

रक्षा खडसे ने कहा कि सरकार खो-खो जैसे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि केकेएफआई की योजनाओं को आगे बढ़ाने और खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री से चर्चा की जाएगी।

खो-खो विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने न केवल स्वदेशी खेलों के प्रति रुचि को पुनर्जीवित किया है, बल्कि नई पीढ़ी को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है।

अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस ने मानसिक स्वास्थ्य और चुनौतियों पर साझा किए अनुभव

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पेरिस पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस ने हाल ही में गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट में अपनी यात्रा और अनुभव साझा किए। इस बातचीत में उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर अपनी भावनाएं भी व्यक्त कीं।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 श्रेणी में भारत का नाम रोशन करने वाली रुबीना ने कहा, अर्जुन पुरस्कार पाकर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद खास पल है। यह मेरे करियर की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि कैसे पिछले कुछ सालों में आई चुनौतियों ने इस उपलब्धि को और खास बना दिया।

टोक्यो से पेरिस तक का सफर

2020 टोक्यो पैरालंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सातवां स्थान हासिल किया था। हालांकि, उस प्रदर्शन ने उन्हें गहरा झटका दिया और खेल छोड़ने का विचार उनके मन में आया।

उन्होंने बताया, टोक्यो में मेरे प्रदर्शन ने मुझे निराश कर दिया। मैंने खुद का विश्लेषण किया और अपनी कमियों को समझा।

इस अनुभव ने उन्हें मानसिक रूप से और मजबूत बनाया। उन्होंने कहा, मैंने महसूस किया कि खेल मनोविज्ञान कितना जरूरी है। टोक्यो के दौरान यदि मैंने इसका महत्व समझा होता, तो मेरा प्रदर्शन बेहतर होता।

पेरिस पैरालंपिक में पदक जीतने से पहले, रुबीना ने 2022 से 2024 तक कई कोटा मैचों में निरंतर हार का सामना किया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कमजोरियों को दूर करते हुए इतिहास रच दिया।

मानसिक स्वास्थ्य पर जोर

रुबीना ने अपने सफर में मानसिक स्वास्थ्य की अहमियत पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, खेलों में मानसिक दृढ़ता बेहद जरूरी है। हार का असर कुछ समय तक रहता है, लेकिन उससे बाहर निकलना ही असली जीत है। मैंने सीखा कि खुद को कैसे सामान्य रखा जाए और आगे बढ़ा जाए।

रुबीना फ्रांसिस का यह सफर न केवल उनकी दृढ़ता और मेहनत का उदाहरण है, बल्कि देश के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित होकर उन्होंने न केवल अपनी उपलब्धियों को नया आयाम दिया है, बल्कि आने वाले समय में और ऊंचाइयों तक पहुंचने का भरोसा भी जताया है।

यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल

पेरिस में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में पेरिस सेंट जर्मेन और मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी खेलते हुए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : पीयर्स-गेडेकी की जोड़ी ने मिश्रित युगल खिताब जीता

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)। आस्ट्रेलिया की ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की जोड़ी ने शुक्रवार को मेलबर्न पार्क में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया है। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हमवतन किम्बर्ली बिरेल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ की जोड़ी को 3-6, 6-4, 10-6 से हराया।

बिरेल और स्मिथ ने रॉड लेवर एरिना में शुरुआती सेट में 3-0 की बढ़त हासिल की और आसानी से 6-3 से पहला सेट जीत लिया।

गेडेकी और पीयर्स ने इसके बाद दूसरे सेट में कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को बराबरी पर लाते हुए सेट 6-4 से अपने नाम किया। तीसरे सेट में भी कड़ी टक्कर हुई और अंत में गेडेकी-पीयर्स ने टाइब्रेक में सेट 10-6 से जीतकर खिताब अपने नाम किया।

यह गैडेकी का ग्रैंड स्लैम में पहला मिश्रित युगल खिताब था, जबकि पीयर्स ने इस श्रेणी में 2022 यू.एस. ओपन जीता था और यह उनका दूसरा खिताब है। 36 वर्षीय खिलाड़ी पीयर्स ने हमवतन मैथ्यू एब्डेन के साथ पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल स्वर्ण और फिन हेनरी कोंटिनेन के साथ 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीता है। शुक्रवार का मैच ओपन युग में टूर्नामेंट का पहला ऑल-ऑस्ट्रेलियाई फाइनल था। इसके अलावा यह ऑस्ट्रेलियन ओपन का 14वां संस्करण भी है, जहां किसी घरेलू खिलाड़ी को कम से कम एक खिताब में चैंपियन का ताज पहनाया गया।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम को केंद्रीय खेल मंत्री ने किया सम्मानित, दिव्यांग खिलाड़ियों को मिलेगा पूर्ण सरकारी समर्थन

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित पीडी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीतने पर भारतीय शारीरिक विकलांगता (पीडी) क्रिकेट टीम को सम्मानित किया। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।

दिल्ली स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद और एक्सेसिबिलिटी संगठन 'स्वयं' द्वारा समर्थित टीम को विशेष सम्मान दिया गया।

इस मौके पर डॉ. मंडाविया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी खेल दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिव्यांग एथलीटों के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर हमेशा आगे रहे हैं। 'दिव्यांग' होना कमजोरी नहीं, बल्कि एक विशेष क्षमता है। हमारी टीम ने यह साबित कर दिया है कि वे देश को गर्व महसूस करा सकते हैं। छह में से पांच मैच जीतकर और इंग्लैंड, श्रीलंका, और पाकिस्तान जैसी टीमों को हराना असाधारण उपलब्धि है।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम की चयन प्रक्रिया बेहद कठोर रही। उदयपुर में हुए ट्रायल्स में देशभर के 28 राज्यों से आए 450 से अधिक खिलाड़ियों में से 56 को जयपुर में आयोजित चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चुना गया। अंत में 17 खिलाड़ियों को भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

डॉ. मंडाविया ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा, पेरिस पैरालंपिक से लेकर पीडी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक, हमारे 'दिव्यांग' एथलीट देश को गर्व के पल दे रहे हैं। सरकार आपके साथ हर कदम पर खड़ी है। आपकी उपलब्धियां देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी।

सम्मान समारोह में पूरी टीम के साथ कोच, डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान, स्वयं की संस्थापक-चेयरपर्सन स्मिनू जिंदल, और खेल मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम की इस उपलब्धि ने दिव्यांग एथलीटों के प्रति सरकार और समाज की जिम्मेदारी को और अधिक मजबूत किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.